हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही.

27 मार्च, 1985

खण्ड 1 अक 14

अधिकृत विवरण

विषय सूची

बुधवार, 27 मार्च, 1985

पृष्ठ

संख्या

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(14) 1
नियम 45 के अधीन सदन कीं मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(14) 20
विभिन्न विषयों का उठाया जाना	(14) 30
वाक आउट.	(14) 31
विभिन्न विषयों का उठाया जाना (पुनरारम्भ)	(14) 31
वाक आउट	(14)32
विभिन्न विषयों का उठाया जाना (पुनरारम्भ)	(14)33
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव–	
नहरी पानी तथा बिजली आदि की कमी के कारण फसले नष्ट होंने सम्बन्धी	(14) 34
वक्तव्य––	

मुख्य मन्त्री द्वारा फरीदाबाद में पत्थर की खानों में कार्य कर रहे मजदूरों की दयनीय स्थिति सम्बन्धी	(14) 36
वर्ष 1985–86 के वजट की डिमांड्ज फार ग्राट्स पर चर्चा तथा मतदान	(14)42
वैयक्तिक स्पष्टीकरण–	
(1) परिवहन राज्य मन्त्री हारा	(14) 64
(2) श्री मंगल सैन द्वारा	(14) 65
वर्ष 1985– 86 के बजट की डिमांड्ज फार ग्राट्स पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(14)65
वैयक्तिक स्पष्टीकरण––	
श्री मंगल सैन द्वारा	(14) 80
वर्ष 1985– 86 के बजट की डिमांड्ज फार ग्रांट्स पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(14) 80
बैठक का समय बढाना	(14)86
वर्ष 1985– 86 के वजट पर डिमांड्ज फार ग्रांट्स पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(14) 86

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 27 मार्च, 1985

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान सभा भवन, सैक्टर– 1, चण्डीगढ में प्रातः 9.30 बजे हुई ।

अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की ।

तारॉंकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे ।

Consumption of Electricity

***864. Chaudhri Balvir Singh Grewal :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the total units of electricity consumed for domestic purposes in the rural and urban areas in the State, separately, during the years 1981-82, 1982-83, 1983-84 and 1984-85 (upto 31st December, 1984) togetherwith the average number of units of electricity consumed daily for the said purpose in the aforesaid areas during the said period, separately; and

(b) the average daily consumption of electricity by tubewells, industries and factories separately during the years as referred to in part (a) above ?

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala)

a) and b) A statement containing the requisite information is laid on the Table of the House.

STATEMENT

Domestic Consumption (in Lac Units)

	1981-82	1982-83	1983-84	1984-85 (upto December, 1984)
Rural	1080.27	1371.59	1521.72	1063.71
Urban	1707.11	2087.14	2258.05	1749.99
Average daily consumption (in Lac Units)				
Rural :	2.96	3.75	4.14	3.93
Urban	4.68	5.72	6.19	6.47
(b) Average daily consumption of electricity of tubewells and industries/factories (in Lac Units)				
Tubewells	31.76	36.37	35.65	40.21
Industries/ factories	38.08	40.45	36.79	34.73

चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवाल : स्पीकर साहब, मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि जो शहरों और गांवों में बिजली दी गई है उसमें इतनी ज्यादा डिस्पैरिटी क्यों है? आप चाहे ट्यूबवैल्ज में देख लें या डोमैस्टिक में देख लें । डोमैस्टिक साइड में तो

आल मोस्ट डबल है । इसी तरह से इंडस्ट्रीज के लिए भी डिस्पैरिटी है । एक तरफ सरकार कहती है कि इंडस्टरी के मुकाबिले में ट्यूबवैल्ज को ज्यादा बिजली दी जा रही है लेकिन इन फिर्ग्ज से पता चलता है कि ट्यूबवैल्ज को बहुत कम बिजली दी गई है, इसका क्या कारण हे?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, यह जो बात कह रहे हैं वह ठीक नहीं है । 1981–82 से लेकर दिसम्बर 1984 तक जो टोटल पावर रूरल सैक्टर में कंज्यूम हुई है, उसकी फिर्ग्ज मैं बता देता हूं । 1981– 82 में रूरल सैक्टर में टोटल पावर गर्ड 47. 89 % , 1982– 83 में 49.25 %, 1983–84 में 46. 91 % और 1984–85 में दिसम्बर तक 49. 70 % गई । यह टोटल कंज्यूम की गई पावर का लगभग 50 % बनता है । पिछले तीन महीनों की फिर्ग्ज इससे भी ज्यादा हैं ।

चौधरी ओम प्रकाश : क्या मन्त्री जी बताएंगे कि हरियाणा और पंजाब के इलैक्ट्रिसिटी रेट्स में कितना अन्तर है? जहां तक मुझे इन्फर्मेशन है हरियाणा प्रदेश के अन्दर ट्यूबवैल्ज के लिए 22 रुपए प्रति हार्स पावर प्रति महीना है और पंजाब के अन्दर 17 रुपए है । क्या सरकार के कोई प्रस्ताव विचाराधीन है कि इन रेट्स को पंजाब के एट पार कर दिया जाए? दूसरी बात मैं यह जानना चाहता हूं कि टूयूबवैल्ज के लिए अश्योर्ड और स्टेबल बिजली। की सप्लाई के लिए सरकार क्या कदम उठा रहाँ है?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, उनके सवाल के दूसरे पार्ट का जवाब यह है कि 16 जनवरी के बाद सगी सैक्टर्ज जिसमें एग्रीक्लचर सैक्टर भी शामिल है, को पता है कि फलां तारीख को इतने बजे से इतने बजे तक बिजली मिलेगी और उस टाइम पर बिजली मिल भी रही हे । जहां तक रेट्स का सवाल है यह बात मेन सवाल में पूछी नही गई थी लेकिन फिर भी मैं बताना चाहता हूं कि पंजाब और हरियाणा में रेटस का कोई अन्तर नही. है । मेरा ख्याल है कि पंजाब वाले रेट्स बढ़ाने जा रहे' हैं, तो क्या यै इस बात को मान लेंगे कि हम भी उनके साथ बढा दे?

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक : क्या मन्त्री जी बताएंगे कि इस बात का कोई क्राइटेरिया हे कि टूयूबवैल्ज को इतनी बिजली दी जाएगी और इंडस्ट्रीज को इतनी दी जाएगी?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, क्राइटेरिया बाकायदा है । इंडस्टरी को 4 दिन बिजली मिलती हे यानि. हफ्ते में 24 घंटे । टूयूबवैल्ज को रोजाना 8 घंटे के हिसाब से पूरे सात दिन मिलती है । 6 घंटे तो मिनिमम मिलती है, इस समय मेरे पास फिगर्ज नहीं हैं वरना मैं बताता । ट्यूबवैल्ज को रोजाना 12, 14, 18 और 20 घंटे तक भी बिजली मिली है ।

श्री किताब सिंह : स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने बताया कि ट्यूबवैल्ज और इंडस्ट्रीज को बिजली देने में कोई भेद भाव नहीं किया जाता है । एक बिरला की फैक्टरी है उसको 1– 1–85 से 1 5– 1– 85 तक जो बिजली मिली, मैं उसकी फिगर्ज बताता हूं । इस फैक्टरी का नाम ई ० सी० ई० है और यह सोनीपत में है । इसको एक जनवरी से 8 जनवरी तक 24 घंटे बिजली मिली, सात और आठ जनवरी को 22 घंटे रोजाना मिली, 9 जनवरी को 24 घंटे, 10 जनवरी को 15 घंटे और इसी तरह से आगे 24 घंटे बिजली मिली । इसी तरह से मूरथल में एक फैक्टरी है उसको भी 24 घंटे रोजाना बिजली मिली है । मन्त्री जी कहते हैं कि कोई अन्तर नही है तो इनको इतनी ज्यादा बिजली कैसे मिली?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, अगर माननीय सदस्य अपने कर्तव्य के बारे में जागरूक होते तो इस बारे में सवाल दे सकते थे तब मैं इनको एग्जैक्ट फिगर्ज दे सकता । यह सवाल तो डिफरैंट सैक्टर्ज में कितनी बिजली गई उस बारे में है । इन्होंने जिक्र किया कि ई ० सी० ई० फैक्टरी को जनवरी में इतनी– इतनी बिजली दी गई । स्पीकर साहब, हम इस बारे में सभी एम० एल० एज० को बुला कर डेली मीटिंग करते हैं कल इनके जिले सोनीपत के बारे में मीटिंग थी और इन्होंने इस बात का कल भी जिक्र किया था । मैंने कल एस० ई ० को नोट करवाया था कि ये फिगर्ज तीन दिन के अन्दर आ जानी चाहिएं मुझे बताया गया था कि ई० सी ० ई० वालों ने अपना जनरेटर

लगाया हुआ है । वे ट्यूब्ज, बल्व और ट्रांसफार्मर बनाते हैं । यह एक कन्टीन्यूस प्रोसैस मैनुफैक्चरिंग कम्पनी है और अगर 70 % भी बिजली का कट हो तो ऐसी कम्पनी को सात दिन बिजली देनी पड़ती है लेकिन इसको यह स्पैशल बैनिफिट नहीं दिया गया । इसको हम हफ्ते में चार दिन के हिसाब से एक दिन में 8 पटे बिजली देते हैं । अगर ये पहले यह बात उठाते तो मैं इनको एग्जैक्ट फिगर्ज बता देता ।

श्री किताब सिह : स्पीकर साहब, यह भी बताए कि इंडस्टरी और टयुबवैल्ज को कितनी–कितनी बिजली दी गई?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : इंडस्ट्रीज को 44.33% बिजली गई है और एग्रीकल्चर सैक्टर में 40.21% गई है ।

चौधरी धीर पाल सिंह : क्या मन्त्री जी बताएंगे कि 1980–81 से 1984–85 तक घरेलू कंजपशन का शहरों और गांवों में इतना अन्तर क्यों रहा?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, इसमें फर्क इसलिये है कि शहरों में कनैक्टिड लोड ज्यादा है ओर गांवों में कम है । गांवों में तो ज्यादा से ज्यादा एक आदमी पंखा चला तेगा या इन जैसे आदमी के घर कोई फ्रिज होगा, उसको चला लेगा वरना आम तौर पर तो लोग केवल बल्ब ही जलाते हैं । लेकिन शहरों में लोड ज्यादा है । दूसरे इस फिगर में वह बिजली भी शामिल है जो हम असैंशियल सर्विसिज के फीडर आन करते

हैं, तीसरे जैसे इंडस्ट्रीज को जो 6 घंटे बिजली मिलती है वह भी है क्योंकि शहरों में मिक्सड फीडर हें । गांवों में इस तरह से मिकसड फीडर नहीं हें जिसमें इंडस्टरी शामिल हो । इसलिये यह अन्तर है ।

चौधरी हुकम सिंह : स्पीकर साहब, अभी मन्त्री जी ने बताया कि किसानों को ट्यूबवैल्ज के लिए रोजाना 6 घंटे बिजली मिलती हे । क्या मन्त्री जी के नोटिस में कोई ऐसी शिकायत आई है कि हल्का साल्हावास में कोसली सब–स्टेशन और बहु– झोलरी सब–स्टेशन से किसानों को 4 फरवरी से 8 फरवरी तक केवल 49 मिनट रोजाना बिजली मिली । इसको लेकर किसानों ने रैली की और वहां पर बिजली बोर्ड के साथ झगड़ा हुआ । उन लोगों ने रिकार्ड दिखाया तो उस पर भी 49 मिनट बिजली पाई गई । उन्होंने बताया कि हमारा सिस्टम ओवर लोडिड था इसलिये हम और लोड नहीं पा सके । क्योंकि वहां पर सिस्टम ओवर लोडिड है इसलिये मन्त्री जी किसानों को रोजाना 6 घंटे बिजली देने के लिए क्या कदम उठा रहे हें?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने उस एरिया के बारे में जो सवाल पूछा है यह अभी फरवरी मार्च के महीने की बात है । वहां पर कुछ झगड़ा भी हुआ और इनके कहने के मुताबिक चार दिन तक 40 या 50 मिनट से ज्यादा देर तक वहां पर बिजली नहीं मिली । माननीय सदस्य जिन चार दिनों की बात कर रहे हैं उन दिनों में वहां पर

थोड़ा–झगड़ा भी हुआ और आपस में मार पिटाई भी हुई । स्पीकर साहब, इस समय इस बारे में कोई एग्जैक्ट इन्फर्मेशन मेरे पास नहीं है । मेरे ख्याल में वहां पर कोई लोकल प्रोब्लम थी । वहां पर बहुत से फीडर ओवर लोडिड हैं । मैं यह बात मानने में कोई संकोच नहीं करूंगा कि वहां पर अर्बन और रूरल एरीयाज में फीडर ओवर लोडिड हैं । ओवर लोडिड कंटैक्टस के लिए बिजली बोर्ड के पास बाकायदा कार्यक्रम है । ओवर लोडिंग में एक दिन के अन्दर इम्प्र्वमैंट नहीं हो सकती । एक दिन में किसी भी ट्रांसफार्मर पर इतनी ओवर लोडिंग इन्क्रीज नहीं हो सकती । एक ट्रांसफार्मर 20 लाख से 40 लाख यूनिट–तक काम करता हे । ऐसे एरियाज में जहां पर ओवर लोडिंग की प्रोब्लम है वहां पर हम ओवर लोडिंग की इम्प्रूवमैट के लिए पहले काम कर रहे हैं ।

चौधरी रोशन लाल : आर्य स्पीकर साहब, जैसे. कालका से. छछरौली तक सब– मोनटेंनियस बैल्ट है । इन इलाकों में टयूबवैल्ज नहीं लग सकते और वहां पर नल भी कामयाब नहीं हैं । ऐसे इलाकों के लिए पीने के पानी की वाटर सप्लाई स्कीम पब्लिक हैल्थ डिपार्टमेंट से जुड़ी हुई है । अगर उन इलाकों में एक दिन भी बिजली नहीं जाती है तो पशुओं और मनुष्यों को पीने के पानी की समस्या हो जाती है । मैं आपके द्वारा मती जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या ऐसे इलाकों के लिए कोई ऐसी व्यवस्था की है जिससे उन इलाकों को लगातार वाटर सप्लाई के

लिए बिजली मिलती रहे, अगर ऐसी व्यवस्था नहीं की गई है तो क्या सकार इस बारे में विचार करेगी?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, गांवों में वाटर सप्लाई के लिए निरन्तर बिजली देने का कोई प्रोविजन नही है और न– ही सरकार के विचाराधीन कोई ऐसी बात है कि वाटर सप्लाई– के लिए लगातार बिजली दी जाए । वाटर सप्लाई स्कीम के लिए जो बिजली देने का अरेंजमैंट किया हुआ है उसके बारे मैं बता देता है । पहले वाटर सप्लाई के लिए दो घंटे बिजली दी जाती थी यानी मोरनिंग में 5 बजे से 7 बजे तक दी जाती थी और किसी– जगह पर 6 बजे से 8 बजे तक दी जाती थी लेकिन पिछले दिनों इस लिमिट को इन्क्रीज कर के तीन घंटे कर दिया था और अब साढ़े तीन घंटे कर रहे हैं । परसों से ऐसा कर दिया है कि मोरिनंग में 4 बजे से 8 बजे तक, दोपहर में एक बजे से दो बजे तक इस तरह से 6 घंटे बिजली गांवों में और शहरों में देंगे । जिस समय 6 घंटे लगातार बिजली देने की गांवों की टर्न आती है उस वक्त सारी वाटर सप्लाई चलती है । इस तरह से लोगों को वाटर सप्लाई के लिए 10– 11 और 12 घंटे बिजली मिलती है ।

सेठ राम दास धमीजा : स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि आपने रूरल एरियाज को एवरेज डेली कंजपशन 2.98 लाख यूनिट दी है और अर्बन एरियाज के लिए 4.68 लाख यूनिट दी है, इसमें इतना फर्क क्यों है?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, यह फिगर्ज लाइट लोड की है, टयूबवैल्ज की नहीं है । हमने रूरल की और अर्बन की अलग–अलग एवरेज डेली कंजम्पशन दे रखी है ।

श्री ए ० सी० चौधरी : स्पीकर साहब, इसमें कोई दो राय नहीं है कि अगर किसानों को बिजली न मिले तो सारा देश अनाज के लिए वाही लाही करेगा लेकिन इसमें भी कोई दो राय नहीं और कोई शक नही कि खेती के अलावा ऐसे लोग भी हैं जिनकी आजीविका नौकरी पर मुनस्सर करती है । वे लोग अलग–अलग फैक्ट्रियों में नौकरी करते हैं और उन फैक्ट्रियों को एक हफ्ते में 24 घंटे से कम बिजली मिलती है इसलिए वहां के मजदूर बेकार हो जाते हैं और दूसरे लोगों को फैक्ट्रियों के मालिक इम्पलायेमैंट नहीं दे पाते जिसकी वजह से लेबर प्रोब्लम पैदा हो जाती है और ला एंड आर्डर की प्रोब्लम भी पैदा होती है । हरियाणा की फैक्ट्रियों को बिजली न मिलने के कारण फैक्ट्रिया हरियाणा से बाहर जा रही हैं । फैक्ट्री मालिक अपनी फैक्ट्रियों को हरियाणा से उठा कर बाहर ले जा रहे हैं । मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हू कि इस तरह से. फैक्ट्रियों को बिजली कम दे करके आप उनको कब तक चला पाएगे? कही ऐसा न हो कि हरियाणा की लेबर यहा रिफ्यूजी बनकर रह जाए ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, एग्रीकल्चर और इंडस्ट्रीज आपस में सप्लीमैंटरी और कम्पलीमैटरी हैं इसमें कोई फर्क नही है । दोनों चीजों के लिए हम प्रान्त के

हित में पूरी तरह जागरूक है । मैं हाउस कौ बताना चाहूंगा कि पिछले एक हफ्ते से बिजली की सप्लाई में लगभग 8– 10 लाख यूनिट प्रति दिन का सुधार हुआ है क्योंकि कुछ गर्मी का मौसम भी आ गया है और एग्रीकल्चर की तरफ से. भी डिमांड कम हुई है । अगले महीने एग्रोकल्चर के लिए बिजली की डिमांड काफी कम हो जाएगी । इस महीने की 29 तारीख से– यानी अगले दो दिन के बाद जितने पुराने रेगुलेटरी मैईयर्ज थे, उनमें नई तरमीम की है । दो दिन के बाद इंडस्ट्रीज को हफ्ते में चार दिन की बजाय 5 दिन बिजली मिलेगी । इंडस्ट्रीज पर जो बिजली की 70 परसैंट कटौती थी उसको घटा कर 60 परसैटं कर दिया गया हे और रोशनी के लिये पहले जो 6 बजे से रात को 10 बजे तक दी जाती थी उसको इनक्रीज करके 6.30 बजे से रात को 12 बजे तक कर दिया गया है क्योंकि आज कल बच्चों के पढ्ने का समय है । वाटर सप्लाई के लिए बिजली की सप्लाई के बारे में मैं पहले ही बता चुका हु । स्पीकर साहब, मैं एक बात जरूर कहूंगा कि अल्टीमेटली यह प्रचार किया जा रहा है कि बिजली की कमी के कारण इंडस्ट्रीज हरियाणा से उठ कर बाहर जा रही है । मैं इनको कहना चाहूंगा कि कोई भी इंडस्ट्री हरियाणा से बाहर नही गई है और न ही भविष्य में जाएगी । किसी भी दूसरी स्टेट में हरियाणा से ज्यादा बिजली इंडस्ट्रीज को नहीं मिल रही है । यू. पी. में भी हरियाणा से कम बिजली मिल रही है, पंजाब में भी हमारे से ज्यादा नहीं है, राजस्थान में हमारे से कम मिल रहो है और हिमाचल प्रदेश में भी ज्यादा नहीं मिल रही है ।

ठाकुर बहादुर सिंह : स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने बताया कि हर फीडर को रोजाना 8 घंटे बिजली एग्रीकल्चर के लिए दी जाती हे । है आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या इनके नोटिस में यह बात है कि सिरसा जिले में हर. फीडर को डेली' 6 घंटे बिजली नहीं दी गई है आल्टरनेट डेज पर बिजली मिली है । क्या ऐसा कोई प्रावधान किया जा रहा है जिससे सिरसा जिले के फीडर्ज को 6 घंटे रोजाना बिजली मिल सके?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, ऐसी कोई बात नहीं है कि सिरसा जिले को रोजाना 6 घंटे बिजली नहीं दी जा रही हो । वहाँ पर कोई लोकल प्रोब्लम हो सकती हे । लोकल प्रोब्लम तो सिरसा जिले में भी हो सकती है, जींद में भी हो सकती है, हिसार में भी हो सकती है और गुड़गांव जिले में भी हो सकती है । ऐसे गांवों में जहां पर कोई एक पर्टीकुलर फीडर ओवर लोडिड है वहां पर आल्टरनेट डेज पर बिजली जाती है लेकिन पूरे जिले के बारे में ऐसा नहीं है । मैं अपने माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि मेरे पास सर्कलवाईज इन्फर्मेशन है । जो सिरसा जिला है, वह हिसार सर्कल में आता है । हिसार सर्कल में पहली फरवरी से 16 फरवरी तक बिजली इस प्रकार से गई है । पहली फरवरी को 8 घंटे, 2 तारीख को 9 घंटे, 3 तारीख को 5 घंटे, 4 तारीख को 5 घंटे, 5 तारीख को 9 घंटे, 6 तारीख को 8 घंटे, 7 तारीख को 6 घंटे, 8 तारीख से लेकर 13 तारीख तक 7

घंटे और 14 तथा 15 तारीख को 5 घंटे बिजली गई है । यदि हिसार सर्कल में बिजली गई है तो सिरसा जिले में भी बिजली जरूर गई होगी । अगर वहां पर कोई लोकल प्रोब्लम हे तो उसके बारे में माननीय सदस्य बताएं, तो हम इनकी जरूर मदद करेंगे ।

चौधरी सुरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मली महोदय ने सर्कल के जवाब में रूरल एरिया और अर्बन एरिया की फिगर्ज दी हैं । यह बात ठीक है कि गांवों में मतवातर बिजली जाती रहती है लेकिन मैं एक बात कहना चाहूंगा कि अगर शहर में किसी तरह से बिजली खराब हो जाए या चली जाए तो उसकी शिकायत की जा सकती है और टैलीफोन करके कहा जा सकता है और बिजली आ जाती है । लेकिन गांव में ऐसी सुविधा नहीं है । स्पीकर साहब, जव गांव में कोई ट्रांसफार्मर जल जाता है तो उसको ठीक करने वाला कोई नहीं होता । जब पीछे मंत्री जी भिवानी में ग्रीवेन्सीज कमेटी में भाग लेने के लिए गये थे तो उस समय यह मामला उनके नोटिस में लाया गया था । उस मीटिग में इनको बताया था कि एक गांव का ट्रांसफार्मर डेढ़ महीने से जल गया था लेकिन उसको डेढ़–दों महीने तक ठीक नहीं किया गया था । मैं मंदी जी से जानना चाहता हूं कि क्या ये ऐसा कोई प्रबन्ध करेंगे कि ऐसे ट्रांसफार्मर जल्दी से जल्दी ठीक हो सकें ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, ऐसे ट्रांसफार्मर खुद–ब–खुद ठीक हो जाते हैं क्योंकि जब कोई ट्रांसफार्मर जल जाता है तो उसकी लोग शिकायत दर्ज करवा देते

हैं । एक केस इन्होंने मेरे नोटिस में ग्रीवेन्सीज कमेटी की मीटिंग के समय लाया था । उस केस के बारे में मैंने अधिकारियों को कह दिया था कि इसकी इन्कवायरी करके ट्रांसफार्मर को चेन्ज कर दिया जाये । इस समय हुमारे पास ट्रांसफार्मरों की कोई दिक्कत नहीं है । क्योंकि हमारे पास इस वक्त सरप्लस ट्रासफार्मर पड़े हुए हैं । हम ने खराब हुए ट्रांसफार्मरों को ठीक करने के लिए 6 वर्कशाप बनाई हुई हैं । स्पीकर साहब, इसके अलावा हें यह भी बताना चाहूंगा कि सरकार ने बिजली की रैगुलर सप्लाई करने के लिए और बिजली के बंटवारे के लिए डिफरैन्ट सैक्टरों के इंतजाम किए हुए हैं ताकि विजली में किसी प्रकार की कोई रुकावट न आए । (व्यवधान व शोर) श्री वीरेन्द्र सिंह और श्रीमती चन्द्रावती जी बिजली की सप्लाई रैगुलर होने पर संतुष्ट हैं क्योंकि ये इस सवाल को अब बन्द करवाना चाहते हैं । ये इस पर और कोई सप्लीमैन्टरी नहीं पूछना चाहते, इससे ज्यादा सबूत बिजली की सप्लाई के बारे में और क्या हो सकता है ।

श्री कवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय जी से जानना चाहता हूं कि उन टयूबवैलों को जिनको फ्लैट रेट पर बिजली सप्लाई की जाती है, मिनिमम कितने घन्टे सप्लाई करते हैं? दूसरे यदि ऐसे टयूबवैलों के लिए समय फिक्स किया हुआ है तो क्या कम सप्लाई होने पर फ्लैट रेट वाले टयूबवलों को कोई अतिरिक्त राहत देंगे? एक सवाल मैं पूछना चाहूंगा कि क्या अपने

यहां पर सरकार किन्ही प्राइवेट लोगों को बिजली की जनरेशन के लिए इजाजत देगी?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, इन्होंने सवाल किया है कि क्लैट रेट वाले टयूबवैलों को महीने में एवरेज जितनी बिजली मिलनी चाहिए अगर उससे कम मिलेगी तो क्या ऐसे टयूबवैल वालों को कोई राहत देंगे या नहीं । सर, इस वक्त मेरे पास इस सम्बंध में फिगर्ज नहीं हैं क्योंकि जो सवाल इन्होंने किया है वह इस मेन सवाल से संबंधित नहीं है । स्पीकर साहब, पीछे फ्लैट रेट के बारे में एक सवाल आया था लेकिन समय की कमी होने के कारण असैम्बली में नही लग सका । उस समय का मुझे याद है कि ऐसे फ्लैट रेट वाले टयूबवैलों को महीने में मिनिमम 150 घंटे बिजली सप्लाई करते हें । उस समय जब मैंने सारी फिगर्ज देखी तो ऐसे टयूबवैलों को महीने मे 150 घंटे से ज्यादा बिजली मिलती रही है इसलिए इनको कोई राहत देने का सवाल नहीं है । हां यदि कोई ट्रांसफार्मर जलने की वजह से या दूसरे कारणों से बिजली की सप्लाई न हो सके तो इस सूरत में हमने आलरेडी इक्ट्रेक्शंज दी हुई हैं कि उन को राहत दी जाये । दूसरा सवाल यह था कि अगर प्राइवेट लोग पावर जनरेशन के लिए आगे आते हैं तो क्या हम उनको इजाजत देंगे । इस बारे में मैं इन्हें यह बताना चाहूंगा कि फरीदाबाद चौम्बर आफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज वाले आज से साल डेड़ साल पहले मुख्य मती जी के पास आये थे और उन्होंने कहा था कि हम फरीदाबाद थर्मल प्लांट

को खुद चलाना चाहते हैं । इस पर सरकार ने उनको साल, दो साल, तीन साल के लिए थर्मल प्लांट फरीदाबाद को लीज पर देने की औफर की थी कि अगर वह इस प्लांट को लीज पर चलाना चाहते हैं तो भारत सरकार से बात करें । बाद में वे फिर आए और उन्होंने कहा कि हम नहीं चला सकते । उसके बाद फिर आए कि हम फरीदाबाद में 100 या 200 मैगावाट का अपना एक थर्मल प्लांट लगाना चाहते हैं तो उस पर भी हमने कहा कि सरकार को कोई आपत्ति नहीं है ।

Construction of new Roads in the State

@*942 Chaudhri Om Parkash : Will the Minister for Public Works (B&R) be pleased to state—

(a) the Constituency-wise kilometres of new roads constructed in the State during the year 1984-85 ; and

(b) the criteria, if any, fixed for the construction of new roads ?

श्री अध्यक्ष : इस सवाल के बारे में सरकार ने एक्सटैंशन मांगी है, वह मैंने दे दी है । सम्बन्धित मंत्री महोदय से इस बारे में प्राप्त एव इस प्रकार है :—

INTERIM REPLY

अमर सिंह डी० ओ० नं० 29—17—85 /लो:नि: 4(3)

लोक निर्माण (भवन व
सड़कें) मंत्री

हरियाणा सरकार

चण्डीगढ ।

दिनांक मार्च 25, 1985

विषय : तारांकित विधान सभा प्रश्न नं० 942

प्रिय श्री तारा सिंह जी,

विधान सभा तारांकित प्रश्न नं० 942 जो 27—3—85 की सूची में थी ओम प्रकाश (बेरी), सदस्य, हरियाणा विधान सभा के नाम दर्ज है, के विषय में मुझे यह कहना 'है कि उक्त प्रश्न का उत्तर अभी तैयार नहीं हुआ है क्योंकि सूचना अधीनस्थ कार्यालयों से एकत्रित की जानी है । इसलिए इसमें समय लगेगा । अनुरोध है कि इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए 6 सप्ताह का समय दिया जाये ।

आपका

हस्ताक्षर

(अमर सिंह)

श्री तारा सिंह

अध्यक्ष,

हरियाणा विधान सभा

चण्डीगढ ।''

चौधरी ओम प्रकाश : स्पीकर साहब, इस सवाल में तो एक्सटैशन लेने की. कोई जरुरत नहीं थी क्योंकि सीधा सा सवाल है । यह इसको अवायड करना चाहते हैं ।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : स्पीकर साहब, इन्होंने अपने सवाल में पूछा था कि. हल्के वाईज कितनी–कितनी सड़कें बनी हैं । मैं इन्हें बताना चाहूंगा कि सड्कों का हल्के वाईज कोई हिसाब नहीं होता बल्कि सर्कल वाईज होता है । सर्कल वाईज के आंकड़े मत्री जी के पास हैं । यदि ये सर्कल वाईज आंकड़े पूछना चाहेगे तो वह मंत्री' जी बता देंगे ।

चौधरी ओम प्रकाश : स्पीकर साहब, हमारे पास पहले कोई इन्फर्मेशन सरकार की तरफ से नहीं आई है । सरकार इस सवाल को जानबूझ कर टालना चाहती है । ये इसलिए टालना चाहते हैं कि कहीं गवर्नमैंट एक्सपोज न हो जाए क्योंकि अपोजीशन के किसी हल्के में एक किलोमीटर भी सड़क नहीं बनाई गई ।

श्री अध्यक्ष : इन्होंने कहा है कि सर्कल वाईज इन्फर्मेशन अवेलेबल है । आपको अपने सर्कल का पता होगा कि

कौन सा आपका सर्कल पड़ता है । उसी पर आप इनसे सप्लीमैंटरी सवाल पूछ सकते हैं ।

चौधरी ओम प्रकाश : स्पीकर साहब, जब हमें पहले कोई इन्फर्मेशन ही नहीं दी गई है तो हम क्या सप्लीमैंटरी पूछेंगे?

श्री अध्यक्ष : ठीक है, मंत्री जी, इस सवाल का जवाब सर्कल वाईज कल दे देंगे ।

Stadium at village Kiloi

***916. Shri Hari Chand Hooda :** Will the Minister of State for Transport be pleased to state—

a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a stadium at village Kiloi in Rohtak district ; and

b) if so, the time by which the afore-said stadium is likely to be constructed ?

परिवहन राज्य मंत्री (चौधरी चन्दा सिंह) :

(क) ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है ।

(ख) प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता ।

श्री हरि चन्द हुड्डा : स्पीकर साहब, मैं तो सीधा सवाल चीफ मिनिस्टर साहब से पूछना चाहता हूं कि क्या किलोई ग्राम में कोई स्टेडियम बनाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है । यह सवाल मैंने इनसे इस लिए किया है कि पीछे सी० एम० साहब

किलोई ग्राम में गए थे । इन्होंने पब्लिक मीटिंग में वहां पर एक स्टेडियम बनाने के बारे में कहा था । मैं इन से जानना चाहता हूं कि क्या वहां पर इस जवाब के आने के बाद स्टेडियम बनाया जायेगा या नहीं?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : स्पीकर साहब, इन्होंने अपने सवाल के (ए) भाग में पूछा है कि क्या जिला रोहतक के ग्राम किलोई में स्टेडियम निर्माण करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है? इस पर हमने जवाब दिया कि ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है । फिर हमने इन के स्याल के 'बी' भाग में कह कि दिया प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता । अध्यक्ष महोदय मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि कुछ दिन पहले मैं इनके हल्के के ग्राम किलोई में गया था और वहां पर एक पब्लिक मीटिंग भी हुई थी । उस पब्लिक मीटिंग में गांवों वालों ने गांव में एक मिनी–स्टेडियम बनाने की मांग की थी । मैंने उस समय यह कहा था कि हम देखेंगे और अगर स्टेडियम बना ने की जरूरत हुई और वहां पर लोगों ने, और सरकार ने स्टेडियम बनाना उचित समझा तो जरूर स्टेडियम बना देंगे । इस बारे में मैंने उसी समय डी० सी० को कह दिया था कि आप मेरे पास रिपोर्ट भेजें कि गांव में कितने लड़के पड़ते हैं और कितने लड़के खेल में रुचि रखते हैं । मैं अब भी कहता हूं कि यदि वहां पर स्टेडियम बनाना जरूरी हुआ, तो बना देंगे । दूसरे अध्यक्ष महोदय, ऐसे स्टेडियम के लिए गांवों वालों को जमीन फी देनी

होती है । हुड्डा साहब, मैं आप को कहना चाहूंगा कि यदि वहां पर आपने कोई स्टेडियम बनवाना है तो गांव वालों की तरफ से स्टेडियम बनवाने का एक प्रस्ताव पास कर के भिजवा दें । गांव वालों की तरफ से प्रस्ताव आने पर और डी० सी० की रिपोर्ट आने पर इस पर फिर से विचार कर लिया जायेगा ।

श्री हरि चन्द हुड्डा : ठीक है ।

श्री नेकी राम : अध्यक्ष महोदय, मेरी स्टेडियम के बारे में अर्ज यह है कि अगर किसी देश में बच्चों के खेलने के लिए मैदान नहीं होंगे तो वह देश आगे नहीं बढ़ सकता । इस बारे में मेरी सरकार से मांग है कि गांवों में मिडिल स्कूलों तक खेल के मैदान अवश्य होने चाहिएं । यदि ऐसे स्टेडियम मिडिल स्कूलों में बनेंगे तो उस से देश के नौजवान मजबुत होंगे ।

10.00 बजे

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, सरकार की यह कोशिश रहती है कि जहां पर प्राईमरी स्कूल, मिडिल स्कूल और हाई स्कूल हों, उन सब स्कूलों के साथ खेल के मैदान जरूर हों ताकि बच्चे पढ़ाई के साथ–साथ खेलों में भी रुचि ले सकें और अच्छे खिलाडी हमारे प्राप्त में पैदा हों । जैसा कि आप को मालूम है कि हमारे खिलाड़ियों ने हमारे प्रान्त का, देश का नाम ऊंचा किया है, यह बहुत सराहनीय है । जो अच्छे खिलाड़ी हैं, वे अगर स्कूलों से छांट कर लिए जाएं तो देश को इस का बड़ा लाभ

होगा । सरकार चाहती है कि अच्छे खिलाड़ी प्रान्त में पैदा हों, इसके लिए सरकार ने नार्म्ज भी बनाये हैं कि प्राईमरी स्कूल के साथ खेल के लिए इतना एरिया होना चाहिए, मिडिल और हाई स्कूल के साथ इतना लम्बा–चौड़ा ग्राउंड होना चाहिए ताकि बच्चों को खेलने में पूरी सुविधा मिल सके । जैसा कि मैम्बर साहब ने कहा हे, सरकार इस बात के लिए पूरी तरह जागरूक है । अगर कहीं पर कोई शिकायत हो कि फलां स्कूल में खेल का मैदान ठीक नहीं है, तो माननीय सदस्य मेरे नोटिस में लाएं । अगर उस स्कूल के पास पंचायत की जमीन नहीं होगी तो सरकार कोशिश करेगी कि उस स्कूल के लिए जमीन एक्वायर कर के दी जाए ।

चौधरी कुन्दन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरे एरिया में कालेज भी है और हायर सैकंडरी स्कूल भी हैं, लेकिन इन में खेल सिखाने के लिए कोच नहीं हैं । पहले एक दफा कोच लगा था लेकिन बाद में इसको तबदील कर दिया गया । इसके बाद कोई कोच नहीं लगाया गया । हम ने मन्त्री महोदय को मौका पर ले जाकर इनकी दृष्टि डलवाई थी, इनको दिखाया था । खेल मन्त्री या मुख्य मन्त्री जी क्या इस बात कां आश्वासन देंगे कि इस स्कूल में कोच का प्रबन्ध हो जाएगा?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कहा कि कोच नहीं है, ठीक बात है, स्कूल. में कोच होना चाहिए क्योंकि जब तक कोच नहीं होगा तो खेलों की ट्रेनिंग कौन देगा । ठीक है खेलों कि ट्रेनिंग देने के लिए कोई न कोई व्यक्ति स्कूल में

होना चाहिए । हम जल्दी से जल्दी कोच लगवाने की कोशिश करेगे ।

तारांकित प्रश्न सं० 963

Mr. Speaker : Next Question, Shri Devi Dass.

Chief Parliamentary Secretary (Pandit Roshan Lal Tiwari) : Sir, the Hon'ble Member is not present. But I want to draw your kind attention to sub-rule (3) of Rule 52 of our Rules of Procedure and Conduct of Business which reads as under

"If on a question being called it is not put or the member in whose name it stands is absent and no one has been authorised by him to put it, the Speaker at the request of any member, may direct that the answer to it be given."

So my request is that as the question is of public importance it may be asked and I submit No. 963.

Chaudhri Tayyub Hussain : In that case, Sir, this may be noted as a precedent.

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, ऐसा कोई प्रंसिडैटं नहीं है । आज तिवारी साहब नई बात कर रहे हैं । (व्यवधान)

Pandit Roshan Lal Tiwari : My submission is that it is a substantive rule, Sir.

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, ये हाउस का टाईम वेस्ट करने के लिए ऐसा कर रहे हैं । यह बात सही है कि जो अगला सवाल है, उसको नहीं लाना चाहते । (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप बैठिए, मुझे रूल देखने दीजिए जो इन्होंने पढ़ा है ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, यह नई रिवायत डाली जा रही है । प्रो ० सम्पत सिंह ने भानू इंडस्ट्री के बारे में एक सवाल पूछा हुआ है उसको अवाइड करने के लिए ऐसा किया जा रहा है । (व्यवधान)

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : स्पीकर साहब, ऐसी बात कहने का कोई मतलब नहीं है ।

Pandit Roshan Lal Tiwari : When there are substantive rules

Mr. Speaker : Let me go through this rule. It reads as under :-

"Mode of asking questions.

52 (1) When the time for asking questions arrives, the Speaker shall call successively each member in whose name a question appears on the list of questions.

(2) The member so called shall rise in his place and unless he states that it is not his intention to ask the question standing in his name, he shall ask the question by

reference to its number on the list of questions.

(3) If on a question being called it is not put or the member in whose name it stands is absent and no one has been authorised by him to put it, the Speaker at the request of any member, may direct that the answer to it be given."

Hon'ble Members sub-rule (3) is very clear. If any Hon'ble Member says that the question is important and requests that it should be answered, as per this rule, how can I reject it ?

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक : स्पीकर साहब यह तो डिस्क्रीशन है ।

Mr. Speaker : thaudhri Kulbir Singh, I am going by the rule.

Irrigation & Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir, sub-rule (3) is very clear and you can permit the answer to be given.

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, पहले ऐसा .कभी नहीं हुआ । यह रूल बाद में एड किया है । जनाब रूल के सब–इल (3) में मौड आफ आस्किंग क्वैश्चन के बारे में लिखा है ––

"(3) ....the Speaker at the request of any member, may direct

यह डिस्क्रीशन की बात है । रूल्ज एंड रैगूलेशन की बात पहले थी नहीं, यह रूल बाद में एड कर दिया गया । अगर

कोई मैम्बर अपना सवाल नही पूछना चाहता तो वह उसका राईट है । उसको कोई व्यक्ति फोर्स नहीं कर सकता कि पूछे और न ही उसके सवाल को कोई दूसरा मैम्बर इस तरह से पूछ सकता है । जनाब, यह बड़ा गलत प्रैसिडैटं होगा । यह रिवायात के खिलाफ है, आज तक ऐसा कभी नहीं हुआ । ये टाईम वेस्ट करने के लिए ऐसा कर रहे हैं क्योंकि प्रो० सम्पत सिंह का जो सवाल है .... ये उसको आने नहीं पैना चाहते ।

श्री अध्यक्ष : इंडस्ट्री वाली बात रिकार्ड में नहीं आएगी क्योंकि वह रैलेवैन्ट नहीं है ।

श्रीमती चन्द्रावती : जनाब, जिन इंडस्ट्रीज ने पन्द्रह–पन्द्रह लाख रुपए खा रखे हैं, इस क्वैश्चन में उनकी पोल खुलने वाली है । (व्यवधान) इसी लिए जनाब ये इस सवाल को आने नहीं देते ।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, बेशक उस सवाल को पहले टेक–अप कर लिया जाए, मुझे कोई एतराज नहीं, लेकिन जो बात ये कह रहे हैं, यह गलत बात है । यह बे–बुनियाद बात करते हैं ये कहते है कि यहां ..... का सवाल है । यहां पर कोई क्वैश्चन ..... इंडस्ट्री के बारे में नहीं है, जिसका ये जिक्र करते है । कैसी बात करते हैं? क्या इन्होंने कं छ ऐं' ऐसी गलत बात करने का ठेका ले रखा है । मर्यादा में रहकर बात करिए । अगर

कोई उस इंडस्ट्री का सवाल है तो उसको पहले टेक–अप कर लीजिए ।

श्री निहाल सिंह : स्पीकर साहब, तिवारी जी चीफ पार्लियामैटरी सैक्रेटरी हैं और इसके साथ ही साथ मैम्बर आफ दी गवर्नमैंट हैं । इस पोजीशन में क्या ये क्वैश्चन पूछ सकते हैं? ये खुद पार्ट आफ दी गवर्नमैंट हैं, इन्होंने यह क्वैश्चन कैसे पूछ लिया? (व्यवधान)

चौधरी ओम प्रकाश : स्पीकर साहब, डैमोक्रेटिक सैट–अप में जो हमारे कनवैनशाज एंड 'प्रैसिडैंट्स हैं, they must always be respected. हमारे इसी हाउस में यह प्रैसिडैंट रहा है कि जो मैम्बर सवाल पूछने वाला है, अगर वह हाउस से किसी कारण गैर–हाजिर हो तो उसका क्वैश्चन छोड़ दिया जाता है और नैकस्ट स्वैश्चन टेक–अप किया जाता है .....

श्री अध्यक्ष : यह बात रिकार्ड में नहीं आएगी ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, मेरी एक सबमिशन है । स्पीकर साहब, कुछ बातें रूल्ज की किताब में लिखी जाती हैं और हाउस का काम इन रूल्ज के मुताबिक कंडक्ट होता है । इसके अलावा कुछ हमारे प्रैसिडैट्स होते हें जिनको फालो किया जाता है । स्पीकर साहब, आपकी जगह पर बैठने वाले जिन महानुभावों ने जो निर्णय लिए थे, हमको उनका सम्मान करना है, इस सदन में पालन करना है । सदन में जब कोई मैम्बर गलत हो और गलत

होते हुए यह कहता हो कि मैं सवाल पूछना चाहता हूं तो आपकी तरफ से यानी उस सीट की ओर से, चेयर की ओर से बात आती है कि क्या आपके पास अथौरिटी लैटर है? इस चीज को कैसे वेब किया जा सकता हे? अगर आनरेबल मैम्बर हाउस में हाजिर नहीं है तो इसका मतलब है कि he misses the chance. स्पीकर साहब, हमारे साथ ऐसा ही होता रहा हे, लेकिन इस केस में ऐसा क्यों नहीं हो सकता?

श्री अध्यक्ष : डा० साहब, ओम प्रकाश जी ने भी कहा और आपने भी कहा कि कुछ कंवैन्शन्ज हैं, कुछ प्रैसिडैन्टस हैं और आप पहले ऐसा करते रहे हैं, अब क्यों नहीं कर रहे हैं? डा० साहब, जो रूल पढा गया है इसे हम सब मिल कर पढ़ लेते हैं । आप यह भी जानते हैं कि precedents cannot over rule the rules which are codified. आप यह भी जानते हैं कि ये कएजू मैंने नहीं बनाए हैं । ये रूल्ज पहले के ही बने हुए हैं । थे इनको वाश औफ नहीं कर सकता ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : सर, यह आपकी डिस्क्रिशन है । क्या आप समझते हैं कि यह जो सवाल है, यह इतनी भारी पब्लिक इम्पौर्टेन्स का है कि आप नया प्रंसिडैन्ट कायम करें?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, वार–बार यहां प्रैसिडैंट का जिक्र किया गया । प्रैसिडैटं उसको कहते हैं कि कभी हाउस में आपने किसी को सवाल इस रूल के

अन्डर रेज करने के लिए डिनाई कर दिया हो, आपने रूलिग दी हो कि कोई और मैम्बर सवाल नहीं पूछ सकता । उसका नाम प्रैसिडैटं है । ऐसा कोई प्रैसिडैंट नहीं है । ये खुद इगनोरैटं हैं । इनको पहली दफा ही इस रूल का पता लगा है । अब ये प्रैसिडैट्स का सहारा लेना चाहते हैं । स्पीकर साहब, आपने ठीक फरमाया, क्योंकि आप एक बेहतरीन वकील भी हैं कि कोई प्रैसिडैटं, कंवैन्शन, रूल को ओवर–रूल नहीं कर सकती । Rules have precedence over everything.

दूसरी बात स्पीकर साहब मैं यह कहना चाहूंगा कि इनका कहना है कि चौधरी सम्पत सिह का इंडस्ट्रीज के बारे में कोई सवाल है, उसको हम नहीं चाहते कि वह आए । स्पीकर साहब, वह गिनती में 10वें नम्बर पर है । 9 सवाल उससे पहले हैं । आज तक देखने में यह आया है कि क्वैश्चन आवर में 4–5 से ज्यादा सवाल कभी नहीं पूछे जाते । इसका मतलब यह हुआ कि इनको स्वप्न में यह ख्याल आया होगा कि 10वां सवाल आ सकता है । लेकिन इन्होंने जरुर कुछ न कुछ ऐसा ऐक्सट्रिनुअस मैटर लेकर आना है जिसका कोई ताल्लुक नहीं होता । स्पीकर साहब, गाबा साहब और ठाकुर बहादुर सिंह जी इस सवाल को पूछना चाहते हैं । इसके अलावा स्पीकर साहब मैं यह भी अर्ज कर टू कि इसमें आपकी डिसक्रिशन नही है । इसमें वर्ड 'में' लिखा है लेकिन ला में, आप जानते हैं क्योंकि आप वकील हैं, ''मे'' का मतलब ''शैल'' है ।

श्री हीरा नन्द आर्य : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी रूलिंग चाहूंगा । क्या आपने आज तक किसी को इस प्रकार से प्रश्न पूछने का अधिकार दिया है? दूसरा प्वायंट मेरा यह है कि क्या कोई मंत्री, चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी या पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी, जो कि सरकार का पार्ट होते हैं, प्रश्न प्छ सकता है? (विघ्न)

पंडित रोशन लाल तिवाडी : स्पीकर साहब, मैंने क्वैश्चन पुट नहीं किया । मैंने तो रूल पढ़ कर सुनाया था । क्वैश्चन तो दूसरे मैम्बर्ज पूछना चाहते हैं । They have come to me कि आप' यह चीज कहें That is why, I quoted the rule.

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, हुसमें कोई शक नहीं कि पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर साहब बहुत सियाने हैं लेकिन पता नहीं कल ये क्यों चौधरी भजन लाल जी की मदद को आगे नही आए । (विघ्न) स्पीकर साहब, आज इस हाउस में एक नई प्रथा डाली जा रही है । इस बारे में तो आपके दफतर को काफी खोजबीन करनी पड़ेगी, पुराना रिकार्ड देखना पड़ेगा । आप कृपया रूल 52 को फिर देखें । इसमें साफ लिखा है कि––

"If on a question being called it is not put or the member in whose name it stands is absent and no one has been authorised by him to put it, the Speaker at the request of any member, may direct that the answer to it be given."

यह तो आप पर सारा कुछ छोड़ा हुआ है । आपकी डिसक्रिशन है । You may or may not permit it. यह कहां लिखा

है कि आप अपनी डिसक्रिशन प्रयोग नहीं कर सकते? स्पीकर साहब, आज तक इस हाउस में यह प्रथा रही है कि इस तरह से सवाल पूछा नहीं जाता । मुझे याद है कि हम कई बार हैंडिकैण्ड फील करते हैं जब हमारा कोई मैम्बर किसी काम से चला जाता है । कई बार जब हमने क्वैश्चन पुट करने की कोशिश की तो आपके द्वारा कहा गया कि यदि अथप्रैइरटी लैटर नहीं है तो सवाल पूछा नहीं जा सकता । इसलिए अब तो हम अथौरिटी लैटर लेकर रखते हैं । हम तो रूल्ज के मुताबिक काम करते हैं ताकि हमें एतराज न सुनना पड़े । आज ये अपनी कविनिऐंस के लिए just to avoid embarassment are trying to create obstacles in not allowing the next questions to come. स्पीकर साहब, इस बार में मैं आपकी रूलिंग चाहूंगा।

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, इनका परपज सर्व हो गया है। ये हाउस का टाईम खराब करना चाहते थे । स्पीकर साहब, बिना अथौरिटी लैटर कोई सवाल नहीं पूछ सकते हैं, यह आपके द्वारा डाली गई प्रथा है । आज भी वही नियम हैं और कायदे कानून हैं । इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप अगला सवाल बुलवा दीजिए ।

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, ये रनिंग रिमार्क्स कि आपने प्रथा डाली हुई हए, आपने यह किया हुआ है, आपने पहले यह किया था, ठीक नहीं हए । मैं इस मामले को यही ड्रौप करता हूं । आज हाउस के उठने के बाद डा ० मंगल सैन, श्रीमती

चन्द्रावती, श्री हीरानन्द आर्य और डा ० भीम सिंह दहिया, रिकार्ड की एक भी बात बता दें कि मैंने किसी स्टेज पर कोई अनरीजनेबल ऐक्ट किया हो ।

Shri Mangal Sein : Our reference was not to you personally, Sir.

श्री अध्यक्ष : मैं एक बात आपको और बताना चाहता हूं । डा० मंगल सैन जी का एक क्वैश्चन था । डा० साहब ने किसी को कोई अथौरिटी नहीं दे रखी थी लेकिन विज साहब ने सवाल पूछा था और मैंने उन्हें अलाऊ कर दिया था । फिर भी मैं इस कंट्रोवर्सी को यहीं ड्रौप करना चाहता हूं । इसका फैसला आज हाउस उठने के बाद कर लेंगे । अब मैं नैक्सट क्वैवश्न टेक–अप करता हूं ।

Incidence of Malaria in the State

***969. Chaudhri Kundan Lal :** Will the Minister of State for Health be pleased to state—

(a) the number of deaths caused due to Malaria in the State in the years 1983 and 1984 separately ;

(b) whether it is a fact that cases of Malaria are on the increase in the State for the last few years; if so, the reasons therefor ; and

(c) the steps, if any, taken or proposed to be taken to eradicate/control Malaria in the State ?

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (श्रीमती करतार देवी) :

(क) मलेरिया के कारण हुई मृत्यु

1983 – 2

1984 – 5 परन्तु रक्त पट्टिकाओं के निरीक्षण से केवल दो व्यक्तियों की मृत्यु की पुष्टि हो सकी ।

(ख) नहीं ।

वर्ष 1979 के उपरान्त मलेरिया रोगियों की संख्या में लगभग प्रतिवर्ष कमी आती रही है । केवल वर्ष 1981 और 1984 में थोड़ी वृद्धि हुई है ।

(ग) प्रति पखवाड़े नियमित सर्वेक्षण, सभी ज्वर रोगियों को प्रकल्पित चिकित्सा, भूल चिकित्सा, ग्रामीण क्षेत्रों में कीटनाशक दवाई का छिड़काव तथा शहरी क्षेत्रों में नियमित लारवानाशक कार्यक्रम चलाया जा रहा हए ।

चौधरी कुन्दन लाल : स्पीकर साहब, सफीदों ब्लाक में कोई हैल्थ सैंटर नहीं है । वहां मलेरिया अफसर होने का सवाल ही पैदा नहों होता । सफीदों हस्पताल में भी कोई मलेरिया अफसर तैनात नहीं है । सफीदों में काफी मच्छर हो गया है । वहां मलेरिया से कई मौतें भी हुई हैं । क्या मंत्री महोदया मलेरिया की रोक थाम के लिए वहां कोई स्पैशल प्रोग्राम

चलवाएंगी और किसी औफिसर की डियूटी इस काम के लिए लगाई जाएगी जिसे मैं सारी सूचना दे सकू?

10.20 बजे

श्रीमती करतार देवी : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने सवाल को बहुत लम्बा किया है । जहां तक इनके यहां मलेरिया अफसर लगाने का सवाल है वह तो डिस्ट्रिक्ट लैवल पर ही एक पोस्ट होती हे । हर जिले में एक मलेरिया अफसर है और पी ० एच० सी० में लेब्रोटरी टैक्तीशियन हैं, जो सलाईड्ज की चौकिंग करते हैं । स्पीकर साहब, सन् 1983 में दो और सन 1984 में पांच मौतें मलेरिया से हुई हैं । उनके मेरे पास एड्रैसिंज भी हैं लेकिन विभाग के पास इस तरह की कोई सूचना नहीं है कि सफीदों में कोई आदमी मलेरिया से मरा हो । जहां तक आगे के कार्यक्रम की बात है, उस बारे में माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगी कि एक नैशनल प्रोग्राम के तहत स्कीम है । देहात के एरियाज में इनटैन्सिव सर्वे करवाते हैं । हमारे एम० पी० डब्ल्यूज० गांव में जाकर दवाईयां छिडकते हैं और सर्वे करते हैं । इस बात को एन्श्योर करने के लिए कि सर्वे किया गया है, वह मकान पर लाल गे रु से लिख कर आते है । स्पीकर साहब दो तरह के सप्रे सर्वे होतें हैं । एक मैलाथीन का और दूसरा बी०एच ०सी ० का। 42 ब्लाकों में मैलाथीन कीटनाशक दवाई का और 45 ब्लाकों में बी०एच ०सी ० का सप्रे सर्वे किया गया है! । नैशनस प्रोग्राम के तहत– और गवर्नमैंट आफ इंडिया की हिदायतों के मुताबिक दस

परसैन्ट सलाईड्ज हमें रक्त पट्टी की बनानी पडती हैं । हमारे यहां सन 1983 में 22 परसैन्ट और सन 1984 में 19 परसैन्ट बनाई गई हैं । हरियाणा सारे हिन्दुस्तान में सर्वप्रथम रहा है । आगे के लिए हमने प्रोग्राम रिव्यू कर लिया है कि हम अपने राउन्ड 15 मई से शुरू कर देंगे, पहले हम दो–दो महीने बाद करते थे अब की बार लगातार ही साढ़े तीन महीने सर्वे करेंगे । सभी ब्लाकों में सर्वे करवायेने, सफीदों में भी करवायेंगे और कोई ब्लाक छोड़ने की मन्शा नहीं है ।

श्री भले राम : स्पीकर साहब, देखने में आया है कि गांव में मच्छर बहुत कम पाये जाते हैं जब कि शहरों में बिना मच्छरदानी लगाये सो नहीं सकते । क्या कारण है कि गांव में तो दवाई छिड़कने से मच्छर मर जाते हैं और शहरों में नहीं मरते हैं?

श्रीमती करतार देवी : स्पीकर साहब, यह तो खुशी की बात है कि गांवों में मच्छर नहीं हैं । शहरों और गांवों की मलेरिया स्कीमों में भी फर्क है । गांव में डोर टू डोर सप्रे करवाते हैं । शहरों में स्वास्थ्य विभाग लारवानाशक दवाई का छिडकाच करता है । जब मच्छरों की ज्यादा शिकायत मिलती है तो फोगिंग मशीन से फोगिंग करवाया जाता है ।

श्री ए० सी० चौधरी : बहिन जी ने बताया कि हमारे एम० पी ० डब्ल्यूज० गांवों में जा कर सप्रे करते हैं और घरों पर लिख कर आते हैं कि छिड़काव किया गया है । वे सिर्फ घरों की

दीवारें ही काली करके आ जाते हैं, छिड़काव नहीं करते । उसका कारण मैं जान पाया हूं । जब लोकल गवर्नमैंट का महकमा मेरे पास था, उस नाते से मुझे पता है । आपके जितने भी' डी ० एम० ओज० हैं, उनकी डिस्पोजल पर बहुत कम फन्डज होते हैं । दवाई खरीदनी तो दूर की बात रही उनके पास तो मिट्टी का तेल खरीदने के लिए भी फन्ड्ज नहीं होते हैं । जितनी भी हम दवाईयां छिडकते हैं, उनमें बेसिक इनग्रेडियेन्ट मिट्टी का तेल है जो नार्मल कोर्स में बाजार में नहीं मिलता । फन्डज न होने के कारण डिस्ट्रिक्ट मलेरिया अफसर हैडीकैप्ड होते हैं दो लाख रुपये की तो एक फोगिंग मशीन की कीमत होती है । इस डिपार्टमैंट को फन्डज की एलोकेशन कम है । मच्छर इन्सान की सेहत के लिए बड़ा खतरनाक है, वह इन्सान को खत्म कर देता है । तो मैं मिनिस्टर महोदया से जानना चाहता हूं कि क्या मिट्टी के तेल ओर बाकी फन्डज की पूरी तरह से एलोकेशन करेंगे ताकि इस न्यूसैन्स या बीमारी सें छुटकारा हो सके ।

श्रीमती करतार देवी : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने अर्बन एरिया में मलेरिया का जिक्र किया है । शहरों में लारवानाशक दवाई का छिड़काव होता है । जहां पर पानी खड़ा दिखाई देता है वहां फर छिड़काव करवाया जाता है और बाकी जगहों पर फोगिंग करवाई जाती है । दूसरी बात यह है कि इस साल में पहले साल से काफी ज्यादा' पैसा रखा गया है । इस साल किसी भी दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा । मैंने

सिरसा और कई जगहों पर जाकर देखा है दवाईयों की कोई कमी नहीं पाई गई है ।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक : स्पीकर साहब, मंत्री महोदया ने इस सवाल के 'बी' पार्ट के जवाब में बताया है कि मलेरिया रोगियों की संख्या में लगभग प्रति वर्ष कमी आती रही है । क्या मती महोदया दो तीन साल का ब्रेक–अप बतायेंगी कि कितने केसिज कम हुए हैं? दूसरे यह भी बताने का कष्ट करेंगी कि मैलाथीन और बी०एच०सी० का परचेज करने का क्या क्राइटेरिया है? तीसरी बस्त यह है कि इन दवाईयों के छिड़काव से घरों में तो मच्छर मर जाते हैं लेकिन जो कूडे करकट पर मच्छर होते हैं वहां पर इन दवाईयों का छिड़काव नहीं होता है, वहां पर मच्छर रहते हैं क्या वहां पर इन दवाईयों को छिडकवाने का प्रोग्राम है?

श्रीमती करतार देवी : स्पीकर साहब, मलेरिया के केसिज में कमी के बारे में बताना चाहूंगी कि सन 1976 में 7365 66, सन् 1977 में 63906 3, सन 1978 में 708881, सन 1979 में 436420, सन 1980 में 294334, सन 1981 में 305890, सन 1982 में 185447 और सन 1983 में 138600 केसिज हुए हैं । इस तरह से आप देखेंगे कि सन 1978 में कितने और अब काफी कम केसिज हुए हैं ।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक : कहां पर मैलाथीन और कहां पर बी०एच०सी० का छिड़काव करवाते हो?

श्रीमती करतार देवी : सभी देहातों में ब्लाक्वाईज करवाते हैं । जहां पर यह देखते हैं कि मलेरिया के केसिज ज्यादा होते हैं वहां के लिए भारत सरकार को लिखते हैं कि इस ब्लाक में मैलाथीन का सप्रे करने की इजाजत दी जाए क्योंकि मैलाथीन सैट परसैंट गवर्नमैंट आफ इंडिया देती है । जहां तक दवाईयां परचेज करने का सम्बन्ध है वह तो हाई पावर्ड कमेटी द्वारा की जाती हैं । मैडीसन्ज की सभी पांच लाख से ऊपर की परचेज हाई पावर्ड कमेटी द्वारा की जाती हैं । जो भी दवाईयां उसके माध्यम से खरीदी जाती हें उनके लिए बाकायदा टैन्डर मांग कर और उन्हे टैस्ट करके परचेज किया जाता है ।

चौधरी दिलू राम बाजीगर : स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया है कि दो दवाईयों का प्रयोग करते हैं । ये दवाईयां इतनी पुरानी हैं कि सिवाए दीवारें खराब करने के इनका कोई लाभ नहीं है । स्टाक पुराना होने के कारण मच्छर मरते नहीं हैं । क्या मंत्री महोदया बतायेंगी कि इनकी जगह पर और कोई दवाईयां' चेंज करेंगी?

श्रीमती करतार देवी : इन्होंने कहा कि इससे मच्छर नहीं मरते हैं । अगर मच्छर न मरते तो मलेरिया के इतने कम केसिज कैसे होते? स्पीकर साहब, इस बात पर भारत सरकार और

हरियाणा सरकार भी खुश है कि जिन 42 ब्लाकों में हमने मैलाथीन का सप्रे के बाद सर्वे किया है, वहां से अभी तक कोई पौजीटिव रिपोर्ट नहीं आई । अगर वहां पर पौजीटिव रिपोर्ट नहीं आई है तो वहां पर दवाई प्रभावशाली साबित हुंई है । मच्छरों में कमी हुई है । मैलाथीन के सिवाए और कोई दवाई हमारे नोटिस में अभी नहीं आई है अगर यह प्रभावशाली नहीं रहेगी तो वही बात है कि आवश्यकता आविष्कार की जननी होती है, कोई और दवाई देखेंगे । हमारे वैज्ञानिक और मैडिकल साइंस के विशेषज्ञ इस बारे में भी खोज करेंगे ।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारॉंकित प्रश्नों के लिखित उतर

Bhopal Gas victims treated in Haryana Hospitals

***940. Shri Mangal Sein :** Will the Minister of State for Health be pleased to state—

(a) whether any persons, as were the victims of recent Bhopal Gas leakage tragedy, were admitted in any of the State Hospitals for treatment ; and

(b) if so, the names of such hospitals togetherwith the number of the persons admitted and the results of the treatment given ?

स्वास्थय राज्य मन्त्री (श्रीमती करतार देवी) :

(क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न उत्पन्न नहीं होता ।

Milk Plant in Sirsa District

***982. Shri Bhagi Ram :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a Milk Plant in district Sirsa; and

(b) if so, the time by which the construction work of the afore-said plant is likely to be started ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) :

(क) हां ।

(ख) खपत का निर्माण कार्य 3–4 महीनों में आरम्भ होने की संभावना है ।

Traffic on Ladwa-Babain-Shahbad Road

***979. Master Ram Singh :** Will the Minister for Public Works (B & R) be pleased to state—

(a) whether the traffic on Ladwa-Babain-Shahabad road has increased due to grain market and Shahabad Sugar Mill ; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to widen the Ladwa-Babain-Shahabad road; if so, the time by which the said road is likely to be widened ?

लोक निर्माण मन्त्री (श्री अमर सिंह) :

(क) यातायात के घनत्व पर षडुने वाले प्रभाव का अनुमान लगाया जाना है ।

(ख) जी हां, यह सड़क सातवीं पंचवर्षीय योजना में चौड़ी की जाने की सम्भावना है ।

Artificial Insemination Centre at Sampla

***950. Smt. Basanti Devi :** Will the Minister of State for Animal Husbandry be pleased to state—

(a) whether the artificial insemination centre at Sampla, has been shifted or is proposed to be shifted to some other place ; and

(b) if so, the reasons therefor and the name of the place where the said centre has been or is proposed to be shifted ?

पशुपालन राज्य मंत्री (चौधरी लाल सिंह) :

(क) व (ख) कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र तथा पशु चिकित्सालय दो संस्थायें सांपला में कार्य कर रही थीं । गांव बूआ में पशु स्वास्थ्य सूविधा/प्रजनन सम्बन्धी सुविधा की मांग को देखते हुए कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र को सांपला से बूआ स्थानान्तरित किया गया था । कृत्रिम गर्भाधान की सुविधायें सांपला में पशु चिकित्सालय सांपला द्वारा प्रदान की जा रही हैं ।

Central Investment Subsidy to the Industrialists in the State

***871. Prof. Sampat Singh :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the names of industries in the State given Central Investment Subsidy of more than Rs. 2 lakhs during the years 1981-82, 1982-83, 1983-84 1984-85 (to-date) together with the amount paid in each case;

(b) the total amount of subsidy, as referred to in part (a) above, given to all the industries in the State during the said years;

(c) the names of such industries, out of those referred to in part (a) above, as stand closed at present ; and

(d) whether the Government is aware of the fact that some of the industries, out of those referred to in part (a) above, are not located in the Centrally Notified Backward Areas of the State ?

उद्योग मन्त्री (श्रीमती शकुन्तला भगवाडिया) :

(क) वांछित सूचना सदन के पटल पर प्रस्तुत है (अनुबन्ध ए)

(ख) सभी औद्योगिक इकाईयों को जो केन्द्रीय निवेश अनुदान की कुल राशि दी गई है उसका वर्षवार विवरण निम्न प्रकार से है ।

1981– 82 – रु० 122.55 लाख

1982– 83 – रु० 109. 35 लाख

1983– 84 – रु० 182. 28 लाख

1984– 85 – रु० 115. 54 लाख

(28–2–85 तक)

कुल रु० 529. 72 लाख

(ग) ऊपर (क) में .दर्शायी गई किसी भी इकाई के बन्द होने की सूचना प्राप्त नहीं हुई है ।

(घ) जी नहीं ।

अनुबन्ध–ए

विवरण उन औद्योगिक इकाईयों का जिन्हें केन्द्रीय निवेश अनुदान की राशि 2 लाख रुपए से अधिक वर्ष 1981– 82, 82–8 3, 83–84, 84–85 (28–2–85 तक) वितरित की गई ।

क्रमांक संख्या	इकाई का नाम	निम्नलिखित वर्षो में वितरित की गई राशि

		1981–82	1982–83	1983– 84	1984–85	जोड़
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1	मै ० हिन्दुस्तान गम एण्ड कैमिकल्ज भिवानी ।	4,55,245	--	2,15,719	--	6,70,964
2	मै ० सैन्चरी टयूब्ज भिवानी ।	3,99,877	--	-		3,99,877
3	मै ० टैक्नोलोजीकल इंस्टीच्यूट आफ टैक्सटाईल भिवानी ।	2,83,809	-	-	4,27,715	7,11,524
4	मै० राजिन्द्रा आयल मिल्ज हिसार ।	1,37,181	1,18,900		43,000	2,99,081
5	मै० ईस्ट इण्डिया सनटैक्स लि ० धारूहेडा ।	15,00,000		--		15,00,000
6	मै ० नालवा स्टील लि० हिसार ।	1,27,909		1,59,857		2,87,766

7	मै ० इण्डियन सौर गम प्राइवेट लि० इण्डस्ट्रीयल एरिया हिसार ।			2,64,475	1,79,053	4,43,528
8	मै ० हरियाणा एग्रो कैटल फीड प्लांट जीन्द ।	5,66,196	-	-		5,66,196
9	मै ० रावलवासिया आयल इण्डस्ट्रीज, हिसार ।	1,92,447		334923		2,26,370
10	मै ० राम प्रताप बांसल एण्ड सन्ज, टोहाना	2,86,696	--	-		2,86,696
11	मै ० स्वास्तिक उद्योग लि. ०, हिसार ।		2,37,801	1,92,518		4,30,319
12	मै ० मिनाक्षी इण्डस्ट्रीज, हिसार	1,71,263	1,48,000			3,19,263
13	मै ० इण्डियन गवार गम प्राईवेट लि०,		2,64,475	--	--	2,64,475

	हिसार ।					
14	मै ० नेशनल कोपरेटिव कनजुमर फैडरेशन लि०, भिवानी ।			2,22,540		2,22,540
15	मै ० स्वदेशी टयूब प्रा० लि० हिसार ।	3,76,927	--		-	3,76,927
16	मै ० किरन वैजीटेबल प्रोडक्ट, भिवानी ।	2,96,767		-		2,96,767
17	मै ० जे ० बी ० पेपर मिल्ज प्रा० लि ० धारूहेडा, महेन्द्रगढ़ ।	7,96,000	--	6,83,000	-	14,79,000
18	मै० धारूहेडा कैमीकल्ज, धाडहेडा		14,44,000			14,44,000
19	मै ० रामा फीबर लि बामवला, भिवानी	15,00,000				15,00,000
20	मै ० मल्टीटैच	--	15,00,0			15,00,0

	इण्टरनेशनल, धारूहेडा		00			00
21	मै० जनक स्टील टयूब्क प्रा ० लि०, हिसार	--	4,18,608	3,23,000	-	7,41,608
22	मै० पशुपति स्पीनिंग वीविंग मिल्ज, धारूहेडा	15,00,000	--			15,00,000
23	मै० प्रकाश पाईप एण्ड इण्डस्ट्रीज लि ०, गांव मायर हिसार ।		9,00,003	6,00,000		15,00,000
24	मै ० भानू इण्डस्ट्रीज गांव सतरोड, हिसार	4,73,944	-	6,46,000	3,80,056	15,00,000
25	मै० ओम स्टील ट्यूब लि०, धारूहेडा	-	9,81,425	-		9,81,425
26	मै० सिद्धार्था पेपरज लि ०, धारूहेडा	--	3,16,000	4,91,000		8,07,000
27	मै0 के ० सी०		-	12,75,000	2,25,00	15,00,0

	टैक्सटाइल्क लि०, जीन्द				0	00
28	मै० एस ० बी० आयल इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० दिल्ली रोड़ । हिसार ।	--	4,46,000	1,69,500	--	6,15,500
29	मै० राम प्रताप बांसल एण्ड कम्पनी प्रा ० लि ०, टोहाना (हिसार)	-	2,88,000			2,88,000
30	मै0 फैरन्कलिन सैरामिक प्रा० लि०, हिसार ।		2,14,677			2,14,677
31	मै ० भानू स्टील प्रा० लि ०, हिसार		-		7,45,000	7,45,000
32	मै० भारत गम एंड कैमीकल्ज, सिवानी (भिवानी)	--	1,74,600		87,500	2,62,100
33	मै० दिवाकर इण्डिया,	-	-	3,79,500	-	3,79,500

	धारूहेडा					
34	मै ० विनक्ष प्लाट नं ० 24, धारूहेडा	2,18,100	1,25,800			3,43,900
35	मै० सुरेन्द्रा इंटरप्राईकिक प्रा० लि०, रिवाडी ।			3,67,967		3,67,967
36	मै० नीरज ट्यूब्ज प्रा० लि०, हिसार			3,45,607		3,45,607
37	मै० जिन्दल मैटल (प्रा०) लि०, हिसार ।		-	2,44,299		2,44,299
38	मै० क्वालिटी क्यूलज, हिसार ।		-	2,87,500	-	2,87,500
39	मै ० श्री सरस्वती काटन मिल्ज, हिसार ।		1,50,300	1,86,000	--	3,36,300
40	मै ० रविन्द्रा टयूब्ज लि०, हिसार ।		2,67,000	--	-	2,67,000

41	मै० वैस्टन इलैक्ट्रोनिक कम्पोनैन्टस प्रा० लि०, धारूहेडा	-	-	6,06,000	8,94,000	14,00,000
42	मै० दिनेश टयूब लि ० मालपुरा धारूहेडा ।			8,81,000	6,19,000	15,00,000
43	मै ० ओरीऐंटल गम लि०, हिसार ।	-	--	2,19,300	1,37,000	3,56,300
44	मं ० शाम सुन्दर (हरियाणा) इण्डस्ट्रीज, हिसार ।	--		5,68,200		5,68,200
45	मै ० हरियाणा रोलिंग मिल्ज, भिवानी ।			2,76,000	-	2,76,000
46	मै ० गम कैमीकल इण्डिया प्रा० लि ० हिसार ।	--		2,03,475	1,90,513	3,93,988
47	मै ० हरियाणा स्टील			3,21,406	--	3,21,406

	प्रोडक्ट, भिवानी ।					
48	मै ० लक्ष्मी मैटलज रिवाडी (महेन्द्रगढ़) ।	-	-	3, 59,23 0	1,11,09 6	4,70,32 6
49	मै ० राजहन्ध आयत एक्सट्रैक्शन एण्ड प्रा० लि०, जीन्द ।		-		3,58,06 3	3,58,06 3
50	मै० उकलाना आयल मिल्ज, उकलाना, हिसार ।		-	--	2,39,20 0	2,39,20 0
51	मै ० हरियाणा टयूब मैनुफैक्चरिंग प्रा० लि० कम्पनी, हिसार ।	--		2,94,425	1,65,90 0	4,60, 325
52	मै ० प्रगति कैमिकल्ज इण्डस्ट्रीज रिवाडी, (महेन्द्रगढ़) ।		-	2,82,000	68,000	3,50,00 0
53	मै ० रुकमनी इण्टरप्राईजिज प्रा०				8,10,00 0	8,10,00 0

	लि० कापरीवास, (महेन्द्रगढ़) ।					
54	मै ० महावीर पी० वी० सी० पाईपज प्रा० लि ०, हालुवास (भिवानी) ।	--	--	--	4,39,500	4,39,500
55	मै0 चौधरी वैल्ड आर्क इण्डस्ट्रीज प्रा ० लि ० हिसार ।	-	--		2,43,700	2,43,700
56	मै० मिनाक्षी इण्टरप्राईजिज प्रा ० लि ०, फतेहबाद ।		--		2,22,700	2,22,700
57	मै ० शक्ति सोलवैक्स एण्ड जनरल मिल्ज प्रा० लि०, जीन्द			4,22,237		4,22,237
58	मै ० डैलटन केवल लि ० मालपुरा, धारुहेडा ।	-			15,00,000	15,00,000

Route permits for plying Matador Motor Vehicles on Link Roads

941. Shri Mangal Sein : Will the Minister for Transport be pleased to state whether there is any scheme under consideration of the Government to grant route permits to private persons for plying matador vehicles on the link roads in the State; if so, details of the said scheme ?

परिवहन मन्त्री (कर्नल राव राम सिंह) : जी नहीं ।

Shortage of drinking water in village Sunariya

***949. Smt. Basanti Devi :** Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) whether there is any shortage of drinking water in village Sunariya ; and

(b) if so, the steps, if any, taken or proposed to be taken to augment the supply of drinking water to the said village ?

जन स्वास्थ्य मन्त्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी):

(क) हां ।

(ख) जल वितरण योजना के लिए राज्य सफाई बोर्ड, हरियाणा द्वारा

2733 लाख रुपए का अनुमोदन हो चुका है तथा 5.00 लाख रुपए प्रदान किए जा चुके हैं ।

विभिन्न विषयों का उठाया जाना

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, एक तो मैं यह कहना चाहती हूं कि कल अच्छे स्पोर्ट्समैन को ईनाम वितरण किये गये हैं । यह तो अच्छी बात है लेकिन मुझे एक फूलवती हिन्दी टीचर मिली थी, जो ईनाम लेने आयी हुई थी । वह ऐसी लड़की है जिसने लौंग जम्प में और शौर्ट पुट में एशिया का रिकार्ड तोड़ा है । पिछले दिनों हांगकांग के लिये उसके पास लैटर उगया हुआ था । क्योंकि गवर्नमैंट ने उसको भेजा नहीं इसलिये वह नहीं जा सकी । उस बेचारी के पास इतने पैसे नहीं, कि वह खुद जा सके । अब उसके पास सिंगापुर के लिये लैटर आया हुआ है जो 22–23 अप्रैल के लिये है । वह नहीं जा सकती क्योंकि उसके पास इतने पैसे नहीं है । मेरा कहना यह है कि जो अच्छा खिलाड़ी हैं और देश और प्रदेश का नाम ऊंचा कर सकता है, उसको तो मौका नहीं दिया जाता लेकिन ऐसे लोगों को भे जा जाता हैं, जैसे अमरीका में हार कर आ गये । यह एक फूलवती की ही बात नहीं है, बहुत से ऐसे खिलाड़ी हैं जो बेचारे रह जाते हैं । मेरा कहना यह है कि प्रदेश के जितने भी अच्छे खिलाड़ी हैं, उन सब को बुलाकर उनके एडैरस लेकर उतको बढ़ावा देना चाहिये । इसके अलावा मेरा एक काल अटैशन मोशन था । बच्चे आजकल जो नशे की गोलियां खाते हैं, इस बारे में है । (व्यवधान व शौर)

श्री अध्यक्ष : मैडम, मैंने उस पर गवर्नमैंट के कमैंट्स मांगे हैं ।

वाक आउट

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहस, मैंने और मेरे कुछ साथियों ने आज सुबह ही एक काल अटैंशन मोशन का नोटिस दिया है । यह इन–टाईम दिया है । कल ही हरियाणा के कुछ शहरों में श्री कृष्ण लाल मनचन्दा की उग्रवादियों द्वारा हत्या के रोष में और सरकार की विफलता के फलस्वरूप बन्द हुआ । करनाल में अनआर्म्ड तथा पीसफुल पर्सन्ज पर लाठी–चार्ज किया गया ।

श्री अध्यक्ष : अभी मिला नहीं है, मैं उसको देखूंगा ।

श्री मंगल सैन : हमने तो आज सुबह इन–टाईम सैक्रेटरी साहब को दे दिया था ।

श्री अध्यक्ष : सैक्रेटरी साहब ने मुझे बताया है कि वह आज सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर आपने दिया है ।

श्री मंगल सैन : 9 बजकर 15 मिनट नहीं, सर हमने तो 9– 13 पर दिया है ।

श्री अध्यक्ष : इस में क्या फर्क है? डाक्टर साहब, मुझे इसके अलावा और भी तो काम देखने होते हैं ।

श्री मंगल सैनः .....

श्री अध्यक्ष : यह रिकार्ड न किया जाये ।

Shri Mangal Sein : As a protest, we walk out.

(At this stage, all the members of the Bhartiya Janata Party staged a walk out.)

विभिन्न विषयों का उठाया जाना (पुनरारम्भ)

चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवाल : स्पीकर साहब, मैंने एक काल अटैंशन मोशन दिया था कि डिस्ट्रिक्ट भिवानी में फारैस्ट्री वर्कस में बंगलिग हो रही है । उसमें मैंने बाकायदा गांवों के नाम दिये हैं ।

श्री अध्यक्ष : वह डिस–अलाऊ हो गया है ।

चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवाल : किन ग्राउन्ड्ज पर डिस–अलाऊ हुआ है।

श्री अध्यक्ष : वह में पढ़ देता हूं It has been disallowed on the following grounds :-

1. That the matter relates to an autonomous body;

2. That the matter is not of recent occurrence; and

3. That the Hon'ble Member had/has ample opportunities to raise this matter during discussion on Governor's Address, general discussion on budget and discussion on demands for grants on budget.

डा० भीम सिंह दहिया : भारत सरकार ने जो गेहूं की प्रोक्योरमैंट प्राईस फिक्स की है, उसके बारे में मैंने तथा कई मेरे साथियों ने मिलकर एक काल अटैंशन मोशन दिया हुआ है । उसका क्या बना है?

श्री अध्यक्ष : उसके ऊपर मैंने गवर्नमैंट के कमैंट्स मांगे हुए हैं ।

डा० भीम सिंह दहिया : उसके बारे में कब तक बता देंगे?

श्री अध्यक्ष : कल बता दूंगा ।

श्री भागी राम : स्पीकर साहब, मैंने आपकी सेवा में एक काल अटैशन मोशन ऐलनाबाद में जिसकी आबादी 35,000 की है, पीने के पानी के बारे में दिया हुआ है?

श्री अध्यक्ष : मेंने उसके ऊपर कमैंट्स मांगे हुए है ।

चौधरी ओम प्रकाश : स्पीकर साहब, मैंने स्लैक कोल की अल्लाटमैंट डिस्ट्रिव्यूशन में गड़बड़ी के बारे में एक काल अटैंशन मोशन दिया था, उसकी क्या पोजीशन है?

श्री अध्यक्ष : वह मैंने डिस–अलाऊ कर दिया है ।

श्री किताब सिंह : स्पीकर साहब, गन्ने की कीमत में एक रुपया प्रति क्विंटल करनाल को–आप्रेटिव शूगर मिल वाले कम

देते हैं, इसके बारे में मैंने एक काल अटैशन मोशन दिया हुआ था, उसका क्या बना है?

श्री अध्यक्ष : वह मैं कंसीडर कर रहा हूं ।

वाक आउट

चौधरी कुलवीर सिंह मलिक : हरियाणा एजुकेशन बोर्ड के एग्जामिनेशन पेपर्ज में इररेगुलेरिटीज के बारे में मेरा एक काल अटैंशन मोशन थार । 5–6 दिन से आपके पास पैंडिंग पडा था । कल आपने कहा था कि उस पर कमैंट्स मांग रखे हैं, उसका क्या बना है?

श्री अध्यक्ष : वह मैंने डिस–अलाऊ कर दिया है ।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक : स्पीकर साहब, यह तो बड़ा ही इम्पोटैंट मामला है । आप ही देखिये, एक तरफ तो फिजिक्स का पेपर छपा हुआ है और दूसरी तरफ कैमिस्ट्री का पेपर छपा हुआ है ।

श्री अध्यक्ष : वह डिस अलाऊ हो गया है । अब आप बैठिये ।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक : मैं तो वाक–आउट करता हूं । (व्यवधान व शोर)

(इस समय माननीय सदस्य चौधरी कुलबीर सिंह, सदन से वाक–आउट कर गये ।)

विभिन्न विषयों का उठाया जाना (पुनरारम्भ)

चौधरी मांगे राम : स्पीकर साहब, मैंने भी बहादुरगढ़ में पीने के पानी की समस्या के बारे में एक काल–अटैंशन मोशन दिया था, उसकी क्या पोजीशन है?

श्री अध्यक्ष : उस पर कमैंटस मांग रखे हैं ।

श्री हीरा नन्द आर्य : स्पीकर साहब, मैंने एक काल अटैंशन मोशन भिवानी, महेन्द्रगढ़ और दूसरे रेतीले इलाकों, जहां पर 6– 7 साल से कहत पड़ रहा है, और इस साल भी जहां फर 50 से लेकर 90 प्रतिशत तक फसल बरबाद. हो चुकी है, के बारे में दिया था । मैं यह जानना चाहता हूं कि सरकार उन इलाकों के लिये जो कहतजदा हें, उनके लिये क्या कर रही है?

श्री अध्यक्ष : वह डिस–अलाऊ हो गया है ।

श्री हीरा नन्द आर्य : सर, उसमें तो लाखों लोगों की जिन्दगी और मौत का सवाल है आपने वह डिस–अलाऊ कर दिया है । आप उस पर पुनरू विचार करें ।

श्री अध्यक्षः जो यह रूल्ज की किताब बनी हुई है, मुझे उसके मुताबिक ही चलना पड़ता है ।

चौधरी धीर पाल सिंह : स्पीकर साहब, मैंने आपकी सेवा में दो काल अटैंशन मोशन दिये थे । एक तो रोहतक जिले के कुछ गांवों में पीने के पानी की समस्या के बारे में था । दूसरा वहां पर 5 गांव ऐसे हैं, जहां पर तीन साल से पानी की कमी की वजह से फसलों की बीजाई नहीं हो रही है उसके बारे में था । उनका क्या बना है?

श्री अध्यक्ष : पीने के पानी की समस्या वाला मोशन तो मैंने कमैंट्स के लिये भेजा है । दूसरा आपका मोशन के ० सी० बी ० ड्रेन वाला डिस–अलाऊ हो गया है ।

चौधरी धीर पाल सिंह : स्पीकर साहब वहां पर तीन साल से लगातार किसान ड्रेन में पानी न होने के कारण फसल नहीं बो सके हैं । आज किसान मर रहे हैं ।

श्री अध्यक्ष : आप मेरे से चौम्बर में आकर बात कर लें । That matter is not of recent occurrence.

श्री राम विलास शर्मा : स्पीकर साहब, मैंने भी एक काल अटैंशन मोशन रसिया– वास गांव जो बावल हल्के जिला महेन्द्रगढ़ में पड़ता है, में डकैती के बारे में इग्दया था, उसकी क्या पोजीशन है?

श्री अध्यक्ष : वह कमैंट्स के लिये भेजा हुआ है ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मैंने वैसे लिखकर तो कुछ नहीं दिया अगर आप कहें तो मैं लिखकर भी दे दूंगा । एक आदमी की लिबरटी का सवाल है । भदाना गांव में, जो राजौंद पुलिस स्टेशन में है, एक 22– 23 साल के नौजवान का कत्ल हो गया । एफ ० आई ० आर० में बाकायदा ना म दिए गये हैं कि फलां–फलां की कम्पनी में यह आदमी लास्ट देखा गया था । पुलिस ने उन को न पकड़ कर उसके 14 साल के बच्चे को थाने में बिठा रखा है और उनकी मार–पीट कर रही है । आप कहें तो में यह एप्लीकेशन होम मिनिस्टर साहब को दे दूं । यह कमैंट्स मांग लें ।

श्री अध्यक्ष : हां, इनको दे दें । डी ० जी ० पी ० को भी बता देना ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : बहुत अच्छा जी ।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव–

नहरी पानी तथा बिजली आदि की कमी के कारण फसलें नष्ट होने सम्बन्धी ।

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज मुझे सर्वश्री ओम प्रकाश (बेरी), बलवीर सिंह ग्रेवाल, भागी राम, शिव प्रशाद और फतेह चन्द विज, एम ०एल ०एज की और से तीन काल अटैंशन मोशन्क के नोटिस मिले हैं । मैं इनको एडमिट करता हूं ।ई श्री ओम

प्रकाश (बेरी) अपना नोटिस पद दें । The other motions will be deemed to have been read.

चौधरी ओम प्रकाश व चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवाल : हम इस महान सदन का ध्यान एक अत्यावश्यक लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहते हैं कि जिला रोहतक, भिवानी तथा जींद में नहरी पानी तथा बिजली की भारी कमी के कारण किसानों की रबी को खड़ी फसलो को भारी क्षति. हुं ई है तथा इससे गेहूं तथा चने आदि की फसलों की कम से कम 50 प्रतिशत क्षति हुई हे । अब जब उक्त फसल 10– 12 दिन में पक जाएगी तो उक्त जिलों में किसानों को तथा फसलों को नष्ट होने से बचाने के लिए सरकार को नहरी पानी कम से कम एक सप्ताह तथा नलकूपों को बिजली कम से कम 15 घण्टे प्रतिदिन देनी चाहिए । यह एक अत्यावश्यक लोक महत्व का मामला है तथा सरकार को सदन में इस संबंध में एक वक्तव्य देने के लिए कहा जाए ।

श्री भागी राम : इस महान सदन का ध्यान लोक महत्व के इस विषय की ओर दिलाना चाहता हू कि सारे हरियाणा में तथा खासतौर पर सिरसा जिले में बारानी और नहरी क्षेत्र में वर्षा न होने, नहरों में पानी न मिलने तथा बिजली न मिलने से खासतौर से चने की बारानी फसल बिल्कुल नष्ट हो गई है तथा उसी क्षेत्र में जहां उक्त चने की फसल नष्ट हुई है गेंहू की फसल भी पानी न मिलने से खराब हो गई हे । निम्नलिखित गांव, अर्थात, बेरवाल, तलवाडा, ऐलनाबाद, निमला, काशीराम करवास,

धोलपालिया, किसनपुरा, मिठनपुर, हरचन्द का वास, ढाणी लखजी, कर्मश्यिाना, खारी, सुरेरा, मिटठी सुरेरा, ममेरा, पोहड़का, भुरटवाला, मैनाखेडा, चिलकनी, उमेदपुरा, माधोसिछाना, जमाक, चाहरवास, सुलतानपुरीया, नानुआना, मंगलिया, मुहम्दपुरिया, फतेह पुरिया, वालासर, नाईवाला, कुसर, केहरवाला, सादेवाला, मनुआला, ढुढियाबाली, बाहिया, सेहनवास, बरनी में बारानी चने की फसल बिल्कुल नष्ट हो गई हे । इस बारे में लोगों में भारी रोष है । यह एक लोक महत्व का मामला है । इसलिए मैं आप के द्वारा सरकार से निवेदन करता हूं कि सरकार अपनी स्थिति स्पष्ट करे ।

सर्वश्री शिव प्रशाद तथा फतेह चन्द विज : इस महान सदन का ध्यान एक लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहते हें कि अम्बाला जिला का जो इलाका पहाड़ी अथवा पहाड़ के आस पास पथरीला तथा बरसाती नदियों के साथ घिरा हुआ है वहां की जमीन बारानी है । केवल वर्षा पर ही वहां के लोगों का जीवन निर्भर है । पिछले एक वर्ष से वर्षा न होने के कारण फसल बिल्कुल नहीं हो पाई । आज वहां घास का भी बहुत अधिक अभाव हे । जानवरों का पेट भरने के लिये भी वहां कोई साधन नहीं है । इस प्रस्ताव के द्वारा हम चाहते हैं कि सरकार अम्बाला जिला के कालका, नारायणगढ, सढौरा, बिलासपुर के आसपास के सभी इलाके मुखाग्रस्त इलाका घोषित करे और वहां के किसानों तथा खेती बाड़ी से सम्बन्धित लोगों को हर प्रकार से अधिक से अधिक रिलीफ दे तथा सहायता दे ताकि वहां के लोग इस कठिनाई का

मुकाबला कर सकें । हम चाहते हैं कि सरकार अम्बाला जिला के उक्त इलाके के लोगों की इस कठिनाई के बारे में स्थिति स्पष्ट करे ।

श्री भागी राम : स्पीकर साहब, अगर आप इजाजत दें, मैं भी अपना मोशन पढ़ दूं । जो मोशन ओम प्रकाश जी ने पढ़ा है, इनके और मेरे मोशन में फर्क है । (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : नहीं, भागी राम जी, नहीं ।

श्री भागी राम : अगर आप इजाजत दें, तो मैं दो मिनट में ही पढ़ दूंगा ।

श्री अध्यक्ष : आप मेरी बात सुनिये । देखिये! कल मैंने डाक्टर साहब कों रिक्वैस्ट की थी और डाक्टर साहब मान गये थे ।

श्री भागी राम : आप की बात मान तो बे भी जाऊंगा । मैं तो इसलिये कह रहा था क्योंकि मेरे और इनके मोशन में थोड़ा सा फर्क है ।

श्री अध्यक्ष : कोई बात नहीं । अब आप बैठिये । The other motions are deemed to have been read.

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला) : इस का कल जवाब देंगे ।

वक्तव्य

मुख्य मंत्री द्वारा फरीदाबाद में पत्थर की खानों में कार्य कर रहे मजदूरों की दयनीय स्थिति सम्बन्धी ।

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, 26 मार्च, 1385 को मिनिस्टर महोदय ने सर्वश्री मंगल सैन और हीरा नन्द आर्य के @ काल अटैन्शन मोशन्ज नं 27 और 51 पर आज स्टेटमैंट देने के लिए कहा था । वह कृपया स्टेटमैंट दे दें ।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : श्री मंगल. सैन विधायक ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव नं० 27 द्वारा आरोप लगाया है कि खानों अथवा क्रेशरों में काम करने वाले व्यक्तियों को अवैध रूप से खुदाई करने वालों ने बलपूर्वक बन्दी बनाया हुआ है और पुलिस मामले में कोई कार्यवाही नहीं कर रही है । दूसरा आरोप यह हे कि श्री किरमानी नवभारत टाइम्स के विशेष प्रतिनिधि तथा श्री रणधीर सिंह चन्देला भारतीय जनता पार्टी के प्रधान जो उस स्थान को देखने गए थे जहां कि पुलिस ने गरीव मजदूरों की झौंपडियां कथित जला दी थीं, को गिरफ्तार कर लिया था । इसी तरह श्री हीरा नन्द आर्य, विधायक ने ध्यानाकर्षण सूचना संख्या 51 द्वारा यह आरोप लगाया है कि फरीदाबाद की खानों में काम कर रहे मजदूरों की दयनीय दशा के बारे सर्वोच्च न्यायालय के 1983 में दिए गए निर्णय तथा हरियाणा सरकार के 1985 के अवार्ड के वावजूद, निर्णय को प्रभावशाली व्यक्तियों, ठेकेदारों तथा मालिकों के दवाब के कारण लागू नहीं किया जा रहा है । कई व्यक्ति

झगड़े में मारे गए हैं और श्रमिकों में अति भय तथा असन्तोष व्याप्त है ।

2 लगाए गए आरोप कि पुलिस तमाशा देखती रही तथा खानों/क्रेशरों पर काम करने वाले श्रमिकों के जीवन की सुरक्षा करने में असफल रही निराधार है तथा सत्य से वंचित है । सचाई यह है कि दिनांक 17–3– 85 को जब श्रमिकों के दो दलों में टकराव हुआ था तो पुलिस ने प्रभावशाली तरीके से बीच बचाव किया था । एक दल स्वामी अग्निवेश भूतपूर्व विधायक द्वारा उत्तेजित. किया गया था । जब यह दल श्री करतार सिंह के क्रैशर की ओर उसे बन्द कराने के लिए बढ़ा तो वहां उन में लड़ाई हो गई । परिणामस्वरूप धूमदास नामक एक श्रमिक की मृत्यु हो गई तथा 1 5 व्यक्तियों को चोटें आई । इस सम्बन्ध में निम्नलिखित दो मुकदमें दर्ज किये गये ––

(क) मुकदमा नं ० 84 दिनांक 17–3– 85 धाराधीन 148/ 149/308/ 304 भा द स थाना फरीदाबाद टाऊनशिप ।

(ख) मुकदमा नं ० 85 दिनांक 17– 3–82 धाराधीन 148/149/ 506/ 323 भा द स थाना फरीदाबाद टाऊनशिप ।

2 पहला मुकदमा श्री अग्निवेश के दल के श्री वासी राम के ब्यान पर दर्ज किया गया था जबकि दूसरा मुकदमा करतार सिंह के क्रैशर के श्री इन्द्र सिंह के ध्यान पर दर्ज. किया गया था । 37 व्यक्तियों को पहले मुकदमें में गिरफ्तार किया गया जवकि

11 व्यक्तियों को दूसरे मुकदमे में गिरफतार किया गया है । 45 दोषियों को 2–4–85 तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है । स्वामी अग्निवेश भूतपूर्व विधायक, श्री ईश्वर दयाल पाठक पुत्र श्री रामेश्वर दयाल पाठक वासी चोनोर कांटा थाना सनीमपुर (उत्तरप्रदेश) तथा प्रभात पुत्र राम कुमार वासी अमग्बेडा जिला जयपुर को दिनांक 23– 3–85 को मुकदमा नं ० 85/85 धारधीन 148/ 149/ 323/ 506 भा०द अ० में गिरफ्तार किया गया था । ईश्वर दयाल तथा प्रभात को दिनांक 24–3–8 5 को जमानत पर रिहा कर दिया गया था । जबकि स्वामी अग्निवेश को दिनांक 8– 4– 85 तक बल्लबगढ़ न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था क्योंकि उसने जमानत पर अपने आप को रिहा कराने से इन्कार कर दिया था ।

3 झौंपडियो के कथित जलाए जाने की घटना बिल्कुल अलग है और इसका खान मजदूरों से कोई सम्बन्ध नहीं है । तथ्य यह है कि 1 9– 2– 85 को सर्वश्री प्यारे लाल तथा एम०पी ० बंसल मजिस्टेरट फरीदाबाद को फरीदाबाद टाऊनशिप के सैक्टर 27 में अनाधिकृत झौंपडियों को गिराने के लिए भेजा गया था । उपरोक्त अधिकारियों की सहायता के लिए एक निरीक्षक के नेतृत्व में एक पुलिस पार्टी भी भेजी गई थी । अनाधिकृत झौंपडियों के गिराने वाले दल और झौपडी वालों में बाद–विवाद हो गया था क्योंकि झौपडियों में रहने वाले हिंसा पर उतर आए इसलिए पुलिस को स्थिति को काबू में करने के लिए अश्रु गैस का

प्रयोग करना पड़ा । इस सम्बन्ध में थाना सरायख्वाजा में मुकदमा नं० 36 दिनांक 19– 2– 85 धाराधीन 147/ 148/ 353/ 188 भा ०द० स ० दर्ज किया गया था तथा 4 व्यक्तियों को गिरफ्त) किया गया था । यह कहना गलत हे कि सर्वश्री युसुफ किरमानी,. प्रैस रिपोर्टर तथा रणधीर सिह चन्देला प्रधान भारतीय जनता पार्टी फरीदाबाद को गिरफ्तार किया गया था ।

4. यह गलत है कि पुलिस ने किसी को परेशान किया था या किसी श्रमिक के विरुद्व कोई कार्यवाही की थी और किसी को बन्दी बनाया था । पुलिस को केवल स्थानीय प्रशासन की सहायता के लिए भेजा गया था । झौंपडियों में रहने वालों ने भागते हुए स्वयं ही झौंपडियों में शाम लगा दी थी यह बिल्कुल गलत है कि झुग्गियों के जलाने में या श्रमिकों को परेशान करने में पुलिस का कोई हाथ है । जैसे पहले कहा गया है कि यह झुग्गियां क्रैशर में काम करने वाले श्रमिकों की नहीं थी बल्कि फैक्टरियों में काम करने वाले श्रमिकों की थी ।

5 जहां तक झगड़े की प्रकृति का सम्बन्ध है, हरियाणा में फरीदाबाद और उसके इर्द–गिर्द बहुत सी पत्थर की खानें तथा क्रैशर हैं । परन्तु खानों में लगे हुए वर्करों के किसी भी विवाद का निर्णय इण्डस्ट्रियल एक्ट, 1947 जिसे केन्द्रीय सरकार ने लागू किया है, के अन्तर्गत किया जाता है । सैन्ट्रल इंडस्ट्रियल ट्रिब्यूनल ने दिनांक 10– 9– 84 को मैसर्ज ए. सी. एण्ड कं ० के विरुद्ध अपने एक पक्षीय निर्णय द्वारा 150 क्यूविक

फीट टूक को भरने की मजदूरी 48 रुपये से बढ़ा कर 71 रुपये कर दी थी । इस कम्पनी ने मुकदमे की जवाबदेही उचित रीत्ति से नही की थी क्योंकि इसका पट्टा समाप्त हो गया था और उस दिन किसी भी कर्मचरि का नाम उनके वेतन बिल में नहीं था । कानून के अन्तर्गत निर्णय को प्रादेशिक श्रम आयुक्त, भारत सरकार, चण्डीगढ ने लागू करना था, जो अनुमानतः ऐसा नहीं कर सका क्योंकि कम्पनी ने कार्य करना बन्द कर दिया था ।

6. स्वामी अग्निवेश द्वारा नेतृत्व किए जा रहे बन्धुआ मुक्ति मोर्चे ने सर्वोच्च न्यायालय से अन्य ठेकेदारों को निदेश जारी करने की प्रार्थना की थी । परन्तु सर्वोच्च न्यायालय ने अवार्ड को सभी कम्पनियों पर लागू करने से इन्कार कर दिया था तथा इण्डस्ट्रियल ट्रिव्यूनल को अवार्ड की कम्पनियों के विरुद्ध घोषणा करने का निदेश दिया था । तदानुसार इण्डस्ट्रियल ट्रिब्यूनल ने उन्हीं लाईनों पर दो और एक पक्षीय अवार्डों की घोषणा की जिनमें से एक मैसर्ज करतार सिंह से सम्बन्धित था । जैसे कि ऊपर स्पष्ट किया गया है, खान मजदूरों के विवादों के निर्णय करने की जिम्मेदारी इण्डस्ट्रियल डिसप्यूटस एक्ट, 1947 के अन्तर्गत सैन्ट्रल इण्डस्ट्रियल ट्रिव्यूनला की है । इस स्थिति में केन्द्रीय सरकार उचित सरकार है जो कि इस क्षेत्र में विवादों के निपटाने की जिम्मेदार है ।

7 यहां यह भी कहा जाए कि सर्वोच्च न्यायालय ने दिनांक 16. 12. 83 को दिए गए अपने निर्णय द्वारा बन्धुआ

मजदूरों के बारे निदेश दिए थे और जिनकी अनु– पालना राज्य सरकार कर रही है । राज्य के सभी जिलों तथा उप मण्डलों में बोन्डेड लेबर सिस्टम (एबोलिशन एक्ट) 1976 के अन्त–र्गत चौकसी कमेटियां स्थापित कर दी गई हैं । जिलाधीशों से वन्धुआ मजदूरों की पहचान करने तथा उनको दोबारा बसने तथा उन्हें अपने प्रदेश में वापिस भेजने की योजना लागू करने के लिए कहा गया है इसलिए इससे यह स्पष्ट है कि हरियाणा सरकार ना केवल बन्धुआ मजदूरों की सहायता करने के लिए माननीय न्यायालयों के निर्णयों को लागू करने का पूरा प्रयत्न कर रही है, बल्कि इस बारे किसी भी कानून एव व्यवस्था के भंग किए जाने को समाप्त करने के लिए प्रभावशाली तरीके से बीच–बचाव किया है । इस समय स्थिति नियन्त्रण में है तथा शान्ति बनाए रखने के लिए कड़ी निगरानी रखी जा रही है ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री ने अपने वक्तव्य में हमारे आक्षेप को ज्यादा गम्भीर माना है और अपने जवाब में यह माना है कि जो झौंपडियां जलाई गई थीं, वे पुलिसवालों ने नही जलाई बल्कि मजदूर भागते हुए अपने घरों को खुद ही जल गए थे । स्पीकर साहब, यह भी कोई मानने वाली बात है कि कोई अपने रहने वाले घोंसले को खुद ही जला दे (शोर एवं व्यवधान) । स्पीकर साहब, ऐसा लगता है कि ये हमारे दोस्त समझते हैं कि मुख्य मन्त्री जी काबिल नहीं हैं । उनको तो इनकी जगह बिठा दिया जाए और इन मेरे दोस्तों को उनकी जगह

बिठा दिया जाए । स्पीकर साहब, कल तो इन्होंने अखबार वालों को जी भर कर कोसा था लेकिन मि० किरमानी तो नवभारत टाइम्स के थे उनको क्यों पकड़ लिया । एक बात तो मैं यह जानना चाहता हूं ।

चौधरी भजन लाल : मैंने तो यह कहा है कि उनको पकड़ा नहीं था ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, इसका निर्णय तो आपको ही करना पड़ेगा कि उनको गिरफ्तार किया गया था या नहीं? स्पीकर साहब, अगर मैं दो तीन दिन के कदर यह इंफरमेशन ला दू कि उनको गिरफ्तार किया गया था तो क्या आप प्रिविलिज मोशन एडमिट कर लेंगे ?'

श्री अध्यक्ष : अगर डाकुमैंटरी ऐवीडैन्स होगी तो जरूर एडमिट होगी ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, श्री रणधीर सिंह चन्देला, जो मेवला महाराजपुर के हैं और भारतीय जनता पार्टी के प्रधान हैं तथा श्री किरमानी को पुलिस ने पकडा था क्योंकि वे झौपडियां जलती हुई देखने गए थे । वे पुलिस को रोकने गए थे कि आप जुल्म न करो । स्पीकर साहब, ये तो नीची से नीची बात करते' हैं । इन्होंने तो अस्थल बोहर के बारे में भी कह दिया था कि वही पर जड़को ने बन्दूक छीनकर अपने आप ही गोली मार ली थी ।

श्री ए० सी ० चौधरी : स्पीकर साहब, मेरा प्यांयट आफ आर्डर है, मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या प्रैस के पास ऐसा कोई लाइसैसं है कि वह वहाँ पर जाकर सरकार के काम करने के तौर–तरीके से मुतास्सर होकर यह कहे कि ऐसा करो या ऐसा न करो?

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि इन्होंने केवल एक बात फरमा दी कि वहाँ ऐसा कुछ भी नहीं हुआ । मैं इनसे जानना चाहता हूं कि अगर कुछ नहीं हुआ तो उन गरीबों की झौंपडियाँ क्यो जला दी गयीं । उनका दु:ख दर्द सुनने गए तो उल्टा उनको उठाकर इन्होंने अन्दर बन्द कर दिया । जरा स्थिति स्पष्ट करेंगे?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, जहां तक झौंपडिया जलाने का ताल्लुक है, मैं इस बारे यह कहना चाहता हूं कि उन लोगों ने हुड्डा की जमीन पर नाजायज तौर पर कब्जा कर रखा था और सरकार ने उन्हें बहुत समझाया–बुझाया पर वे लोग माने नहीं । आखिर सरकार को मजबूर होकर हुड्डा की जमीन को खाली करवाने के लिए पुलिस की सहायता लेनी पडी । यह बात गल्त है कि पुलिस ने किसी को परेशान किया । पुलिस को तो केवल स्थानीय प्रशासन की सहायता के लिये वहाँ पर भेजा गया था । झौंपडियों में रहने वालों ने जाते–जाते अपने आप ही झोपड़ियों को आग लगा दी । वहां पर किसी का सामान वगैरह जला हो या किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की तकलीफ पहुंची हो

या नुकसान हुआ हो, ऐसी इनकी बात बिल्कुल बेबुनियाद है । किसी को वहां पर गिरफतार नही किया गया । जैसा कि श्री मंगल सैन जी' ने कहा कि किरमानी और श्री रणधीर सिंह चन्देला को गिरफ्तार किया गया । यह बिल्कुल गलत बात है । केवल हुड्डा की जमीन खाली करवाने के लिए, जिस हुड्डा की जमीन पर वे लोग काबिज थे, पुलिस वहां गई थी । पुलिस की सहायता से खाली करवाया गया था ।

श्री हीरा नन्द आर्य : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि अभी इन्होंने अउपने जवाब में बताया है कि सुप्रीम कोर्ट गे 16– 12– 1983 को दिए गए अपने' निर्णय द्वारा बन्धुआ मजदूरों के बारे कुछ निदेश दिए थे और उनकी अनुपालना राज्य सरकार कर रही है । इस तरह के लगभग 21 अनुदेश थे । मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि इन में से कितनों पर सरकार ने पालना की है और कितनों पर नहीं की है और जिन अनुदेशों की पालना नही की है, उसके क्या कारण हैं?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों की राज्य सरकार पूरी तरह से पालना कर रही है । अगर कोई भी ऐसा केस मेरे किसी भाई के नोटिस में आए कि फला केस में पालना नहीं हुई तो हमें बताएं, हम कार्यवाही करेंगे । हमने इन लोगों को पीने के पानी की हैल्प की हर प्रकार की फैसिलिटीज दी हैं और दे भी रहे हैं । जिस प्रकार से फैसले में माननीय न्यायालयों द्वारा लिख रखा है और जो कायदे और

कानून से हम कर सकते थे, उसी प्रकार से हम कर रहे हैं । अगर किसी प्वांयट पर कार्यवाही नहीं हुई होगी तो हम करवाएंगे । जब ये दोबारा सुप्रीम कोर्ट में गये तो सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह आदेश एक कम्पनी के खिलाफ था, सभी पर लागू नहीं था और वह कम्पनी बन्द हो गयी है । स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि भारत सरकार के ऐक्टस हैं और बहुत सी बातें भारत सरकार को करनी पड़ती हैं । प्रान्तीय सरकार के जहां तक बस की बात है, वह गरीबों की सहायता करना है । वर्कर्ज के साथ पूरी हमदर्दी सरकार की है और हरियाणा सरकार ने मिनिमम वेजिज देने में, पहल के. है और इस काम में हमारी सरकार सारे भारतवर्ष में आगे है ।

मास्टर शिव प्रशाद : स्पीकर साहब, मैंने परसों अम्बाला में पीने के पानी की दिक्कत के बारे में एक प्रस्ताव दिया था । वहां पर नालों का गन्दा पानी पाईप के जरिये लोगों को मिल या है । जो कीड़ों वाला पानी मिल रहा है, उसके बारे में एक काल अटैन्शन मोशन दिया था उसका क्या बना?

श्री अध्यक्ष : उस पर कमैन्ट्स मैंने मांगे हुए हैं ।

श्री मंगल सैन : अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मन्त्री महोदय फरमा रहे थे कि हस गरीबों की मदद के लिए बहुत कुछ कर रहे हैं । यह तो यूं ही मगरमच्छ के आंसू बहाने वाली बात है उन्होंने कहा कि हम क्या करें, सैन्ट्रल गवर्नमेंन्ट का एक्ट है ।

स्वीकर साहब, इन्होंने अपने रिप्लाई के पेज 3 पर यह कहा है ''कानून के अन्तर्गत निर्णय प्रादेशिक श्रम आयुक्त, भारत सरकार, चण्डीगढ ने लागू करना था, जो अनुसानतः ऐसा नहीं कर सका क्योंकि कम्पनी ने कार्य करना बन्द कर दिया था'' वे इसे कैसे लागू करते? मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि आपने क्या भारत सरकार को इस वारे में लिखा, एप्रोच की है कि गरीबों के साथ बड़ा भारी जुल्म हुआ है और श्रम आयुक्त ने यह निर्णय नही किया हे, उनको करना चाहिए था । क्या सरकार ने इस पर कोई कार्यवाही की है and whether it has approached the Central Government or not ?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, जब एक कम्पनी बन्द करके चला गया तो उसके खिलाफ क्या करते (शोर) अध्यक्ष महोदय, गरीबों के हित के लिए, भारत सरकार की करने की जो बात होती है, उसके लिए हमेशा हम उन्हें लिखते हैं और उस पर कार्यवाही भी करते हैं । सरकार सब कुछ करती है

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, इस बात का भी ध्यान रखें कि कहीं उस कम्पनी के मालिकों के साथ ये मिल तो नहीं गए

श्री हीरा नन्द आर्य : स्पीकर साहब, जो साधन सम्पन्न व्यक्ति होते हैं, वे कोर्टस में चले जाते हैं । कई सालों के बाद पीछे से कम्पनी को बन्द करके अगर वे चले जाएं तो उनके 'खिलाफ कोई न कोई कार्यवाही तो होनी चाहिये । क्या इस के

लिए सरकार ने कभी भारत सरकार को लिखा हो तो बताएं? साधन सम्पन्न व्यक्ति बाद में किसी दूसरे नामों से कम्पनियां खोल लेते हैं । पहली बात तो मेरी यह है । कि क्या इन्होंने कभी इस बारे में भारत सरकार को एप्रोच किया है? दूसरी बात मैं इनसे यह कहना चाहता हूं कि इस फैसले के अनुसार अढ़ाई सौ के करीब बन्धवा मजदूर छुडवाये गये थे । सरकार यहां पर डींग मार रही है कि हमारे तो यहां पर कोई बन्धवा मजदूर है ही नहीं । ये बताएं इनमें से कितनों को इन्होंने रिहैबलीटेट किया और जो गिरफ्तार किये गये है उन में से ठेकेदार कितने हैं?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आर्य साहब एक अच्छे वकील हैं । आप भी जानते हैं कि कोर्ट का एक फैसला हो गया औंर वह कम्पनी बन्द हो गयी । कायदे के मुताबिक ऐसा है कि उस कम्पनी के खिलाफ, जिसके हक मे फैसला हुआ है, उसको आगे जाना चाहिये । उसका फर्क बनता है कि कम्पनी के खिलाफ किस तरह से कार्यवाही करें । सरकार का फर्क तो गरीब आदमी की मदद करना है उसकी सहायता करना और लीगल ऐड देना है । सरकार हमेशा गरीब आदमी की मदद करती है । दूसरी इन्होंने एक बात बन्धवा मजदूरों के बारे में कही और यह कहा कि सरकार ने कहा कि बन्धवा मजदूर नहीं लेकिन यहां बन्धवा मजदूर मिल गये । सीकर साहब, मैं आज भी इस व्यू का हूं कि आज एक भी बन्धवा मजदूर हरियाणा के अन्दर नहीं है (शोर एवं विघ्न) अगर सुप्रीम कोर्ट यह कहे कि कोई है तो उसको छुडवाईये

(शोर) अध्यक्ष महोदय, आज कोई भी आदमी किसी को पैसा देकर अपने खेत में कारखाने में ले जाए और उसको फुसला कर कहे कि तेरे को जो पैसा दे रखा हे, वह माफ करवा देता हूं, मेरे साथ रवाना हो तो इस तरह से 90 प्रतिशत लोग उसके साथ रवाना हो जाएंगे बल्कि मैं तो यहां तक कहता हूं कि बन्धुआ मजदूर नहीं है, बन्धुआ तो मालिक है । मालिक उनको पहले पैसे देकर लाता है और वे अपनी मरजी से काम करते हैं । काम करने की मरजी न हो तो छोड़ कर भाग जाते हैं । इसलिए हरियाणा स्टेट में कोई बन्धुवा मजदूर नहीं है ।

11.00 बजे

वर्ष 1985 –86 के बजट की डिमांड्ज फार ग्रान्ट्स पर चर्चा तथा मतदान

श्री अध्यक्ष : अब वर्ष 1985–86 की डिमांड्ज कार ग्रांट्स ओन बजट पर डिस्कशन होगी । पहली प्रैक्टिस के मुताबिक हाउस का टाईम बचाने के लिए आर्डर पेपर पर रखी गई सभी डिमांड्ज फार ग्रांटस रैड एंड मूवड समझी जाएंगी । आनरेबल मैम्बर किसी भी डिमांड पर डिस्कशन कर सकते हैं लेकिन बोलने से. पहले डिमांड का नम्बर बता दें जिस पर वे बोलना चाहते हैं ।

That a sum not exceeding Rs. 29,86,28,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year

1985-86 in respect of charges under Demand No. 2—General Administration.

That a sum not exceeding Rs. 44,22,12,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 3—Home.

That a sum not exceeding Rs. 1,43,79,79,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. Education.

That a sum not exceeding Rs. 97,02,97,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of pay ment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 10—Medical and Public Health.

That a sum not exceeding Rs. 10,86,59,000 for revenue expenditure and Rs. 3,57,06,000 for capital expenditure be granted to the Goyernor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 1 6—Industries.

That a sum not exceeding Rs. 19,22,51,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 20—Forest.

That a sum not exceeding Rs. 81,55,67,000 for revenue expenditure and Rs. 12,51,50,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that

will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 23—Transport.

That a sum not exceeding Rs. 76,65,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 1— Vidhan Sabha.

That a sum not exceeding Rs. 5,11,70,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 5—Excise and Taxation.

That a sum not exceeding Rs. 22,30,58,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of pay. ment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 6—Finance.

That a sum not exceeding Rs. 31,41,47,000 for revenue expenditure and Rs. 34,99,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 7—Other Administrative Services

That a sum not exceeding Rs. 5,93,00,000 for revenue expenditure and Rs. 34,77,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 11—Urban Development.

That a sum not exceeding Rs. 7,71,87,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray

charges that will come in the course of payment for the year I985-86 in respect of charges under Demand No. 12—Labour and Employment.

That a sum not exceeding Rs. 28,38,64,000 for revenue expenditure and Rs. 1,92,45,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 1 3—Social Welfare and Rehabilitation.

That a sum not exceeding Rs. 2.25,82,000 for revenue expenditure and Rs. 1,47,49,81,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 14—Food and Supplies.

That a sum not exceeding Rs. 1,76,95,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 19—Fisheries.

That a sum not exceeding Rs. 94,22,000 for revenue expenditure and Rs. 1,47,00,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 24—Tourism.

That a sum not exceeding Rs. 1,47,73,28,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 25--Loans

and Advances by State Government.

चौधरी हुक्म सिंह (साल्हावास) : स्पीकर साहब मैं डिमांड नं० 9,10, 16, 23, 6, 11, 12, 13, 14, 19 पर बोलना चाहूंगा । (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) डिप्टी स्पीकर साहब, डिमांड नं० 9 एजुकेशन के बारे में है । वर्ष 1985–86 में शिक्षा पर जो खर्चा होगा उसके लिए यह डिमांड रखी गई है । मैं इसका समर्थन करता हूं और अपने हल्के के लिए कुछ सुझाव भी रखता हूं । एक सुझाव मैं इसमें पूरी स्टेट के लिए भी रखना चाहता हूं । पिछले साल 1984–85 मैं मेरे हल्का साल्हावास में दो तीन स्कूल अपग्रेड हुए थे और इस साल भी लोगों की काफी डिमांड है कि स्कूल अपग्रेड किए जाएं । इनमें से एक झामरी गांव का स्कूल है । इस गांव के लोगों ने डेढ़ दो लाख रुपया चन्दा इकट्ठा करके स्कूल की बिल्डिग बिल्कूल तैयार कर रखी है । वहां के लोग चाहते हैं कि इस स्कूल को प्राइमरी से मिडल अपग्रेड कर दिया जाए । मैं इसके लिए सरकार को सिफारिश करूंगा कि इस गांव के नजदीक 4– 5 'किलोमीटर में कोई मिडल स्कूल. नहीं है और बच्चों को काफी सफर करना पड़ता है इसलिये इस स्कूल को प्राइमरी से मिडल अपग्रेड किया जाए । इसी 'प्रकार से शाम नगर के प्राइमरी स्कूल से 4–5 किलोमीटर नजदीक कोई मिडल स्कूल नहीं है और मुझे बताया गया है कि यहां से तकरीबन 150 बच्चे पढ़ने के लिए दूर जाते हैं । इसलिये मैं चाहूंगा कि इस स्कूल को भी इस साल मिडल. स्कूल का दर्जा दे दिया जाए । इसी तरह से मेरे हल्के में भुरावास गांव है । वहां के लोगों ने भी काफी चन्दा

इकट्ठा किया है और सरकार ने भी मैचिंग ग्रान्ट दी है । लोगों ने वहां पर 14– 15 कमरे तैयार कर रखे हैं । उनकी मांग है कि उस स्कूल को हाई स्कूल का दर्जा दिया जाए । मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि इस स्कूल को भी इसी साल से मिडल से हाई स्कूल का दर्जा दे दिया जाए । उपाध्यक्ष महोदय, मैंने बजट की कापी देखी है इसमें टैक्नीकल शिक्षा के बारे में बहुत कम जिक्र है । इसके लिए कुल तीन करोड़ रुपया रखा गया है । मेरे दो सवालों का जवाब मुखय मन्त्री जी ने दिया था । उन्होंने बताया था कि हमारे प्रदेश में टैक्तीकल आदमी बहुत कम हैं जिसकी वजह से हम ऐसे आदमी दूसरी स्टेटों से लेते हैं । दूसरे एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा था कि हमारे प्रदेश में इस वक्त करीब साढ़े चार लाख नौजवानों ने एम्पलायमैंट आफिसिज में नाम लिखा रखे हैं जो रोजगार की इन्तजार में बैठे हैं । उन्होंने बताया कि हमारी सरकार हर साल करीब 30–35 हजार लोगों को रोजगार दे पाती है । दूसरी तरफ स्कूलों से, कालेजों से और यूनिवर्सिटीज से हर साल. करीब डेढ़ लाख लड़के–लड़कियां डिग्रीज लेकर वाजार में रोजगार करने के लिए निकलते ऐं । इनके अलावा हमारी और भी प्रशिक्षण संस्थाएं हैं जैसे आई० टी० आईज० इत्यादि । आप देखते हैं कि प्रदेश से भी देश से भी और विदेश से भी आए दिन अखबार, रेडियो और टी ० वी० पर जो विज्ञापन निकलते हैं, उनमें सौ में से 80 नौकरियों के लिए डिमांड टैक्नीकल. आदमियों की होती है । हमारे यहां इस किस्म के बहुत कम नौजवान होते हैं जिनको कि टैक्नीकल लाईन की शिक्षा हो । इसका कारण यह है

कि हमारे पूरे प्रदेश में दो तीन पोलेटैकनिक हैं और 14– 15 आई ० टी ० आईज० हैं । मैं अपने इलाके की बात करता हूं कि वहां पर विशेष तौर पर यह मांग है कि वहां एक आई० टी ० आई० होनी चाहिए । उससे सब से बड़ा फायदा यह होगा कि उस इलाके के लड़के जैसे–जैसे आई० टी० आई छ से काम सीखते जाएंगे, वैसे–वैसे उनको काम मिलता जाएगा । हमारे प्रदेश में जितने बच्चे डिग्रीज होकर निकल–तें हैं, उसके मुकाबिले में हम केवल तीन हजार को नौकरियां दे पाते हैं । इसलिये अगर आई० टी० आईज० ज्यादा खोली जाएंगी तो सबको काम मिलता रहेगा । जैसे केन्द्रीय सरकार ने सैल्फ एम्पलायगैंट की स्कीम चलाई है, इसमें भी डिप्लोमा करने वाला नौजवान अपने काम में कामयाब हो सकता है । मैं विशेष तौर पर मुख्य मन्त्री जी से निवेदन करूंगा कि पूरे हरियाणा प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा 90– 100 ब्लाक होंगे, हर ब्लाक में एक आई० टी० आई० खोल देनी चाहिरार । ब्लाक नहीं तो यहां असैम्बली में हम 90 एम० एल० एज० हैं, हर एक के हल्के में एक आई० टी० आई० खोल दें । ऐसा करने से रोजगार देने की समस्या आने वाले 5– 10 सालों में खत्म हो जाएगी । मैं अप्ने हल्के की बात कहता हूं कि साल्हावास हल्के के पूर्व में गुड़गांव पड़ता है जो वहां से 70 किलो– मीटर है, वहां पर एक आई०टी ० आई0 है । उसके पश्चिम में 80 किलोमीटर दूर भिवानी पड़ता है वहां आई० टी० आई० है । तीसरी तरफ रोहतक पड़ता है और चौथी तरफ महेन्द्रगढ़ पड़ता है वह भी 50–60 किलोमीटर दूर है । यानी मेरे हल्के के बच्चे चारों तरफ कहीं भी

पढ्ने जाएं उनको 60– 70 किलोमीटर दूर भेजना पड़ेगा तब जाकर उनको आई ० टी० आई० में दाखला मिलेगा । दूसरे क्योंकि हमारे प्रदेश में ये प्रशिक्षण केन्द्र बहुत कम हैं इसलिये इनमें सीट्स भी कम रहती हैं । मैं चाहूंगा कि इसी साल से हर हल्के में आई० टी ० आई० खोलने की स्कीम जरूर तैयार की जाए ताकि हमारे नौजवानों को अपनी जीविका कमाने के लिए मदद मिल सके । इसके साथ–साथ डिमांड नं० 10 चिकित्सा के बारे में है । उपाध्यक्ष महोदय, मैंने 1982– 83 में इस सदन में कहा था कि मेरे हल्के में एक हस्पताल बनाया जाए । मुख्य मन्त्री जी' ने मेरे हल्के के गांव मातनहेल में दस बैड का हस्पताल मंजूर किया था । उसके लिए पांच लाख रुपया 1983 में रख दिया था और पांच लाख रुपया 1984 में रखा था । यानी कुल मिला कर दस लाख रुपया हो गया । सैक्शन 4 और 6 के नोटिफिकेशन हो गए और जमीन भी एक्वायर हो गई । उसके बां द डिपार्टमैंट ने पैसा पी० डब्ल्यू ० डी० के नाम अलाट कर दिया लेकिन आज तक उस पर एक परसैटं भी काम नहीं हुआ । वहां कर पी० डब्ल्यू ० डी० का कोई एस ० डी० ओए, एक्सीयन या एस ० ई ० नहीं गया । मैं यह जानना चाहता हूं कि जब महकमे ने पैसा अलाट कर दिया है तो कपों नहीं वह हस्पताल बनाया जाता । उसके नजदीक कोई और हस्पताल भी नहीं हे । इस वर्ष उसको और पैसा दिया जाए और काम शुरू किया जाए । मैं जब भी वहा पर जाग हूं लोगों की यह डिमांड रहती है कि अस्पताल बनाया जाए । मैंने उनको विश्वास दिलाया था कि अस्पताल मंजूर हो गया है और

जल्दी ही काम शुरू हो जाएगा । लेकिन अभी तक वशु पर काम शुरू नहीं हुआ है । मैं मुख्य मन्त्री जी से निवेदन करूंगा कि उस अस्पताल. का काम जल्दी से जल्दी शुरू करवाया जाए । यदि इस बजट में नए अस्पताल बनाने की कोई स्कीम है और उसके लिए 30– 40 लाख रुपए का प्रावधान है तो उस अस्पताल के लिए भी 5– 7 लाख रुपए और अलाट किए जाए । इसके अलावा मैं एक बात और भी कहना चाहूंगा । 1800 स्वास्थ्य उप केन्द्र बनाने के बारे में सरकार विचार कर रही है । ये उप केन्द्र स्वास्थ्य विभाग द्वारा बनाए जाने हैं । इस बारे में मैं सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि मेरे हल्के के खानपुर, खोरडा, झामरी, ढलानवास, निवादा और भूरावास गांवों में स्वास्थ्य उप–केन्द्र जरूर बनाए जाएं । उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में 7 गांव है, इनमें से जो मैंने नाम बताए हैं इन गांवों के अन्दर उप–स्वास्थय केन्द्र जरूर बनाए जाएं । इसके अलावा अव मैं डिमांड नम्बर 16 के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा । यह डिमांड इंडस्ट्रीज के बारे में है । उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार ने झज्जर तहसील के इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड एरिया करार देने के लिए भारत सरकार को केस भेजा था । हरियाणा सरकार ने तो झज्जर तहसील को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड एरिया करार दे दिया है लेकिन भारत सरकार ने अभी तक इस बारे में घोषणा नहीं की है. । मैं आपके द्वारा सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि हरियाणा सरकार भारत सरकार को दोबारा रीमाइंडर भिजवाए और झज्जर तहसील को इडस्ट्रीयली बैकवर्ड एरिया घोषित करवाए ताकि झज्जर तहसील के

लोगों को ज्यादा से ज्यादा राहत मिलती रहे । यदि झज्जर तहसील को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड एरिया घोषित कर दिया जाता है तो बड़े–बड़े इंडस्ट्रीयलिस्टस वहां पर इंडस्ट्रीज लगाएंगे और उस एरिया के बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा और उस एरिया का काफी डिवैल्पमैंट भी होगा । इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं डिमांड नम्बर 23 के बारे मैं बोलना चाहूंगा । यह डिमांड परिवहन के बारे में है । रोहतक डिपो में बसें ज्यादा से ज्यादा पुरानी हैं । लोगों की यह शिकायत रहती है कि उनके धोती कपड़े फट जाते है । जब वे बसें चलती हैं, उस समय उनकी हालत देखने वाली होती है । चलते समय दोनों तरफ हिलती रहती है । मैं सरकार से प्रार्थना करूंगा कि सारी नहीं तो कम से कम आधी बसें तो वहां पर नई लगा दी जाएं । सरकार हर साल नई बसें खरीदतीं है, उसमें कुछ नई बसें रोहतक डिपो के लिए भी भेजी जानी चाहिएं । रोहतक डिपो में सबसे पुरानी बसें भेजी जाती हैं जिसके कारण यात्रियों को बड़ी परेशानी रहती है । इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहूंगा कि कोसली में एक बस अड्डा बनना था उसको बनाने के लिए कोई काम शुरू नहीं किया गया है । उस बस अड्डे को बनाने के लिए काम जल्दी से जल्दी शुरू करवाया जाए ह इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहूंगा कि रूडिया वास और नौगावां गांवों के अन्दर कोई बस अड्डा नहीं बनाया हुआ है इसलिए वहां पर यात्रियों को रुकने में काफी परेशानी होती है । मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि वहां पर क्यू शैल्टर बनाए जाएं । इसके अलावा, उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं

डिमांड नम्बर 6 के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा । यह मांग वित्त विभाग से सम्बन्धित है । मैं आपके द्वारा मुख्य मन्त्री जी से प्रार्थना करना चाहूंगा कि मातनहेल सब तहसील. है लोंकन वहां पर ट्रेजरी नहीं खोली गई है । वहां पर सब–ट्रेजरी खोली जाए और सब–तहसील की बिल्डिंग बनाई जाए । उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं डिमांड नम्बर 11 के बारे– में बोलना चाहूंगा जो कि नगर विकास के बारे में है । सरकार ने कोसली में एक मन्डी बनाने के लिए मंजूरी दी हुई है । वह काफी बड़ा कस्बा है वहां पर रेलवे स्टेशन भी है । उस मंडी में 1979–80 में प्लाट आक्शन हो गये थे । जिन लोगों ने उस मण्डी में दुकानें बगैरहा बनाने के लिए प्लाट लिए थे उन प्लाटों की डिवैल्पमैंट का कोई भी काम शुरू नहीं किया गया है । मइकमें को उसकी डिवैल्पमैंट के लिए काम शुरू करना चाहिए । कौसली मन्डी के आस पास लगभग 40–50 गांव लगते हैं । उन गांवों में कहीं भी मंडी नहीं है । मैं सरकार से प्रार्थना करुंगा कि इसी साल उस मंडी को बनाया जाए । अब मैं डिमांड नम्वर 12 के बारे में कुछ बातें कहना चाहूंगा । यह डिमांड श्रम तथा रोजगार से संबंधित है । उपाध्यक्ष महोदय, रोजगार दफतर ब्लाक स्तर पर बनाये जाते हैं । मेरे हल्के के अन्दर लगभग 150 गांवों के बीच में कोसली के अन्दर एक रोजगार दफ्तर बनाया हुआ है । हें सरकार से प्रार्थना करुंगा कि मातनहेल में भी एक रोजगार दफ्तर बनाया जाए । मैंने इस बारे में सरकार के पास एक नोट भी लिख कर भेजा हुआ है कि मातनहेल में एक ग्रामीण रोजगार कार्यालय बनाया जाए लेकिन

अभी तक वहां पर ग्रामीण रोजगार कार्यालय नहीं बनाया गया है । मैं सरकार से और खास कर के मुख्य मंत्री जी से निवेदन करुंगा की वहां पर जल्दी से– जल्दी ग्रामीण रोजगार कार्यालय खोला जाए । इसके अलावा मैं डिमांड नम्बर 13 के बारे में कुछ बातें कहना चाहूंगा । यह डिमांड समाज कल्याण तथा पुनर्वास के बारे में है । उपाध्यक्ष महोदय, हरिजनों और गरीब लोगों के हित के लिए हरिजन कल्याण निगम बनाया गया है । देहातों में लोग सोसाइटिया बना लेते हैं और उनके द्वारा लोगों को लोन मिलता हउ । मैं सरकार से प्रार्थना करुंगा कि इंडस्ट्रीज लगाने के लिए उन लोगों को ज्यादा से ज्यादा मदद दी जाए जो छोटे वर्ग के लोग हैं । छोटे वर्ग के लोगों को इंडस्ट्रीज लगाने के लिए ज्यादा से ज्यादा लोन दिया जाए । अब मैं डिमांड नं ० 14 के बारे में अपने विचार व्यक्त करना चाहूंगा । यह डिमांड खाद्य एवं सप्लाई के बारे में है । मैं एक बात कहना चाहूंगा कि कौसली में एक पैट्रोल पम्प है । उस पैट्रौल पम्प का मालिक 70 परसैंट मिट्टी का तेल किसानों को बेचता है जिससे किसानों के टैरक्टरों का बहुत नुकसान होता है । मैंने इस बारे में पहले भी लिख कर भेजा था । उपाध्यक्ष महोदय मैं आपके द्वार मुख्य मैली जी से प्रार्थना करुंगा कि वहां पर उसके साथ ही एक पैट्रोल पम्प और लगाया जाए ताकि दोनों का आपस में कम्पीटीशन हो जाए और वह मिट्टी का तेल न बेचने पाए । एक ट्रैक्टर कम से कम एक लाख रुपए का आता है । उस टैरक्टर का मिट्टी के तेल के कारण सर्वनाश हो जाता है । इसलिए मैं मुख्य मली जी से दरख्वास्त करूंगा कि

वहां पर एक और पैट्रोल पम्प लगा दिया जाए । उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं डिमांड नम्बर 19 के बारे में कुछ कहना चाहूंगा । यह डिमांड मछली पालन के बारे में है । आप सभी जानते है कि हमारा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है । इस साल सरकार ने 40 नए पशु अस्पताल खोलने का इस बजट में प्रावधान किया है । मैं सरकार से प्रार्थना करूंगा कि हरियाणा के हर गांव में पशुओं के लिए अस्पताल होने चाहिएं । जब पशु बीमार हो जाता है तो हम उसको न साइकिल पर ले जा सकते हैं, न टैक्सी में ले जा सकते हैं और न ही बस में ले जा सकते हैं । इसलिए हर गांव में पशुओं के लिए अस्पताल होना चाहिए । हमारी जनसंख्या का 50 प्रतिशत लोगों का पशु पालन का व्यवसाय है ।

श्री उपाध्यक्ष : चौधरी हुकम सिह जी पशुओं के लिए अस्पताल खोलने के लिए आज कोई डिमांड नहीं है । यह डिमांड कल आ चुकी । अब आप मेहरबानी करके बैठ जाएं ।

चौधरी हुकम सिंह : बहुत अच्छा जी, धन्यवाद ।

चौधरी खिल्लन सिंह (हथीन) : उपाध्यक्ष महोदय, 1985– 88 के बजट पर डिमांडज फार ग्रांटस पर चर्चा चल रही है । जो डिमांडज रखी गई है मैं उन पर संक्षेप में बोलना चाहूंगा । मैं जनरल एडमिनिस्ट्रेशन, एजुकेशन, मैडीकल एंड पब्लिक हैल्थ, इंडस्ट्रीज और अर्बन डिवैल्पजेंट की डिमांड्ज पर. बोलना चाहूंगा । सबसे पहले मैं जनरल एडमिनिस्ट्रेशन की डिमांड पर बोलना

चाहूंगा । उपाध्यक्ष महोदय, सदन की कार्यवाही को चलते हुए काफी दिन हो गए हैं और सदन के अन्दर भ्रष्टाचार के बारे में काफी चर्चा हुई है । इसके अलावा चुनावों के बारे में भी क फी चर्चा हुई है । चौधरी भजन लाल जी ने अपनी लोकप्रियता के आधार पर यह कहा था कि पार्लियामैंट के चुनावों में मेरे 10 के 10 कैडीडेट चुनाव जीत कर आए हैं और असैम्बली के तीन उप–चुनावों में तीनों सीटें कांग्रेस पार्टी के हक में आई हैं । मैं एक ही बात कहना चाहूंगा कि हरियाणा में जिस तरह से चुनाव हुए हैं और जिस जगह से कांग्रेस पार्टी के कैडीडेट चुनाव जीत कर आए हैं उससे ऐसा लगता है कि उन हल्कों में प्रजातंत्र का गला घोंटा गया है । (शोर) चुनावों में गवर्नमैंट मशीनरी का मिसयूज करके चुनाव जीत गए हैं । 1982 के चुनावों में भी प्रजातंत का गला घोंटा गया था । ..... (शोर)

श्री उपाध्यक्ष यह बात रिकार्ड न की जाए । (शोर)

चौधरी खिल्लन सिंह : जिस तरह से मुझे हरा दिया गया था यदि न्यायालय नहीं होते तो शायद आज सदन में मुझे बोलने का मौका न मिलता । इसी तरह से मैं भ्रष्टाचार के बारे में एक उदाहरण और देना चाहूंगा । रूलिंग पार्टी के लोग आए दिन आफिसर्ज पर अपना प्रभाव डालते हैं और उनसे गलत काम करवाते हैं । उपाध्यक्ष महोदय, होडल मार्किटिंग मंडी में कैटल लैड के लिए जो प्लाट छोडे हुऐ थे ..... वहां के स्थानीय एम० एल ०ए० है वह लोकदल के टिकट पर चुनाव जीत कर आए

थे बाद में उन्होंने दलबदल कर लिया और हरियाणा एग्रीकल्चरल मार्किटिंग बोर्ड के चेयरमैन बन गए ।

श्री उपाध्यक्ष : किसी मैंबर का नाम रिकार्ड नहीं किया जाएगा ।

चौधरी खिल्लन सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, उन्होंने अपने रिश्तेदारों के नाम वह प्लाट रिजैंर्व प्राइस पर खरींदवाए । उन प्लाटों के बीच में एक बिजली का खम्बा थी जितनी प्लाटों की कीमत नहीं थी उससे ज्यादा पैसा खर्च करके वह बिजली का खम्बा हटवाया । उन प्लाटों को वहां के दुकानदारों ने 80–80 हजार और 90–90 हजार रुपये में खरीदने के लिए एफिडेविट दिए हुए हें । लेकिन उन्होंने अपना सरकारी प्रभाव जमा कर उन प्लाटों को मामूली रकम पर खरीद लिया और अपने रिश्तेदारों को नाजायज तौर पर आढत के लाईसैंस दिलवा दिए हैं । अब इनके रिश्तेदार उन दुकानों में नाजायज तौर पर आढत का काम कर रहे हैं । डिप्टी स्पीकर साहब, जो अधिकारी सही ढंग से काम करता है और ईमानदारी से काम करके गवर्नमैंट को फायदा पहुंचाता है, उस आफिसर को सरकार लोकदल का बताती है । होडल के अन्दर जो मार्केटिंग सैक्रेटरी लगा हुआ है वह एक ईमानदार आदमी है । इसका पता जब वहां की कम्पैरेटीव स्टेटमैंट आयेगी, उससे पता चल जायेगा । मेरे कहने का मतलब यह है. कि आज जो भ्रष्टाचार फैला हुआ है, उसको रोका जाये । भ्रष्टाचार के जरिए जो रकम कमाई जा रही है, उव पर पाबन्दी लगाई जाये

और उसकी इन्क्वायरी करवाई जाये । डिप्टी स्पीकर साहब, गिरीराज किशोर जी ने जिन अपने आदमियों को गलत लाईसैंस दिलाए हुए हैं, उनके पास 85 रोहू की बोरियां नम्बर 2 की खरीदी हुई पाई गई हैं क्योंकि उन्होंने इन बोरियों पर कोई मार्केटिग फीस आदि नहीं दी है । डिप्टी स्पीकर साहब, फरीदाबाद जिले में विधान सभा के 6 क्षेत्र हैं । जब असैम्बली के आम चुनाव हुए थे उस समय तो इन 8 शेत्रो में से 4 क्षेत्र विपक्ष ने जीते और दो कांग्रेस ने जीते थे । यह अलग बात है कि चुनावों के बाद विपक्ष से जीते हुए विधायक कांग्रेस में चले गए । डिप्टी स्पीकर साहब, हथीन क्षेत्र भी फरीदाबाद जिले में आता है । सरकार वहां पर बदले की भावना से काम कर रही है । हयीन क्षेत्र में डिवैल्पमैंट के कोई काम सरकार वहां पर शुरु नही कर रही । मैंने एक सवाल पूछा था कि 1984–85 में फरीदाबाद जिले में कुल कितने स्कूल अपग्रेड हुए हैं लेकिन बदकिस्मती से वह सवाल लग नहीं पाया । जो उत्तर शिक्षा मंत्री जी ने मेरे सवाल का दिया था, वह भी गलत था । इन्होंने फरीदाबाद जिले मैं जो विधान सभा के क्षेत्र पड़ते हैं उसमें इन्होंने पलवल में 2 स्कूल, हसनपुर में 2 स्कूल, बल्लभगढ में तीन स्कूल, मेवला महाराजपुर में 3 स्कूल और फरीदाबाद में 2 स्कूल अपग्रेड किए अपने लिखे हुए जवाब में बताये थे । डिप्टी स्पीकर साहब, इन क्षेत्रों में तो सरकार ने स्कूल अपग्रेड कर दिए लेकिन मेरे हल्के हथीन में कोई स्कूल अपग्रेड नहीं किया गया जबकि दो स्कूल तो सारी शर्तें भी पूरी करते थे । एक स्कूल मरोली गांव में मिडल से हाई स्कूल बनना था और

दूसरा फिरोजपुर राजपूत स्कूल प्राईमरी स्कूल से मिडल स्कूल बनना था । ये दोनों स्कूल सारी शर्तें पूरी करते हुए भी, इनको अपग्रेड नहीं किया गया । मेरे क्षेत्र में ये स्कूल इसलिए अपग्रेड नहीं किए गए क्योंकि यह क्षेत्र अपोजीशन का क्षेत्र है । मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि हथीन क्षेत्र की जनता के साथ ऐसा क्यों व्यवहार किया जा रहा है । क्या हथीन क्षेत्र की जनता सरकार को रैवेन्यू नहीं देती और क्या हथीन क्षेत्र के लोग हरियाणा से बाहर के लोग हैं? मैंने अपने क्षेत्र में एक बड़ा हस्पताल बनाने के लिए कहा था । बहां पर जो डिस्पैसरी है, वह बहुत छोटी है । मेरा क्षेत्र मेवात के एरिया में आता है जबकि मेवात का एरिया सरकार ने बैकवर्ड घोषित किया हुआ है । वह एरिया बैकवर्ड घोषित होने के बाद भी वहां पर कोई काम नहीं किए जा रहे । मेरी प्रार्थना है कि वहां पर बड़ा हस्पताल जल्दी से जल्दी खोला जाये ताकि वहां की गरीब जनता को उससे लाभ मिल सके । डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं जो हथीन कस्बे में म्यूनिसिपल कमेटी है उसकी चर्चा करना चाहूंगा । हथीन म्यूनिसिपल कमेटी की बहुत बुरी हालत है । वहां की जनता नरक की जिन्दगी जो रदुाई है । सरकार द्वारा वहां की जनता के साथ भेद भाव किया जा रहा है । म्युनिसिपल कमेटीज को जो ग्रांट सरकार की तरफ से दी जाती है, उसमें भी भेदभाव किया जा रहा है । मैं सरकार से प्रार्थना करूंगा कि वहां पर कमेटी को ज्यादा से ज्यादा पैसा दिया जाये क्योंकि बरसात के दिनों में हथीन कस्बे में गलियां कच्ची होने की वजह से पानी खड़ा हो जाता है जिससे आम जनता को बहुत परेशानी उठानी

पड़ती है । स्पीकर साहब, होडल के अन्दर एक हस्पताल की बिल्डिग 9 महीने से बनकर तैयार हो चुकी है लेकिन सरकार ने अभी तक उस बिल्डिग को टेक ओवर नहीं किया है । इस बारे में मैं स्वास्थ्य मंत्री महोदया से प्रार्थना करूंगा कि उस बिल्डिग को जल्दी से जल्दी टेक ओवर किया जाये ताकि। वहां की जनता चिकित्सा सुविधा का लाभ उठा सके ।

स्वास्थ्य राज्य मन्त्री (श्रीमती करतार देवी) : वहां पर बिल्डिग बना तो दी है ।

चौधरी खिल्लन सिंह : मैं यह कह रहा हुं कि बिल्डिग तो बना दी गई है लेकिन उसको टेक–ओवर नहीं किया गया है । इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि उस बिल्डिग को जल्दी से जल्दी टेक ओवर किया जाये । डिप्टी स्पीकर साहब, हथीन के अन्दर कोई बस स्टैण्ड नहीं है जिससे वहां की जनता को गर्मियों के दिनों मैं बहुत परेशानी उठानी पड़ती है । वहां पर बस स्टैण्ड न होने की वजह से लोग कहीं पर बैठ नहीं सकते । इस बारे में मेरे सवाल के उत्तर में बताया गया था कि वहां पर जल्दी से जल्दी जमीन एक्वायर कर रहे हैं और जल्दी ही बस स्टैण्ड का निर्माण कर दिया जायेगा लेकिन सरकार की तरफ से कोई स्पैसिफक समय नहीं दिया गया कि कब तक बस अड्डे का निर्माण कर दिया जायेगा । इस बारे में मैं परिवहन मती जी से प्रार्थना करूंगा कि वहां पर जल्दी से जल्दी बस अड्डा बनाया जाये ताकि लोगों को बैठने के लिए जगह मिल सके ।

डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा क्षेत्र एजुकेशन के लिहाज से भी बहुत पिछड़ा हुआ क्षेत्र है । वहां पर कोई गवर्नमैंट कालेज नहीं है । मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वहां पर एक गवर्नमैंट कालेज शीघ्र खोला जाये ताकि वहां के गरीब लोग अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिला सकें । इस समय वहां के गरीब लोगों के पास इतने पैसे नहीं हैं कि वे अपने बच्चों को बाहर कालेज आदि में भेज कर उच्च शिक्षा दिला सकें । अन्त में मेरी फिर प्रार्थना है कि वहां पर एक कालेज जल्दी से जल्दी खोला जाये ताकि वहां के गरीब बच्चे उच्च शिक्षा का लाभ उठा सकें । धन्यवाद!

श्री जसवन्त सिंह चौहान (राई) : आदरणीय डिप्टी स्पीकर साहब, आपकी आज्ञा से जो बजट वित्त मंत्री जी ने हाउस में पेश किया है वह बहुत सराहनीय है । मेरे कहने का मतलब यह है कि जो बजट बनाया गया हे बड़ा सोच–समझ कर बनाया गया है । इस बजट कें अन्दर गरीब मजदूरों, किसानों और दूसरे वर्ग के लोगों को काफी फायदा पहुंचाया गया है । इस बजट के अन्दर जो पिछड़े हुए लोग हैं उनको भी काफी सहूलियतें प्रदान की गई हैं । अब मैं डिमांड नं 13 पर सबसे पहले बोलना चाहूंगा । डिमांड नं 13 समाज कल्याण के बारे में है । यहां पर विरोधी पक्ष के भाई कहते हैं कि सरकार ने बसों के किराये बढ़ा दिए । मैं इस बारे में विरोधी पक्ष के भाइयों से पूछना चाहता हूं कि क्या आपने ऐसे कोई सुझाव दिए हैं जिससे हर भाई को फायदा पहुंच सके । इस डिमांड के बारे में मैं दों–तीन सुझाव सरकार को देना

चाहूंगा । मैं चाहता हूं कि समाज कल्याण की स्कीमों पर ऐसे टैक्स लगाये जाएं जिससे लोगों को फायदा पहुंच सके । इसके लिए मेरा सुझाव यह है कि जो व्याह– शादियां लोग करते हैं उन पर जो पैसा खर्च किया जाता है उसकी लिमिट मुकर्रर कर दी जाये कि यदि इससे ज्यादा पैसा शादी पर खर्च होगा तो टैक्स लगेगा । इसी तरह से मेरा सरकार को सुझाव है कि जितनी भी नशीली चीजें शराब आदि हें उन सब पर ज्यादा से ज्यादा टैक्स लगाया जाना चाहिए ताकि लोग इन चीजों का कम से कस सेवन कर सकें । डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा एक सुझाव यह भी हे कि लड़कों के या आदमियों के सिर पर बाल रखने की लिमिट मुकर्रर की जाये कि इतने इन्च लम्बे बाल सिर पर रखे जा सकते हैं क्योंकि लम्बे बाल होने से एक तो दिमाग पर बुरा असर पड़ता है दूसरे आदमियों के सिर पर लम्बे बाल अच्छे भी नहीं लगते । (हंसी) मेरी इस बारे में सरकार से पुनः प्रार्थना है कि सिर पर बाल रखने की लिमिट मुकर्रर की जाये और जो व्यक्ति लिमिट से बाहर बाल रखे उस पर पर ईन्च के हिसाब से टैक्स लगाया जाये । (विध्न) मैं सरदारों के बारे में यह बात नही कह रहा ।

चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवाल : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । डिप्टी स्पीकर साहब, अगर इनकी बात मान ली जाएगी तो हरियाणा में अन–एम्पलायमेंट खत्म हो जायेगी । (व्यवधान)

श्री जसवन्त सिंह चौहान : डिप्टी (–पीकर साहब, एक तरफ हमारे विरोधी भाई कहते हैं कि हुमारे काम नही होते, हमारी सड़कें नहीं बनती, स्कूल नहीं बनते, हस्पताल कहीं बनते और दूसरी तरफ जो काम गवर्नमैंट को फायदा पहुंचाने वाले हैं, उन पर एतराज करते हैं । यह कोई अच्छी बात नहीं है । आज कल के नौजवान इस प्रकार की ड्रैस डालने लग गये हैं कि उससे पता नहीं चलता कि वह लडका है या लड़की । इस विषय में मुझे एक शेयर याद आ गया । .....

श्री उपाध्यक्ष : यह बात रिकार्ड में नहीं आयेगी ।

श्री जसवन्त सिंह चौहान : डिप्टी सीकर साहब, यह समाज कल्याण की बात है । मैं सुधार की बात कर रहा हूं । ....

अब मैं मांग नं ० 23 पर बोलना चाहता हूं । डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा राई हल्का दिल्ली के नजदीक हे । इस हल्के के लोगों का गुजारा खेतीबाडी पर ही निर्भर करता है । वहां पर सब्जी की काश्त होती है और जमींदार लोग सब्जी दिल्ली में ले जाते हैं लेकिन दिल्ली में ले जाते समय उनको बड़ी दिक्कत पेश आती है । यहां के 25 परसैटं आदमी दिल्ली में नौकरी करते हैं, इसलिए बसों में भारी रश रहता है । मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि राई हल्के में दिल्ली के नजदीक लगते हुए बड़े–बड़े गावों से दिल्ली के लिए बसे चलाई जाएं क्योंकि लम्बे रूट की

बसें इन गावों के पास नहीं रुकती । लोग सुबह से शाम तक बसों की इन्तजार करते रहते हैं । बहुत से लोग डियूटी पर भी नहीं पहुंच पाते और न ही लोग मण्डियों में अपना माल ले जा सकते हैं । मैं सरकार से कहना चाहूंगा कि इस नये बजट में प्रोवीजन करके मेरे हल्के में ज्यादा से ज्यादा बसें, बड़े–बड़े गावों से दिल्ली के लिए चलाई जाएं । इसी तरह से राई हल्के से हरिद्वार के लिए कोई बस नही जाती । मैं चाहूंगा कि सोनीपत जिले से हरिद्वार जाने वाली बस सोनीपत से हरिद्वार चलाई जांए और नये बजट में इसका प्रोवीजन किया जाए । अब मैं डिमांड नं ० 9 पर बोलना चाहता हूं ।

श्री हरि चन्द हुड्डा : डिप्टी. स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । आज इस हाउस में स्टे डयम बनाने की बात आई थी और चीफ मिनिस्टर साहब ने कहा था कि स्टेडियम बनाया जाएगा । मैं चीफ मिनिस्टर साहब का शुक्रिया अदा करूंगा, अगर इस बजट में से कुछ पैसा हमारे यहां भी स्टे डियम बनाने के लिए दे दिया जाए । मैं श्री अमर सिंह जी से भी कहूंगा कि इस डिमांड में से हमें भी कुछ पैसा मिल जाए ताकि हमारा भी स्टेडियम बन जाए, मैं उनका भी शुक्रिया अदा करूंगा । आप पैसा दे दें, मिटटी हम खुद डाल लेंगे ।

श्री जसवन्त सिंह चौहान : डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं शिक्षा के बारे में अर्ज करुंगा । शित्रा मन्त्री जी और मुख्य मन्त्री जी मेरे हल्के में गये थे और इन्होंने कुछ स्कूलों को अप–ग्रेड

करने का एलान किया था, लेकिन अभी तक इन स्कूलों को अप–ग्रेड करने के बारे में कोई आर्डर्ज वहां नहीं पहुंचे हें । मैं चाहूंगा कि नये बजट को ध्यान में रखते हुए इन स्कूलों के अप–ग्रेडेशन के आर्डर्ज पहुंच जाने चाहिएं ताकि बच्चे इसी साल दाखिला ले सके । डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे हल्के में एक स्पोर्ट स्कूल राई में बना है । इस स्कूल में दूर–दूर से शहरों के बच्चे जो पढ़ने में बहुत होशियार होते हैं, दाखिला ले लेते हैं और मेरे हल्के के नौजवान बच्चे रहे जाते हैं । जबकि इस हल्के के लोगों ने इस स्कूल को 80 एकड़ जमीन दे रखी है लेकिन यहां के बच्चे इसमें दाखिला नहीं ले पाते । मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस इलाके के बच्चों को कम से कम 5 या 7 परसैट मार्क्स में छूट दी जानी चाहिए ताकि वे दूसरे बच्चों के साथ दाखिला ले सकें । जो बच्चे शहरों से आते हैं, वे अच्छे नम्बरों में पास होकर, अच्छी डिवीजन लेकर आते हैं और इनके मुकाबले में देहातों के बच्चों के नम्बर कम होते हैं, इसलिए वे दाखिल नहीं हो पाते । मेरी सरकार से निवेदन है कि देहातों के वच्चों को कम से कम 5 परसैंट मार्क्स की छूट दी जाए ताकि देहातों के बच्चे भी फायदा उठा सकें ।

इसी प्रकार डिप्टी स्पीकर साहब, मूरथल के बस अड्डे के पास हमने एक इंजीनियरिंग कालेज की मांग की थी और हमारे मुख्य मन्त्री जी ने हमें विश्वास दिलाया था कि यह कालेज बहुत ही जल्दी बना दिया जाएगा । वैसे इन्होंने यह आश्वासन देकर

हमारे ऊपर बहुत बड़ी कृपा की हे । इन्होंने हमें पूरा यकीन दिलाया था कि इसी बजट में बनायेंगे । इन्होंने हम से वायदा किया है और उस गांव के नौजवानों ने इस कालेज के लिए बहुत सी जमीन और पैसा भी दिया है । मैं चाहूंगा कि यह कालेज इसी साल जल्दी से जल्दी बनाया जाए ताकि वहां के लोग उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें । अगली डिमांड इंडस्ट्रीज के बारे में है । डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा हल्का सारे का सारा इंडस्ट्रीयल एरिया है । यहां पर जो जमीन थी उसको कारखानेदारों ने खरीद कर इंडस्ट्रीज लगा ली हैं । यी सारे का सारा देहाती इलाका है, किसी भी शहर का कोई भी कोना मेरे इलाके के साथ नहीं लगता । इस इलाके का चाहे कोई किसान हो, चाहे देहात में रहने वाला कोई मजदूर हो, चाहे कोई शिडयूल्ड कास्ट हो, इन सव का गुजारा खेती के ऊपर था, लेकिन खेती की सारी जमीन इंडस्ट्रीज में जाने की वजह से इन लोगों के लिए रोजगार का कोई सहारा नही रहा । इसलिए मै चाहूंगा कि इन इंडस्ट्रीज में जो आदमी रखे जाते है, उनका 50 परसेंट अमला मेरे इलाके से रखा जाए । इस अमले में चाहे मजदूर हो, वर्कर हों या दूसरे हों, योरग्यत्ता के आधार पर 50 परसैट लोगों की भर्ती इस इलाके के लोगों में से की जाए ताकि जो लोग इंडस्ट्रीज की वजह से लैडलैस हो गये है, बे रोजगार हो गये हैं, उनकी काम–धन्धा मिले । इस सिलसिले में मैं मुख्य मन्त्री जी के पास गया था और इन्होंने मुझे विश्वास दिलाया था कि इंडस्ट्रीज वाले इस इलाके के 50 परसैंट लोगों को जरुर भर्ती करेगे, लेकिन अभी तक रूहोंने इस तरफ

ध्यान नही दिया है । (घंटी) डिप्टी स्पीकर साहब, एक छोटी सी बात कहना चाहूंगा जो डिमाड नं ० 10 के साथ सम्बन्ध रखती है । मेरे इलाके राई में कोई हैल्थ सैन्टर नही है जबकि यह खादर का इलाका है । इसमें मलेरिया ज्यादा फैलता है । आज ही कई मैम्बर्ज ने कहा कि मच्छर नही मरते. । मेरे इलाके में भी मच्छर बड़े मजबूत हैं क्योंकि कई जगह बरसात का पानी खड़ा रहता है । गवर्नमैंट की यह पालिसी हे कि हर जिले में एक बड़ा हस्पताल या प्राईमरी हैल्थ सैन्टर बनाया जाए । मेरा तमाम इलाका देहात का है और मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि मेरे इलाके में एक प्राईमरी हैल्थ सैन्टर बनाने की कृपा करें । इन शब्दों के साथ हें आपका धन्यवाद करता हूं ।

चौधरी अजमत खां (नूह) : डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपका शुक्रगुजार हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया । डिप्टी सीकर साहब, कई बातें यहां ऐसी आई हैं जिन्हे तोड़ मरोड़ कर अपोजिशन के साथियों ने कहा है । एक्रू बात इलैक्शन के बारे में आम तौर पर यहां कही गई । (विघ्न)

एक सदस्य : डिप्टी स्पीकर साहब, ये कौन सी डिमांड पर बोल रहे हैं।

चौधरी अजमल खां : मैं जनरल ऐडमिनिस्टेशन की बात कर रहा हूं । मेरे दोस्त खिंल्लन सिह जी ने कहा कि अजमत खां जी इलैक्शन जीतने के माहिर हैं । उन्होंने यह भी कहा कि मैं

नूह के हल्के से जबरदस्ती और सरकार के दबाव से जीत कर आया हूं । (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, उनकी यह बात ठीक नहीं है । अगर कांग्रेस या सरकार के दवाब की बात होती तो मैं हथीन से नहीं जी त सकता था । जब मैं हथीन से जीता था तो मैं जनता पार्टी के टिकट से आया था । (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, जो बात खिल्लन सिह जी 'ने कही मैं उसका जवाब दे रहा हूं । मेरी आदत गलत बात कहने की नही है । मैं टीचर रहा हूं और हमेशा सच बोलने का प्रण लिया है तथा सच बोलता हूं । मेरे अपोजिशन के भाई हर बात को उछालने की कोशिश करते हैं । यह इनकी हैबिट बन गई है यह बात न इनके हक में है और न हरियाणा के हक में है । ऐसी बातें कह कर ये चाहते हैं कि अखबारों में इनका नाम आए ।

डा ० भीम सिंह दहिया : डिप्टी स्पीकर साहब, आनरेबल मैम्बर ने अभी दो बातें कहीं । एक तो कहा कि ये हमेशा सच बोलते हैं । दूसरे कहा कि मैं जवाब दे रहा हूं । जहां तक जवाब देने का सम्बन्ध है, जवाब तो मंत्री जी देंगे या मुख्य मंत्री जी देंगे । इन्हें कहा जाए कि ये जवाब न दें । (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : दहिया साहब, ऐसा है कि अभी खिल्लन सिह जी बोल रहे थे । उन्होंने इनके बारे में कुछ बातें कही है, उसके बारे में ये कहना चाहते हैं ।

डा० भीम सिंह दहिया : डिप्टी स्पीकर साहब, इनको कहें कि ये डिमांडज पर बोलें ।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : आप अपने मैम्बर्ज को भी समझाएं । दहिया साहब, आप काफी समझदार और पढ़े लिखें है । आप अपने मैम्बर्ज की एक क्लास लगाएं और उन्हें बताएं कि कहां कैसे बोला जाता है । खिल्लन सिंह जी ने इनके बारे में कुछ कहा है, उसका ये ढंग से और मर्यादा से जबाब दे रहे हैं । मर्यादा से बाहर इन्होंने कोई बात नहीं कही । (शोर) ।

श्री भागी राम : .....

श्री उपाध्यक्ष : यह रिकार्ड पर नही आएगा ।

चौधरी अजमत खां : डिप्टी स्पीकर साहब, जनरल एडमिनिस्ट्रेशन के बारे में एक बात और कही गई । डिप्टी स्पीकर साहब इन्हें चाहिए कि ये बात करने से पहले अपने अन्दर झाका कर देखें । पार्लियामैंट के इलैक्शन के बाद हमारी पार्टी के दो आदमी मारे गए लेकिन उसके बाद चर्चा होती है कि हम लोगों को मरवाते हैं । आदमी हमारे मारे जाते हैं, ज्यादती इनकी तरफ से होती है । लेकिन इसके बावजूद इस तरह की बात की जाती है । (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एजुकेशन की डिमांड के मुतालिक कुछ बातें कहना चाहूंगा । एजुकेशन सब लोगों के लिए जरूरी है लेकिन इस बारे में अर्ज यह है कि आजादी के बाद जिस वक्त पंजाब बना था, तरक्की की राहें, तरक्की के रास्ते उस वक्त

अमृतसर से खुले थे परन्तु बदकिस्मती की बात यह है कि पंजाब में भी हम सबसे आखिर में थे और आज हरियाणा में भी हम आखिर में हैं । तरक्की के रास्ते उधर पहुंचे तो हैं लेकिन अभी तक हम बहुत पीछे हैं । एजुकेशन में भी बहुत पीछे हैं । (विघ्न) मेरी गुजारिश यह है कि अगर मेवात के एरिया को एजुकेशन के मामले में दूसरे इलाकों के मुकाबले थोड़ी प्रैफरैंस मिल जाए तो बेहतर होगा । स्कूल अपग्रेड करने के लिए जो शर्तें रखी गई हैं उनमें ज्यादा से ज्यादा रिलैक्सेशन देकर यदि वहां ज्यादा मिडल और हाई स्कुल खोल दिए जाएं तो अब तक जो बच्चे तालीम हासिल नहीं कर पाए थे, वे तालीम हासिल कर सकेंगे । डिप्टी स्पीकर साहब, एजुकेशन के मुताल्लिक मैं एक बात और कहना चाहूंगा । यह हमारी बदकिस्मती है कि उर्दू जबान मुसलमानों के साथ जोड़ दी गई है । मैं ज्यादा क्या कह हमारे देश में ऐसे–ऐसे आदमी है जो प्राईम मिनिस्टर बनने के लिए उम्मीदवार होते हैं लेकिन इस बात को नहीं समझते । डिप्टी स्पीकर साहब, उर्दू जबान, जो मेरे इलाके बृज की पैदावार है, जिसका लडकपन दखन– में गुजरा और जब जवानी की अंगडाइयां लेने लगी तब दिल्ली और लखनऊ के लोगों ने उसको अपने आगोश में ले लिया । यह जबान हिन्दुस्तान की है, सारे देश की है । इसे एक खास फिरके से जोडना बहुत बड़ी गलती है । मैं यह बात इस लिए नहीं कहता कि इसे हमारे इलाके में पढाया जाए बल्कि इसका सीखना माल के रिकार्ड को जानने के लिए खारा जरूरी है । अभी तो उर्दू जानने वाले कुछ पुराने लोग 'मौजूद है जो माल

रिकार्ड का हिन्दी में ट्रांसलेशन कर देते हैं लेकिन अगर उर्दू की तरफ ध्यान नहीं दिया गया तो ऐसी हालत पैदा हो जाएगी कि आने वाले समय में उर्दू जबान को पढ़ने वाला और उसका हिन्दी में ट्रांसलेशन करने वाला कोई नहीं मिलेगा । ऐसे लोगों की हमें सख्त जरूरत है । इसलिए हमे ऐसे लोग अभी से तैयार करने चाहिए जो कम से कम माल के रिकार्ड को पढ़ सकें और उसका हिन्दी अनुवाद कर सकें ताकि आगे जाकर लोगों को मुकदमात में कोई दिक्कत न जाए ।

डिप्टी स्पीकर साहब, एक बात मैं और कहना चाहता है । वह बात टैक्निकल कालेज के बारे में है । मैं यह बात अपने सी०एम० साहब से अर्ज करना चाहता हूं । 1857 की आजादी की लड़ाई में शहीद हुए शहीदों की याद ने कुछ समय पहले मेवात में शहीदी दिवा मनाया गया था । उस मौके पर सी०एम० साहब ने वायदा किया था कि टैक्निकल कालेज उटावर मे खोला जायेगा । आपने यह भी कहा था कि उसके लिये 28 किल्ले जमीन चाहिए लेकिन हमने 28 की बजाए 35 किल्ले जमीन दे दी है । मैं चाहता हूं कि उस कालेज का काम इसी जत शुरू कर दिया जाए ।

डिप्टी स्पीयर साहब, 10 + 2 शिक्षा प्रणाली के बार में भी मैं अर्ज करना चाहता हूं । इसके बारे में कंडीशन है कि यह शिक्षा हायर सैकेंडरी स्कूल में दी जाएगी । मेवात में पुनहाना को छोड़कर हायर सैकेंडरी स्कूल कही नहीं है । मेरे हल्का नूह के अन्दर भी कोई हायर सैकेंडरी स्कूल नहीं है । मेरी गुजारिश हे

कि हल्के कंडीशन में रिलैक्सैशन देकर के बाजीपुर हाई स्कूल में 10+2 शिक्षा प्रणाली लागू की जाए ।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं मैडिकल और पब्लिक हैल्थ की डिमांड के बारे में कहूंगा । मेवात एरिया मैं डाक्टर्ज जाते हैं और भागने की कोशिश करते है । वहां ऐसे डौक्टर्ज को लगाया जाए जो वहां रूके' और दिल लगा कर काम करें । डिप्टी स्पीकर साहब, वहां दवाइयां भी नहीं पहुंच रही हैं । उन्हें पहुंचाने का भी प्रबन्ध होना चाहिए । पब्लिक हैल्थ के बारे में मेरी अर्ज यह है कि मेवात के इलाके में पीने के लिए पानी नहीं है । कुछ कसर जो बाकी थी वह सन् 1978 की गलत प्लानिंग की वजह से पूरी हो गई । बरसात के दिनों में लडवा नाले से जो पानी खुले रूप से बह कर आता था उससे खरीफ की फसल तो जरूर तबाह होती थी लेकिन रबी की फसल ज्यादा होती थी, पीने के पानी का वाटर लैवल ऊंचा रहता था और लोग कच्ची कुइयों से कुछ पानी पी लेते थे । अब वाटर लैवल इतना नीचे हो गया है कच्ची कुइयों में भी पानी नहीं मिलता । मेवात में दो पहाड़ों के दामन में काफी पानी है । इसलिए मेरी प्रार्थना है कि यदि वहां एम०आई०टी ०सी० के ट्यूबवैल्ज लगा दिए जाएं तो पीने का पानी भी काफी माता में मिल सकता है और सिंचाई के लिए भी पानी मिल सकता है । एस0वाई०एल० नहर का पानी आने में चूंकि अभी काफी टाईम लगेगा इसलिए फिलहाल यह काम करवा दिया जाए ।

डिप्टी सीकर साहब, नूह और हथीन में काफी इंडस्ट्रीज लगाने के बारे में सरकार ने प्रोग्राम बनाया है । जमीन ऐक्यायर हो चुकी है । मेरी गुजारिश है कि उन इंडस्ट्रीज का काम इसी साल शुरू करवा दिया जाए । इसके अलावा हमारे यहां कुछ एरिया में जंगलात लगाये जा रहे हैं । जंगलात लगाने के कारण हमारे यहां मवेशियों को चराने के लिए भी जगह नहीं रही है, इसलिए जगलात में पशुओं को चराने की इजाजत होनी चाहिए । ट्रांसपोर्ट के बारे में भी अर्ज करना चाहता हूं । ट्रांसपोर्ट में नई और पुरानी बसें हैं लेकिन हमारे यहां बहुत कम नई बसें हैं इसलिए उस इलाके में भी नयी बसें भेजी जायें और ज्यादा बसें भी चलाई जाये । नूह और हथीन में बस अड्डा भी बनाया जाना चाहिए । यह बहुत ही जरूरी हूँ । दोनों जगहों पर बस अड्डे की आवश्यकता है । फिरोजपुर झिरका में भी कोई बस अड्डा नहीं हए इसलिए वहां पर भी बनाया जाय । अब मैं सोशल वैल्फेयर विभाग की बात करना चाहता हूं । यह डिपार्टमैंट गरीब लोगों को काफी फायदा पहुंचा रहा है, इसमें कोई सन्देह नहीं है लेकिन आम लोगों को पता नहीं है कि इस डिपार्टमेंट से 65 साल की आयु वाले बुड्ढे को, बेवा को, हरिजन और लगडे लूलों को वजीफा दिया जाता है । कम से कम मेरे इलाके में आम लोगों को इस बारे में कोई ज्ञान नहीं है । वहां पर कोई ब्लाक अफसर मुकर्रर किया जाये जो गांव में जा कर बताये कि इस तरह से आपने कागजात भरने हैं और आपको इस तरह से यह पैसा मिल सकता है । मेरे इलाके के बहुत कम गरोब हरिजन, बुड्ढे और बेवायें यह पैसा यानी

वजीफा ले रहीं है । इसलिये ब्लाक लैवल पर कोई अफसर लगायें ताकि उन्हें इस बारे में जानकारी हो सके । मछली पालन का भी बहुत अच्छा काम है क्योंकि मछली पालने से गरीबों की रोटी का मसला हल हो जाता है, उन्हें रोजगार मिल जाता है इसलिए इस क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा रकम दी जाये और मेरे अपने इलाके में ज्यादा से ज्यादा सहूलियतें दी जायें ताकि गरीब लोगों को रोजगार मिल सके । इन लफ्जों के साथ मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं कि आपने मुझे टाईम दिया ।

श्री मंगल सैन (रोहतक) : डिप्टी स्वीकर साहब, आज डिमान्डज पर चर्चा हो रही है कल भी हुई थी और उससे पहले वित मंत्री ने जो बजट भाषण किया था उस पर भी चर्चा हुई । वित्त मंत्री महोदय ने बजट और डिमान्डज पर हुई चर्चा. का जवाब दिया । दोनों बार मैंने उनके जवाब को सुना । मुझे सागर राम गुप्ता जी से यह उम्मीद नहीं थी कि वे इतना घिसा–पिटा जवाब देंगे । डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होंने ये डिमान्डज पेश कर दी और बहुमत के आधार पर पास हो जायेंगी । डिप्टी स्पीकर साहब प्रशासन में जनरल एडमिनिस्ट्रेशन एक महत्वपूर्ण अंग है । इसमें देखना यह होता है कि एक चपडासी से लेकर चीफ सैक्रेटरी तक का कैसा व्यवहार है? मलि परिषद् कैसी है? डिप्टी स्पीकर साहब, यह कहने की जरूरत नही है कि हरियाणा की मंत्रिपरिषद् का पता ही नहीं लगता है कि यह कब कम हो रही है और कब ज्यादा हो रही है । पता नहीं भजन' लाल जी ने किस–किस को झांसा दिया

हुआ है कि आपको भी मिनिस्टर बना देंगे । मुख्य मंत्री जी वायदा करने में तो कमाल करते हैं । इनके सामने दस मांगे रखो तो वायदे 20 कर देंगे क्योंकि उन्हें यह पता है कि वायदा प्रा तो करना नहीं है । (विघन) डिप्टी स्पीकर साहब हें आपके जरिए इन से पूछना चाहता हूं कि जनरल एडमिनिस्ट्रेशन की मद के नीचे एस ० एस ० एस ० बोर्ड आता है जिसे लोग सर्विस सैलिंग बोर्ड कहते हैं, उसे आपने तोड़ा था, क्या उसे अब रिकांस्टीच्चूट करने की जरूरत महसूस नही करते हो? (विघ्न) राव निहाल सिंह जी कह रहे हैं कि फिर लूट खसोट शुरू हो जायेगी । लूट खसोट तो पहरने भी थी और अब भी रहेगी लेकिन उसको चौक करने के लिए डेमोक्रेसी में, पार्लियामेंटरी सिस्टम में मैम्बर्ज को यह कहने का मौका मिलता है कि आप यह गलत काम कर रहे हो । अब तो जो छोटी भर्ती होती कुश उसमें अफसरों की मर्जी पर है जिसको चाहें भर्ती कर लें और जिसको चाहे हटा दें । अब मंत्रियों की मौज बनी हुई है । डिप्टी स्पीकर साहब, हमारा प्रशासन इतना चुस्त नहीं है जितना होना चाहिए । यहां पर ला एण्ड आर्डर की सिचुएशन खराब है । ला एण्ड आर्डर की सिचुएशन के बारे में भजन लाल जी कहेंगें कि हरियाणा प्रदेश और प्रदेशों से आगे है । ये उन प्रदेशों के साथ तुलना करेंगे जहां ला एण्ड आर्डर की सिचुएशन बहुत खराब हे, ला लैसनैस बहुत ज्यादा है । हरियाणा तो आईडल स्टेट थी यहां पर गड़बड करने की किसी की हिम्मत नहीं होती थी । डिप्टी स्पीकर साहब यह बात ठीक है कि हमारे पड़ौसी प्रदेश पंजाब में गलत बातें हो रही हैं । हरियाणा और

केन्द्र सरकार पर पंजाब की तरफ से नाजायज दबाव दिया जा रहा है । उसका हमें मुकाबला करना चाहिए । देश की अखण्डता को बरकरार रखने वो लिए उग्रवादियों का मुकाबला करना है और हम हर मामले में सरकार का सहयोग देने के लिए तैयार हें लेकिन यह बात साफ है कि इन्हें भी अपना फर्ज पूरा करना चाहिए । डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होंने जो टौप हैवी एडमिनिररेरशन बना रखी है और उस पर नाजायज खर्च करते हैं, उससे हमें बड़ी उदासी होती है । मुख्य मंत्री जी हरियाणा की जनता की गाढ़े खून पसीने की कमाई को फिजूल खर्ची में बरबाद करते हैं । इससे हमें बड़ा दुःख होता है । मैंने और डा ० भीम सिंह दहिया ने एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिया था कि महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी के बाईस चान्सलर ने आपकी नोटिफिकेशन की धज्जियां उडायी हुई हैं । आपने सौदे में आ कर गलत नोटिफिकेशन कर दी । वाईस चान्सलर ने भजन लाल के खिलाफ और उस समय के गवर्नर के खिलाफ जो हाईकोर्ट में बहुत सी रिटें की थीं, वह रिटें वापिस ले लीं ताकि इनको हाइकोर्ट में एम्बैरसमैंट न हो । इन्होंने एक डील किया कि तुम को हम ले आते हैं । आप देखें कि एक आदमी जो 19 महीने की तन्खाह ले चुका है, उसी को फिर ले लिया जाता है कि तुम बिना तन्खाह के वहां काम करोगे । यह तो वैसी ही बात हुई कि सीटी और पेटी दे दो, नाम दरोगा धर दो । तन्खाह तो मैं अपने आप निकाल लूगा । ये तो थानेदार बनना चाहते है । डिप्टी स्पीकर साहब उन दिनों अखबारों में पढ़ा होगा

कि कितनी लज्जाजनक बातें छपती रही हैं । ..... शर्म के मारे सिर झुक जाता है ।

चौधरी भजन लाल : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर । जो व्यक्ति हाउस में नहीं है, वह अपने आपको डिफैन्ड नहीं कर सकता, जवाव नहीं दे सकता, इसलिए उसके बारे में अल्जाम लगाना अच्छा नहीं है । ये शब्द कार्यवाही में नहीं आने चाहिएं ।

श्री उपाध्यक्ष : एम ० बी ० बी ० एस ० वाली बात रिकार्ड मैं नहीं आयेगी ।

श्री मंगल सैन : डिप्टी स्पीकर साहब, ऐक्शन वाली बात तो कर सकते हैं? दाखिले के खिलाफ वाइस चान्सलर की कोठी के बाहर शोर होता रहा । भजन लाल जी अगर आप में इतनी नजाकत है तो अखबार वालों पर म्उकदमा करवा लेते और उन आदमियों को अन्दर करवा देते । पुलिस आपके हाथ में है । डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होंने भय के मारे उनसे समझौता कर लिया और 19 महीने बिना तन्खाह के काम करने की इजाजत दे दी । हाई कोर्ट ने कहा कि यह बात गलत है, नहीं होनी चाहिए । फिर अपनी गलती की झेंप को उतारने के लिए सुप्रीम कोर्ट जरूर जाना —चाहते हैं । ये लोग हरियाणा के लोगों का पैसा खराब कर रहे हैं । हरियाणा के लोगों की खून पसीने की कमाई को, वर्किंग क्लास की गाढ़े—पसीने की कमाई को बरबाद कर रहे है । जिस महानुभाव के खिलाफ ये सुप्रीम कोर्ट में जायेंगे वह महर्षि दयानन्द

यूनिवर्सिटी के मासूम बच्चों की फीस के पैसे को खर्च करेगा । डिप्टी स्पीकर साहब सन 1984–8 5 में प्राइमरी क्लास के बच्चों की किताबें तक यह सरकार नहीं छपवा सकी । इन्होंने सदन में माना है कि पूरी किताबें नहीं छपी थीं । इससे बड़ा क्रिमिनल एक्ट और क्या हो सकता है? यह अबोध बच्चों का एक्सप्लाइटेशन नहीं है तो और क्या है । यह क्रिमिनल एक्ट है, मुजरमाना हरकत है । क्यों नहीं छाप पाये? आपने क्यों नहीं छपवायी? यह क्या कोई प्रबन्ध है? हरियाणा एजुकेशन बोर्ड के बारे मे डिप्टी स्पीकर साहब आपने अखबारों में भी देखा होगा, आया था कि उनके पर्चे कैसे छपे हैं । जो कल पर्चा आना है, वह आज ही छाप कर बच्चों को दे रहे हैं कि घर से देख आइयो (विध्न व शोर)

12.00 बजे

राजस्व राज्य मंत्री (श्री लछमन दास अजेंड़ा) : भले राम जी तो बैठे नहीं हैं । उनको तो हटा दिया है ।

श्री मंगल सैन : भले राम जी को हटा दिया तो हमें उनके साथ हमदर्दी है । ..... डिप्टी स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि बोर्ड का यह पर्चों का सिलसिला जो चल रहा है, उसके बारे में यह कह देंगे कि चूंकि यह आटोनौमस बोडी है, स्वतन्त्र निकाय है, इसलिये हम ज्यादा कुछ नहीं कर सकते । मैं तो यह कहता हूं कि ऐसे बोर्ड को तोड़ देना चाहिये । ऐसे बोर्ड को रखने का कोई लाभ नहीं है । जो आपने लोगों को,

पोलीटीकल अन–एम्पलायड लोगों को एम्पलायमैंट देने का धन्धा बनाया हुआ है, यह खत्म होना चाहिये । डिप्टी स्पीकर साहब, जो डिस्ग्रन्टल्ड ऐलीमैंट हैं, जिनको यह मती पद नहीं दे सकते, झांसे देकर थक गये हैं, और कोई रास्ता नजर नहीं आता सिवाय कर्ण झील में और ओटू लेक में जाने के, उन को ऐसी जगह नहीं लगाना चाहिये । जो ऐसे आदमी लग जाते हें, उनको पूछने वाला कोई नहीं है । उनकी लगाम खींचने वाला कोई नहीं है । It is a pious and primary duty of the Members of this House to point out the lapses and lacunae of the treasury benches, Sir. Otherwise, what is the use of coming over here ? (Interruptions) तो डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एजुकेशन बोर्ड के बारे में अर्ज कर रहा था । (व्यवधान व शोर) डिप्टी स्पीकर साहब, उस समय सागर राम जी पढ़ रहे थे और यह कहते थे–मैं कहना चाहता है कि मूरथल में इंजीनियरिंग कालेज खोला जायेगा । मैं कहना चाहता है कि आदमपुर की मंडी में एक और फार्मेसी स्कूल की दुकान खोल दी है । करनाल में जी० टी० रोड पर एक पहले ही खुली हुई है । हमारे चन्दा सिह जी बैठे नहीं हैं । मुख्य मती जी को याद होगा । इनके एक ही परिवार के लोगों ने वह दुकान खोल रखी है । दामाद, बेटे, सारे एक ही परिवार के उसके मैम्बर हैं । डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे यहां पर कुछ कहने का कोई शौक नहीं है लेकिन हम यह चाहते हें कि अपने पदों का सदुपयोग होना चाहिये, दुरुपयोग नहीं होना चाहिये । अगर मैंने कोई गलत बात कही हो, तो मैं चुनौती देता हू । डिप्टी स्पीकर साहब, आप

खुद करनाल के रहने वाले हैं । वह जो कुंजपुरा को रास्ता जाता है, वहां पर जो चौराहा है, उस चौराहे के सामने जो पी ० डब्ल्यू ० डी० का स्टोर है, वहां पर यह स्कूल खुला हुआ है ।

श्री भले राम : डिप्टी स्पीकर साहब, डाक्टर साहब ने मेरी बाबत कुछ कहा .....

श्री उपाध्यक्ष : यह रिकार्ड पर नहीं आयेगा । (व्यवधान व शोर)

शिक्षा राज्य मन्त्री (श्री जगदीश नेहरा) : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । डिप्टी स्पीकर साहब, डा० मंगल सैन जी ने भले राम जी के बारे में जो कुछ कहा है, मेरा आपसे अनुरोध है कि आप उसे रिकार्ड से निकलवाये' (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए ।) स्पीकर साहब, आपके आने से पहले डाक्टर मंगल सैन जी बोल रहे थे । उन्होंने बोलते वक्त भले राम जी के बारे में यह कहा ..... । उसके बाद श्री भले राम जी पर्सनल एक्सप्लेनेशन के लिए जब खड़े हुए तो कुछ शब्द यह कह गये जो डिप्टी स्पीकर साहब ने रिकार्ड से निकलवा दिए । मेरा आपसे अनुरोध है कि दोनों शब्द कार्यवाही में से निकाल दिये जायें । मैं आपसे अनुरोध करूगा कि डाक्टर मंगल सैन जी से यह प्रार्थना की जाए कि वह बोलते हुए ऐसे इलफाज न बोलें और किसी की फीलिंग्ज को इन्जर ना करें । मेरी यह प्रार्थना है ।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, वह भी रिकार्ड न किया जाएं ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, जब है अपनी बात कह रहा था तो मैंने उनके बाबत कुछ नहीं कहा । रिकार्ड दिखा लीजिए । मैंने यह कहा कि एजुकेशन बोर्ड ने पर्चे ऐसे छापे हैं कि जो कल पर्चा आने वाला है, वह आज बांट दिया । (व्यवधान व शोर) स्पीकर साहब, मैं अपनी मर्यादा को समझता हूं । मैं पुराना मैंम्बर हूं । (व्यवधान व शोर) ।

श्री भले राम : .....

श्री अध्यक्ष : यह रिकार्ड पर नहीं आयेगा । जब डाक्टर साहब ने कह दिया है कि उन्होंने आपकी शान के खिलाफ कुछ नहीं कहा तो बात खत्म हो गई है ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, अच्छा हुआ आप आ गये । आपने सदन को संभाल लिया । (व्यवधान व शोर) मैंने तो भले राम जी की शान के खिलाफ कोई बात नहीं कही थी । मेरे आदरणीय मिल तो वैसे ही खफा हो रहे हैं ।

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, आप ही देख लीजिये, इन्होंने कितनी बार यह कहा हे कि इनका कहना ऐसे है. कि जैसे डिप्टी स्पीकर साहब, इस हाउस को चला ही नहीं सकते । यह कोई अच्छी बात नहीं है, यह बात रिकार्ड में नही आनी चाहिए ।

श्री अध्यक्ष : ऐसी कोई बात नहीं है ।

Shri Mangal Sein : I never mean that Sir, मैं आपकी सेवा में बड़ी नम्रता से निवेदन करना चाहता हू कि यह जो शिक्षा बोर्ड है, यह अपने फर्ज को निभाने में नाकामयाब रहा है । एजुकेशन डिपार्टमैंट के तो कहने ही क्या हैं । स्पीकर साहब, इस सदन में हम बार–वार यह बात लाये हैं कि चूनावो के दिनों में रोहतक जिले के शिक्षा अधिकारी पर्चे बांटते रहे । मैं अगर नाम ते दू गा तो आप कह देंगे कि वह यहां पर आकर बोल नही सकता । अगर आप चाहे तो उसको ले आये । अगर कोई कानून कहता तो तो हमें कोई पता नहीं है, बेशक उसको यहां पर ले आयें । स्पीकर साहब, चुनाव में मैंने अपनी आंखों से देखा है कि बहे हरद्वारी लाल के पर्चे बांटता रहा है । अगर हम यह बात भी न कहें तो आप ही बतओ, हम क्या कहें । आखिर, हमें ऐसी बातें तो हाउस के नोटिस में लानी पडेगी।How will he defend himself ?

Shri Mangal Sein : His representative is here, Sir.

Mr. Speaker : Dr Sahib, please wind up.

श्री अध्यक्ष : डाक्टर साहब, प्रोसीजर भी कोई चीज है । कौन सा रूल कहता हे कि अगर कोई मैम्बर यहां पर किसी अधिकारी के बारे में कोई बात कह दें तो वह अधिकारी यहां पर आकर अपनी बात कह सकता है ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, मैं वाईन्ड अप ही कर रहा हूं । लोकतन्त्र की यह सरकार कितनी मिट्टी प्लीत कर रही है

। पानीपत की मार्किटींग कमेटी का चुनाव होना था । उस एक्ट में यह है कि कोई फार्मर ही उसका चेयरमैन बन सकता है । यह तो आप मंत्री जी से ही पूछ लें कि किसी के कहने पर इन्होंने एक नान–फार्मर को उसका चेयरमैन बनवा दिया है या नहीं । अब यह कहेंगे कि कोर्ट आफ ला में चले जाओ । स्पीकर सर, आप तो वकील हैं और हमारे पार्लियामैंट्री अफेयर्ज के मिनिस्टर भी वकील हैं, चाहे वे डिस्ट्रिक्ट लैवल के या तहसील लैवल के ही वकील हैं, उनकी फीस के रेट्स कुछ कम रहे होंगे, उनका काम कुछ कम पैसों में ही चल जाता होगा लेकिन हाईकोर्ट में फीस भी दों–तीन–चार–पांच हजार देनी पड़ती है और मुशियाना अलग फिर किताबों को रखने और उठाने की किल्लत अलग । स्पीकर साहब, आप तो खानदानी वकील हैं । आप तो सब कुछ जानते हैं । मैं यह कहना चाहता हूं कि कि जो यह गलत बातें करते हैं, उसके लिये एक आम आदमी को इतना तरदद करना पड़ेगा । आप ऐसी गलत बात होने ही क्यों देते हो? स्पीकर साहब, अब मैं कुछ रैवेन्यू के बारे में अर्ज करना चाहता हूं । इसमें एक डिमांड रैवेन्यू की भी है । (व्यवधान व शोर) 4 नम्बर डिमांड रैवेन्यू के बारे में है । प्रिजम्पशन एक्ट पंजाब में नहीं है । पंजाव असैम्बली में जब हरियाणा और पंजाब इकट्ठे थे, सब यह महस्स किया करते थे कि जमींदार को जमीन लेने और बेचने में काफी परेशानी होती है जव कोई उसके लिये हक–शुफा कर देता है । मैं यह चाहता हूं कि अरोडा साहब यहां पर बैठे हुए हैं वह इस सदन में खड़े होकर

कहें कि हम इसको खत्म कर देंगे ताकि लोगों को कोई दिक्कत न हो ।

वित्त मन्त्री (श्री सागर राम गुप्ता) : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर! डाक्टर साहब, बातें तो बहुत करते हैं और बहुत नोंक–झोंक भी करते रहते हैं लेकिन मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि रैवेन्यू की तो आज की डिमांन्ड्ज में कोई डिमान्ड ही नहीं है । वह तो कल पास हो चुकी है । स्पीकर साहव, जरा इनको यह बताइये कि वह तो पास हो चुकी है । उस पर आज यह क्यों बोल रहे हैं । (व्यवधान व शोर)

श्री अध्यक्ष : डाक्टर साहब, आप बोलिये ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, सागर राम गुप्ता मुझे कम्पलीमैंट्स दे रहे थे कि मैं नोंक–झोंक भी करता रहता हूं । धांधली की बात भी करता हूं । सागर राम जी,. मैंने आपके बारें में भिवानी की कोई बात नहीं कही है । मैं तो सीधी सी बात कर रहा हूं । मैं तो एक ही बात कहना चाहता हू । स्पीकर साहब, मैं प्रार्थना करना चाहता हूं कि हमारे शहर के साथ तो मुख्य मंत्री जी की नजरें–इनायत हैं । गवर्नमैंट वहां के लोगों को पानी की एक–एक बूंद का मोहताज बना रही है । वहां पर गवर्नमैंट ने पानी की बहुत तंगी कर दी है । स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा इनको कहना चाहता हूं कि आपने किसी तरीके से जनता की वोट हरद्वारी लाल को दिलवा दी इसलिए कम से कम आप जनता का

तो ख्याल रखें । हमें तो आप चाहे प्यासा मारो क्योंकि हम आपके मुकाबले में हैं लेकिन उस जनता का तो ख्याल रखो । (घंटी)

श्री अध्यक्ष : डा० साहब, आपको बोलते हुए बीस मिनट हो गए हैं । अब आप खत्म करें ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, मैं सिर्फ एक दो बातों जो बड़ी महत्वपूर्ण हैं, के बारे में कहना चाहता हूं । स्पीकर साहब, इन्होंने नैशनल कैपीटल प्रोजैक्ट का प्रस्ताव पास करके हरियाणा के अधिकार को छिनवा दिया है । स्पीकर साहब, उस प्रोजैक्ट के नीचे जो इलाके आयेगे जैसे सोनीपत, रोहतक, गुड़गांव और फरीदाबाद, उनके सारे काम गवर्नमैंट आफ इंडिया करेगी । इनकी तो राजीव गांधी के सामने बोलने की हिम्मत भी नहीं होगी और अगर बोलेंगे तो इनके नम्बर कट जाएंगे । स्पीकर साहब, हरियाणा की ज्योग्राफीकल सिचुऐशन इतनी शानदार है और अगर उसको अपने बेनिफिट के लिए यूज करने लगें तो करोड़ों रुपए की आमदनी हो सकती है । वहां पर छोटे–छाटे कस्बों को डिवैलप किया जा सकता हैं (घंटी) ।

श्री अध्यक्ष : डा ० साहब, अब आप बैठ जाएं । आपने बहुत टाईम ले लिया है ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, है अर्ज कर रहा था कि प्रस्ताव को पास करवा कर अपने हकों को छिनवा लिया है (घंटी) । स्पीकर साहब, एक बात कहकर मैं बैठ जाऊंगा ।

श्री अध्यक्ष : डा० साहब, आपको बोलते हुए बहुत टाईम हो गया हे ।

श्री मगल सैन : स्पीकर साहब, एक दो बातें मैं रोहतक के बारे में कहना चाहता हूं । स्पीकर साहब, हमारे यहां पर न तो कोई हुड्डा की स्कीम है और न ही हाउसिंग बोर्ड की स्कीम है । वहां पर हजारों एकड़ कमीन पड़ी हुई है ।

श्री अध्यक्ष : अब आप बैठिए । थैक यू ।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

(1) परिवहन राज्य मंत्री द्वारा

परिवहन राज्य मंत्री (चौधरी चंदा सिंह) : स्पीकर साहब, मैं पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन देना चाहता हूं । स्पीकर साहब, डा० साहब ने मेरे और मेरे रिश्तेदारों का नाम लेकर कहा है कि वे तरावडी करनाल में फार्मेसी के कालेज चला रहे हैं । सीकर साहब, मैं सदन के नोटिस में लाना चाहता हूं कि प्राईवेट लोगों की संस्थायें हैं, स्वयंसेवी संस्थाएं हैं जो एजुकेशन के और टैक्नीकल एजुकेशन के बहुत बड़े भाग को चलाती है । स्वामी श्रद्धानन्द जी ने भी शिक्षण संस्थाओं को शुरू किया था और उनके द्वारा खड़ी की हुई संस्थाएं आज भी बहुत ही शानदार तरीके से चल रही हे । स्पीकर साहब, आज भी प्राईवेट शिक्षण संस्थाएं और दूसरी समाज सेवी संस्थाएं चाहे वे धार्मिक संस्थाएं हैं, सारे ही देश में शिक्षा के उत्थान के लिए काम कर रही हैं

और सरकार के बहुत भारी बोझ को हल्का कर रही हैं । स्पीकर साहब, डा ० मंगल सैन ने नाम लेकर लांछन लगाया । मैं इसके बारे में कहना चाहता हू कि वहां पर कानून के मुताबिक दाखिले किए गए हैं और बाकायदा इम्तहान हुए हैं । जरा भी कोई गड़बड वाली बात नहीं है और कोई बात किसी से छिपी हुई नहीं है । स्पीकर साहब, पता नहीं डा० मंगल सैन को क्या हो गया है? ये बहुत पुराने मैंबर रहे हैं और पहले जब भी हम इनको सुनते थे तो ये अच्छा बोलते थे । अब बीमार होने के बाद इनके दिमाग को पता नहीं क्या हो गया हउ कि इनको पता हो नहीं होता कि मैं क्या कह रहा हूं । ये बहुत ही पुराने मैंबर है और इनको बहुत जानकारी है । मैं तो इनके मुकाबले में बहुत कम उभर का हूं और इनके मुकाबले में मुझे बहुत– कम अनुभव है लेकिन जब ये बहुत नीचे स्तर की बात करने लग जाते हैं तो अच्छा नही लगता । स्पीकर साहब, मैं तो इतना ही कह सकता हूं कि परमात्मा इनको सद्बुद्धि दे' । स्पीकर साहब, जिस क्षेत्र में ये हैं। वहां पर ही सूखा पड़ता है, वहीं पर गन्दा पानी मिलता है कम पानी मिलता है और बारिश नहीं होंती । ..... स्पीकर साहब, जहां भी विरोधी दल के लोग हैं वही पर अकाल पड़ते हैं, वहीं पर अन्याय होता है और वहीं पर अज्ञान हे । इस बात को हरियाणा के लोग बिल्कुल समझ गये है ।

श्री अध्यक्ष : आफत वाली बात रिकार्ड न की जाए ।

(2) श्री मगले सैन द्वारा

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब मैंने पर्सनली चौधरी चंदा सिंह की जात के खिलाफ कुछ नहीं कहा । जेंने यह जरूर कहा था कि इनके रिश्तेदार, इनके दामाद और इनके बेटे गांधी फार्मेसी स्कूल, जी ० टी० रोड़, करनाल में चला रहे हैं । स्पीकर साहब, न चला रहे हों तो ये बता दें । मैंने यह बिल्कुल नहीं कहा कि चन्दा लेते हैं या पैसा खाते हैं । .....

श्री अध्यक्ष : वह बात मैंने पहले ही कटवा दी हैं ।

वर्ष 1985 – 86 के बजट की डिमांड्ज कार ग्राँट्स पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

राव इन्द्र जीत सिंह (जाटूसाना) : स्पीकर साहब, मैं डिमान्ड नम्बर 10 के बारे में बोलना चाहता हूं नो कि मैडीकल एण्ड पब्लिक हैल्थ के बारे में है । इस डिमान्ड के अन्डर 97,02,9 7,000.00 रुपए के करीब मांगा गया है । इसमें से 30 करोड 91 लाख 4 हजार के करीब रुपया केवल मैडीकल के लिए है और इस मैडीकल में खास तौर पर जो एलोपैथी का डिपार्टमैंट है, मेनली मैं उसके ऊपर चर्चा करना चाहता हूं । स्पीकर साहब, चर्चा करने से पहले मैं एक चीज सदन के सामने लाना चाहता हूं जिससे कि बाद में कोई यह न समझे कि मेरा भाषण आउट आफ कान्टैस्ट है । स्पीकर साहब, सरकार में चाहें कोई मिनिस्टर कोई डिसिजन ले, डिप्टी मिनिस्टर कोई डिसिजन ले या कोई मिनिस्टर आफ स्टेट डिसीजन ले या चीफ मिनिस्टर कोई डिसीजन ले या कोई

एक्शन ले तो ऐसे मामले में सरकार की कलैक्टिव रिस्पौसिबिलिटी होती है । यह चीज चाहे रशिया में हो, अमेरिका में हो या हिन्दुस्तान में हो और चाहे हरियाणा में हो । सारी सरकार का फर्क बन जाता है कि एक मिनिस्टर के लिये हुए डिसीजन को सरकार औनर करे चाहे लोकदल की सरकार ने कोई फैसला लिया है, उसके बाद आने वाली सरकार का फर्ज हो जाता हे कि पहली सरकार द्वारा लिये हुए डिसोजन को ओनर कर । It is bound to respect and fulfill the commitments of he Predecessor Government स्पीकर साहब, इस बात को कहने के बाद मैं एक बात आपके नोटिस में लाना चाहता हूं । हमारे हैल्थ के महकमे में पिछले पांच साल में किसी न किसी वजह से बहुत चेंजिज आई हैं और मुश्किल यह है कि एक मन्त्री आने के बाद वह अपने से. पहले मन्त्री द्वारा लिया गया डिसीजन बदल देता है । स्पीकर साहब, मेरे हल्के में घनौदा एक गांव है । वहां पर पांच हजार राय हैं और बीस हजार को वहां की आबादी है । जब श्री गजराज बहादुर नागर हैल्थ मिनिस्टर थे उस टाईम पर मैं उनको वहां ले गया । वे मेरे साथ चले गये और उनके साथ डायरेक्टर आफ हैल्थ भी गये । वहां पर उनसे यह निवेदन किया गया कि गांव वारों ने अपने खून पसीने की कमाई'' से यह दस लाख की बिल्डिंग अस्पताल के लिए बनाई है इसलिए यहां पर अस्पताल बना दिवा जाए । उस वक्त यह औबजैक्शन किया गया कि इस बिल्डिंग के अन्दर डाक्टर के रहने के लिए कमरे नहीं हैं इसलिए इसको अस्पताल नहीं बनाया जा सकता । गांव वालों ने यह कहा कि वह

भी हम बना देगे और गांव वालों ने डाक्टर के रहने के लिए कमरे भी पूरे बना दिये लेकिन बदकिस्मती यह हुई कि नागर साहब अगली बार मिनिस्टर न बन सके और न ही इस सदन के सदस्य बन पाये । सारी बात बदल गई । स्पीकर साहब, नागर साहब मिनिस्टर तो नहीं रहे तेकिन उस वक्त जो डायरेक्टर आफ हैल्थ थे वह तो आज भी मौजूद हैं और उनके सामने यह कमिटक्ट की गई थी । अगली बार जो मन्त्री बना, वह बहन जी बैठी हुई हैं । उनके पास स्पीकर साहब, मैने निवेदन किया कि हमारे हल्के में एक हस्पताल की बिल्डिग है जो लोगों ने अपनी बड़ी मेहनत से बनाई है यह सोचकर कि हमारे गांव के बच्चे जिनको पोलियो हो जाता है, हमारी बहने जो गर्भवती होकर बिना इलाज के मर जाती छैं, जो छोटे–छोटे हर्म'रे बच्चे अन्धे हो जाते हैं, उनके इलाज के लिए उनको रीलीफ मिलेगा और जब इसकी जांच करने के लिए डायरैक्टर आफ हैल्थ को यहां पर भेजा गया तो वहां पर उनको किसी से बताया कि श्रीमान जी, यह तो अटेली के अन्दर एक छोटा सा गांव है घनौदा, जिसकी केवल 500 वोट्स हैं । उस आदमी को शायद यह नहीं पता था कि शायद यह महेन्द्रगढ़ तहसील का सबसे बड़ा गाँव है, जिसकी आबादी 5000 के लगभग है, वहां कोई रहता भी है कि नहीं । इसी तरह से डायरैक्टर आफ हैल्थ ने यहां आ कर रिपोर्ट दे दी, उस वक्त श्री गजराज बहादुर नागर, स्वास्थ्य मन्त्री थे और मैं यह यहां हाउस में बताना चाहता हूं कि इस तरह की डायरैक्टर आफ 'हैल्थ की परफारमैन्स है । स्पीकर साहब, मेरा गिला आज सरकार से नहीं है । मेरा गिला

आज चीफ मिनिस्टर से या किसी मन्त्री से नही है क्योंकि मुख्यमन्त्री भी आखिर एक आदमी है । सारा कुछ एक आदमी नहीं संभाल सकता । जितना कुछ फिर भी उन्होंने संभाला हुआ है मैं कह सकता हूं शायद ही कोई और संभाल सके । वे हमारी काँग्रेस पार्टी के नेता हैं, मैं उन्हें नेता मानता हूं । मेरा गिला तो केवल– उनसे है जो इस सरकार के नीचे रहते हुए हमारे हल्कों के लोगों के साथ विश्वासघात. करते हे । मेरा गिला उनसे हुऐ जिनकी जुबान यहां पर नहीं खुल सकती । हजारों लोग, लाखों तोड़ इस इलाके में बेजुबान रहते हैं जिनके ऊपर इत बात का असर पड़ता है । वे एक्सपैक्ट करते हैं कि सरकार जो बाहर बोलती है, डिसीजन लेती है उनका कोई अग्र हो और वे डिसीजन इम्पलीमैंट हों । स्पीकर साहब, गजराज बहादुर के बाद श्रीमती परती देवी जी हैल्थ मिनिस्टर बनीं और दुर्भाग्यवश उनका भी ट्रांसफर हो गया । स्पीकर साहब, जाटूसाना के अंदर एक बार जलपा हुआ था, वहां राव वीरेन्द्र सिंह जी भी मौजूद थे, श्रीमतीं प्रसन्नी देवी जी भी वहां पर गई थीं । इसके अलावा सैकडों हुजारों आपमी भी वहां उस जलसे में मौजूद थे । उस समय भरी सभा में यह ऐलान किया गया था कि जाटूसाना में एक सब–सिडरी है–एथ सैन्टर खोला जाएगा, साथ में उन्होंने यह भी कहा था कि कनीना के अन्दर भी 25 बैड्ज का हडताल खोला जाएगा और फरावडा में भी जहां प्राईमरी हेल्थ सैन्टर है, वहां भी 25 बैड्ज का एक हस्पताल खोला जाएगा लेकिन बड़े दु:ख के साथ कहना पड़ रहा है कि आज इस बात को आठ महीने बीत गए

हैं एक भी हस्पताल अगर वहां पर बना हो तो आप मेरा नाम बदल देना । हस्पताल खोले अवश्य गए हैं, हम यह नही कहते कि खोले नही गए लेकिन उन जगहों कर खोले गए हैं, जिनका हमें इल्म तक नहीं और जहाँ सरकार ने शायद कमिटमैन्ट भी नहीं किया होगा, उन जगहों पर हस्पताल खोल दिए गए । ऐसे आदमियों के बारे में सरकार की नीति क्या है, मैं यह जानना चाहता हूं । I want and must know as I will not be stopped by anyone in asking as to what action is going to be taken against such people who have committed fraud against our people and against the Government. क्या ये एक एम० एल० ए० की सिर्फ इतनी औकात समझते हैं? क्या एम० एल० ए ० एक कठपुतली है कि जिसकी टवाईन को खैंचा, उसी तरह से वह नाचेगा? क्या यह सरकार मोम का पुतला है कि भाप देकर गर्म करो और जिस तरह चाहो उसे उसी ढंग से मोड़ दो? You know, Sir, that the people have the right to exist in the present circumstances. When the Prime Minister is likely to bring a great change in the society of India and when such things are happening, it is my duty .to bring it to the notice of the Government. इसलिए स्पीकर साहब, मैं यह चाहूगा कि इसके बारे में कोई न कोई उपाय सरकार करे । स्पीकर साहब, डायरैक्शन एण्ड एडमिनिस्टेरशन हैड में आप देखें । उसमें 10 लाख 77 हजार रुपए की राशि इनकी सैलरीज दिखाई गई है । 6 लाख डियरनैस अलाऊंसिज दिए गए हैं, 2 लाख 25 हजार रुपए के लगभग आफिस ऐक्सपैंसिज और इसी तरह से 1 लाख 90 हजार बिल्डिग रैन्ट्स के तौर पर दिखाए गए

हैं, जहां पर ऐयर कंडीशन्ड कमरों में बैठे ये अपनी मन–मर्जी करते हैं । अपने ढंग से काम करते हैं और जब एक मन्त्री बनता है तो जरूरत पड़ने पर उसकी गोद में मुंह देते हैं और जो मन्त्री महकमे से चला गया, उसकी बैक–बाईटिंग करते हैं । इस तरह के आदमी do they have the right to stay as Heads of the Departments, Sir ? क्या ऐसे आदमियों को हम सिंहासन पर बैठा देंगे, जिनके हाथो के अन्दर हमारे किसानों की, गरीबों की मौत का साधन हो? अब तक कितने ही लाखों गरीब आदमी उनके हाथों मर गए होंगे । ये सब कुछ इनकी बेपरवाही का ही नतीजा है । It shows their negligence and they must, be removed. With these words I wish and it is imperative that the Government makes a policy statement as regards those people, सरकार तो कामों को करना चाहती है लेकिन सरकार के करने के बाद जो लोग इम्पलीमैन्ट नहीं करते those who are responsible for not implementing the policy of the Government, should be dealt with severely. This is my request to the Government with the voice of all those people behind me who nave elected me as a Member of the House and reposed faith in me and as long as they recognise me their representative, I will not betray their faith. इसके बाद अब मैं स्पीकर महोदय, होम के बारे में भी क्उछ कहना चाहता हूं । आज ला एण्ड आर्डर की स्थिति जो पंजावके हालातों की वजह से हमारे प्रदेश में हो गई है और जिस तरह से हमारा होम डिपार्टमैन्ट आज चल रहा है शायद आगे इस तरह से नहीं चल सकेगा । आज हमारे हिन्दोस्तान के अन्दर सबसे कम

पुलिस फोर्स हैं और सारे प्रदेशों के मुकाबले में हमारे प्रदेश में सबसे कम पुलिस फोर्स इस्तेमाल हुई है It was the least police estate and it was very peaceful, Sir, until a couple of years back. आज के दिन पुलिस वालों के बारे में यह अगम चर्चा है कि they are lathi wielding sadhus. This kind of police force is alright if you have mobs, Sir. यदि आप चाहते हैं कि यह जो आजकल जगह– जगह आतंकवादी पैदा हो गए हें इनको समाप्त किया जाए तो you will have to do something for it. It is a World wide phenomenon. I do not say that it is so only in Haryana or Punjab or in India but it is a World wide phenomenon. यह तो हम अमेरिका में देख लें, जर्मनी में देख लें और चाहे अर्जनटीना में देख लें । This World-wide phenomenon must be combated by using some reins, Sir, इसलिए हम चाहेंगे कि आगे जो भर्ती पुलिस में हो वह अलग किस्म की हो । जो पुलिस कोर्स हमारी पहले है और डियूटी करती आ रही हे, उसको तो आप टैरफिक डाईवर्ट करने के लिए या लोगों के धरना–वरना देने पर, उनको काबू करने के लिए रखिए लेकिन जो एक–एक दो–दो होकर के आते हैं और बड़े– बडे अफसरों और पोलीटीशन्ज को मारते चले जाते हैं उनके खिलाफ लोहा लेने के लिए ऐसी फोर्स पैदा करनी पड़ेगी that can think as good as the extremists. इस लिए मेरा सरकार से बार–बार यह सुझाव है कि आगे से जो पुलिस में भर्ती की जाए, वह सिफारिशों के आधार पर, या छाती चौड़ी या कद लम्बा देखकर न की जाए बल्कि इसके लिए एक साइको एनैलेसिज होना चाहिए is the person to be

selected, capable of dealing with the extremists ? A detailed analysis of that man should be made and only after he clears himself in tne psycho-analysis, he should be admitted to the police service.

यह मेरे कुछ सुझाव है और मैं इस सरकार से यह उम्मीद करूंगा कि वह मेरे इन सुझावों पर गौर करेगी गौर इन पर अमल करेगी । इन शब्दों के साथ स्पीकर सर, मैं आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं । जयहिन्द ।

श्री किताब सिंह (गोहाना) : स्पीकर साहब, मैं डिमांडज नम्बर 9, 10, 16 व 20 पर अश्वने विचार रखने के लिए खड़ा हुआ हूं । सबसे पहले मैं यह बताना चाहता हूं कि हमारे साथी यहां पर सरकार की नीतियों का विरोध करते हैं और सब का विरोध करने का अलग–अलग ढंग होता है । सरकार की तरफ से जो मैम्बर्ज विरोध करते हें, वे कहते हैं कि हमारे हल्के में यह यह काम नहीं हुए, इसलिए इन कामों को शीघ्र ही करवाया जाए और हमारी तरफ से जब सदस्यगण बोलते हैं तो इस बात का रोष प्रकट करते हें कि हमारे साथ राजनीतिक भेदभाव की नीति बरती जा रही है, इसलिए हमारे हल्को में काम नहीं करवाया जा रहा है । केवल यही एक अन्तर है । तो स्पीकर साहब, अब भै डिमांड नम्बर 10 पर अपने विचार रखूगा कि सरकार की तरफ से आर्युवैदिक दवाईयाँ खरीदी गई हैं जैसे कि कपूर रस । उसका स्टैण्डर्ड तोल 125 ग्राम चाहिए था लेकिन जब उसको टैस्ट करवाया गया तो उसका वेट एक का 61 ग्राम निकला और एक

का 51 ग्राम निकला, फिर भी उसी फर्म से इन्होंने दवाईयों का किट खरीद लिया हालाँकि इन सभी बातों की पहले जांच करके लैबोरेटरी से टैस्ट करवा के दवाईयां खरीदनी चाहिए थीं लेकिन ऐसा नहीं किया गया । मेरे कहने का मतलब यह है कि ऐसा करना मानव जीवन के साथ खिलवाड़ करना हए । मानव जीवन बहुत ही कीमती है । इसलिए सरकार द्वारा जब दवाईयां खरीदी जाएं तो स्टैर्ण्डड की कम्पनियों जैसे कि वैदनाथ और डाबर वगैरह कंपनियों से खरीदी जाएं । जो सब– स्टैण्डर्ड की इस तरह की कम्पनियां हैं, उनसे यह दवाईयां न खरीदी जाएं । यह जो किटस खरीदे जाते हैं इनमें बहुत बड़ी हेराफेरी है । मैं आपके द्वारा मन्त्री महोदय से यह मांग करूंगा कि जो किट्स खरीदे गए हैं, उन दवाईयों को झण्डु और डाबर की लैबोट्रीज में भिजवा करके टैस्ट करवा लें तो सरकार को सब हेराफेरियों का पता चल जाएगा कि किस तरह का सब–स्टैण्डर्ड माल खरीदा गया है । वे दवाईयां जिन लोगों को खाने के लिए देते हैं, उनको आराम नहीं आता । स्पीकर साहब यह सारी रिकार्ड की बात है ।

उद्योग मन्त्री (श्रीमती शकुन्तला भगवाडिया) : स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर हैं । किताब सिंह जी ने यह कहा कि लैबोरेटरी में टैस्ट करवा कर ली जाएं । मैं इनको बताना चाहती हूं कि उसमें अफीम की माला भी होती है । उसको टैस्ट करवा कर ही लिया जाता है । मैं इस बारे में पहले भी दो तीन बार जवाब दे चुकी हू

श्री किताब सिंह : स्पीकर साहब, इसका लॉट नं जी०एच०ए ०/720/82 है और मैं इसका टैंडर नम्बर भी बता सकता हूं । टेबलट 125 ग्राम की मांगी गई है लेकिन टैस्ट में वह 81 ग्राम और 51 ग्राम पाई गई है । बहिन जी बता दें जब वह दवाई पूरी नहीं थी तो कैसे खरीद ली?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पीछे इसी विषय पर एक क्वैश्चन भी रखा हुआ था । हमने उसका डिटेल में जवाब दे दिया था । दवाईयों की किट्स होती हैं और एक किट में 24 किस्म की दवाईयां होती हैं । गोहाना की जिस फर्म का यह नाम लेना चाहते हैं शायद वे इनके दोस्त होंगे । उसके 24 में से 16 सैम्पल फेल हो गए । अगर किसी के 18 सैम्पल फेल 'हो जाएं तो उस दवाई को कौन लेगा?

श्री किताब सिंह : वह मेरा दौस्त नही है और न ही मुझे कोई उससे मतलब है । मेरा मतलब तो यह है कि दवाई ठीक तरह से खरीदी जाए । अगर हम सरकार से यह चाहते हैं कि दवाईयां सब–स्टैडर्ड न खरीदी जाएं तो उसमें इनको क्या आपत्ति है? (विध्न)

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, उन्होंने बाद में जवाब भी देना है उस समय अपनी बात कह लें । किताब सिंह जी पहली बार बजट पर बोल रहे हैं, ये इनको इन्टरफियर क्यों कर रहे हैं?

चौधरी सुरेन्द्र सिंह : स्पीकर' साहब, आपने भी देखा होगा कि जब वे बोलते हैं तो बीच में मिनिस्टर साहेबान प्वांयट आफ आर्डर का नाम लेकर जवाब देना शुरू कर देते हैं । उन्होंने जो बात कहनी है अपने जवाब में बता दें इस तरह से हमारी समझ में नहीं आता कि मैम्बर क्या बोल रहे हैं ।

श्री किताब सिंह : स्पीकर साहब, मेरे हल्के में वाटर वर्कस को भी बिल्कुल अनदेखा किया जा रहा है । मेरे हल्के में 1– 7–79 से 30–10– 82 तक सिर्फ 26 लाख 72 हजार रुपया वाटर वर्कस के ऊपर खर्च हुआ है जबकि आदमपुर में 187 लाख 81 हजार रुपया खर्च हुआ है । क्या यह राजनैतिक भेदभाव नहीं हे?

वन तथा जेल मन्त्री (श्री गोवर्धन दास चौहान) : स्पीकर साहब, ' मेरा प्वांयट आफ आर्डर है । स्पीकर साहब, पैसा स्कीम को देखकर खर्च होता है । जिस स्कीम के लिए ज्यादा पैसा खर्च कर्ने की जरूरत होती है उस पर ज्यादा होता है और जिस पर कम की जरूरत होती हैं उस पर कम होता हे ।

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब मैम्बर को बोलने नहीं दे रहे है । ये बार–बार बीच में बोल रहे हैं ।

श्री अध्यक्ष : आपने ही गलत प्रथा डाल दी है । जब मिनिस्टर बोलते हें तो इधर से एक एक करके सब सदस्य बोलते है ।

श्री किताब सिंह : स्पीकर साहब, जो पीने का सुरक्षित पानी है वह हिसार में 53.91 लिटर प्रति व्यक्ति है, सिरसा में 57. 91 लिटर है और सोनीपत में 14.20 लिटर है । स्पीकर साहब, अगर हम कोई बात कह देते है तो मुख्य मन्त्री जी कह लीटर हैं स्पीकर में कुछ मर्यादा कायम रखी जानी चाहिए । मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि सदन की कुछ मर्यादाएं होती हें लेकिन बात कुछ हो और उसका जवाब इस ढंग से दे दिया जाए जिसका कुछ आधार ही न हो तो यह कहां तक उचित है । हम लोगों को भी लोगों ने चुन कर भेजा है और जिन्होंने हमें चुन कर भेजा है वे भी सरकार को सभी प्रकार के प्रे टैक्स देते हैं । इसलिये उन लोगों के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए बल्कि समान बर्ताव करना चाहिए । इसके बाद मैं डिमांड नं ० 9 जो एजुकेशन के बारे में है, उस पर कुछ कहना चाहता हू । स्पीकर साहब, 1 अरब 43 करोड़ और 79 लाख रुपया शिक्षा पर खर्च करने के लिए मांगा है । ठीक बात है एजूकेशन पर खर्चा होना चाहिए । ये बार–बार कहते हें कि हमारा प्रदेश उन्नति कर रहा है । स्पीकर साफ, देहाती क्षेत्र से शिक्षा बिल्कुल खत्म होती जा रही है । मेरा एक सुझाव है । हमारे टीचर्ज जो ज्यादातर शहरों में 'हैं और बहुत समय से वहां बैठे हुए है, वे हाउस रैन्ट लेते हैं । में चाहता हू कि इस हाउस रैन्ट को देहाती भत्ते में तबदील कर दिया जाए । दूसरा यह सुझाव है कि जो टीचर्ज देहातों में पढ़ाते हैं उन्होंने आज तक एक पैसा भी मैडिकल ऐड का नहीं लिया, मैं चाहता हूं कि मैडिकल ऐड का फिक्सड रेट कर दिया जाए ।

स्पीकर साहब, जीन्द में छोटू राम किसान कालेज है । वहां पर 1982 से एडमिनिस्टेरटर बैठा रखा है । आज पांच महीने हो गये हैं, वहां के स्टाफ को तनख्वाह नहीं मिली है । सरकार इसका इन्तजाम करे । दें सके बाद है डिमांड नं ० 16 उद्योग के बारे में कहना चाहता हूं । एक तरफ तो सरकार यह कहती है कि हम गरीबों को ऊंचा उठा रहे हैं, गरीब लोगों को संरक्षण दे रहे है लेकिन तथ्य आपके सामने है, इस बारे में आज प्रश्न भी आया था, इन्होंने चार सालों में 58 उद्योगपतियों को 529 करोड़ रुपया सबा–खडी के तौर पर दिया । स्पीकर साहब, हो सकता है एक ही आदमी की तीन चार फर्में हों तो इस हिसाब से चार सालों में उसके हिस्से में लगभग 9 करोड़ रुपया आता है । तो स्पीकर साहब एक इंडस्टरी को चार साल में 9 करोड़ रुपए की सबसिडी दी जाए और गरीब आदमी को उसके मुकाबले में कुछ न मिले तो उसको ऊपर कैसे उठाया जा सकता है? (घंटी) अब मैं फारैस्ट के बारे में कहना चाहता हू । अभी 23 मार्च को हमारे स्टेट फारैस्ट मिनिस्टर ने बहिन चन्द्रावती जी के प्रश्न के उत्तर में कहा था कि हम नहर और सड़क के साथ–साथ जो वुक्ष लगाते हैं और जिनसे किसानों का नुकसान होता है, अब वह हम इतनी दूर लगाएंगे जिससे किसानों का नुकसान न हो । स्पीकर साहब, जहां तक उन वृक्षों की छाया जाती है वहां तक किसान का नुकसान होता है लेकिन वह इनकी बात आज तक अमल में नहीं आई । किसानों को इससे बहुत हानि होती है इसलिये इसको अमल में लाया जाए और यह निश्चित किया जाए कि किसान के खेत के

इतनी दूर पर दरखत लगेंगे । डिमांड नं ० 3 जो होम के बारे में है, इस पर मैं विशेष तौर पर कहना चाहता हूं कि यहां की पुलिस पर बहत अधिक खर्चा होता है, यह कम होना चाहिए । हमारे और भी कई वक्ताओं ने कहा कि पुलिस से ये कई तरह के काम लेते हैं । आपको पता है कि 18 तारीख को जमुनानगर में दो सौ किसानों के ऊपर लाठीचार्ज किया गया । (घंटी) तीन तीन किलोमीटर तक घोड़े पीछे लगा करके लोगों को पीटा गया वहां पर फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी खड़ी कर रखी थी उससे पानी का फब्बारा एकदम प्रैस करके छोड़ा गया वह अलग ही नजारा था । इसके अलावा हमारे दो एम० एल० एज० को गिरफ्तार करके रैस्ट हाउस में ले जाया गया । स्पीकर साहब, यही नहीं 15 तारीख को गोहाना में स्टुडैन्ट्स के शान्तिपूर्वक जलूस पर पुलिस ने लाठी चार्ज किया । मैंने 17 तारीख को वहां के डी ० एस० पी ० से कहा कि आपने स्टुडैन्ट्स पर लाठी चार्ज कैसे करवाया? वे कहने लगे कि आपको इस बारे में पूछने का कोई– मतलब नहीं है । मैंने कहा हमारा पूछने का फर्ज है कि आपने लाठी चार्ज कैसे करवाया । उन्होंने उस समय मुझे जो शब्द कहे वह मैं कह नही सकता– वह कहने लगे कि हें आपको भी देख लू गा आप भी जलूस निकाल कर देखें ।

श्री अध्यक्ष : अब आप बैठ जाएं । यदि यह मेरे पूछे बिना बोलेंगे तो कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाएगा ।

श्री ए०सी० चौधरी (फरीदाबाद) : स्पीकर साहब, में 1985– 88 के बजट पर डिमांडज फार ग्रांटस के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं । जहां तक बजट का ताल्लुक है, में उसका बहुत जिम्मेदारी के साथ समर्थन करता हू । बजट का समर्थन मैं यह बात कह कर करूंगा कि जब तक सरकार को पूरे साधन उपलब्ध नहीं होंगे, जब तक सरकार के पास पैसा नहीं होगा तय तक वह अवाम की पूरी तरह से रक्षा नहीं कर पाएगी । अवाम को वह चीजें नहीं दे पाएगी जो चीजें देना सरकार का दायित्व है । मैं कुछ मुदों पर सुझाव देना चाहूंगा । सबसे पहले मैं डिमांड नम्बर 3 के बारे में कुछ कहना चाहूंगा । यह डिमांड होम डिपार्टमैंट से संबंधित है । स्पीकर साहब, सरकार ला एंड आर्डर की और लोगों की जान और माल की मुहाफिज कही जाती है । लेकिन आम तौर पर देखने में आया है कि जहां पुलिस ओर्स दरवक्त तलब की जाती हए । जहां उसकी इमिजिएट जरूरत पड़ती है वहां पर अकसर ऐसा होता है जो लोग रात को डियूटी दे करके आते हैं, वे सुबह इन्वैस्टीगेशन के लिए अवेलेबल नहीं होते । इस बारे में मैं सरकार को सुझाव द् गा कि होम डिमार्टमैंट के लिए जितना पैसा एलोकेट गया है उसी से उसमें इस तरीके से कोई अरेंजमैट करें जिससे इन्वेस्टीगेशन स्टाफ को वाच एंड वार्ड स्टाफ से अलग कर दिया जाए । यदि ऐ सा कर दिया जाए तो होम डिपार्टमैंट यूक एफीशिएंट एडमिनिस्टेरशन प्रोवाइड कर सकता है । स्पीकर साहब, जेल और फायर ब्रिगेड इसी मद में आते हैं । खुशकिस्मती कहिए या बदकिस्मती कहिए, जनता राज

में मुझे भी जेलें देखने का मौका मिला हए । मैं यह कहना चाहूंगा कि आम हालात में जेलों की बिल्डिंग की हालत बहुत खराब है । उन जेलों में किसी भी कैदी को चाहे वह कोई पोलिटीशियन ही हों, उनको जो मिनिमम फैसिलिटीज मिलनी चाहिए थीं, वह नहीं मित पाई । मैं इस बारे में सरकार को सुझाव दूंगा कि उन जेलों में बैडिग वगैरह की मिनिमम फैसिलिटीज कैदियों को प्रोवाइड की जानी चाहिएं । जहां तक फायर ब्रिगेड का ताल्लुक है, उसके लिए भी इसी मद में से पैसा प्रोवाइड किया गया है । मैं समझता हूं कि फायर ब्रिगेड की सर्विस सबसे अहम सर्विस जो माल और इन्सान की जान को बचाने में मददगार हो सकती है । लेकिन आम तौर पर देखा गया है कि फायर ब्रिगेड के पास गाड़ियां बहुत पुरानी होती हैं । गाड़ियां पुरानी होने के कारण टाईमली जगह पर न पहुंचने की वजह से डैमेजिज बहुत ज्यादा बढ जाते हैं । मैं कहना चाहूंगा कि सरकार उनको नई गाड़ियां प्रोवाइड करे । स्पीकर साहब, अब मैं डिमांड नम्बर 9 के बारे में कुछ बातें कहना चाहूंगा । यह डिमांड एजुकेशन के बारे में है । देश को आजाद हुए 38 साल हो गए हैं । लेकिन आज भी देश का दुर्भाग्य है कि लोग अब भी वोट डालने जाते हैं तो निशानों के पीछे भागते है । वह इस बात का संकेत– करते हैं कि आज भी देश में जितना शिक्षा का प्रसार होना चाहिए था उतना नहीं हुआ हे । स्पीकर साहब, 38 साल के बाद जो एक नई पीढ़ी पूरी तरह से बड़ी जिम्मेदारी के साथ मैदान में आई है, वह देश की डिवैल्पमैंट में उतना सुचारु सहयोग नहीं दे पा रही है

जितनी उनसे उम्मीद की जा रही है । मैं इस सिलसिले में सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि आज देश में दो क्लासें बन गई हैं । एक क्लास तो उन लोगों की है जो सरकारी स्कूलों में पढ़ते हें । दूसरी वह है जो पैसे के बलबुते पर कानवेन्ट एजुकेशन हासिल करती है । मैं कहना चाहूंगा कि आने वाले 20–26 सालों के बाद देश के अन्दर एक ऐसी नई कैटेगरी पैदा होगी जिसे मालिक और गुलाम कहा जा सकेगा । इसलिए मैं सरकार से प्रार्थना करूंगा कि इस कानवैन्ट एजुकेशनं को इंगलिश मीडियम को कुछ इस तरीके से टैक्स किया जाए जिससे सरकार को अच्छा रैवेन्यू भी मिल सके क्योंकि आम हालत में कानवैन्ट स्कूलों वाले इतना एग्जौरबीटैन्टली चार्ज करते हें कि सारे पैसे वाले ही अफोर्ड कर सकते है । उस तरीके से सरकार को रैवेन्यू भी मिलेगा और साथ–साथ अगर वे डिसकरेज होंगे तो आम लोगों की एजुकेशन का स्तर बढ़ेगा । इसके अलावा मैं कहना चाहूंगा कि जो मौजूदा स्कूल हैं, उनकी बिल्डिंग इतनी डिलैपिडेटिड कंडीशन में हैं कि आज उनके नीचे बैठना भी जान को जोखम होती है । वे सन 1948–49 की बिल्डिंगें हैं उनकी आज तक रिपेयर नहीं हो पाई है । या तो उनको पी० डब्ल्यू ० डी० ने टेकओवर नहीं किया है या सरकार के पास फण्डज कम हैं । मैं समझता हूं कि शिक्षा और सेहत इन दोनों से बढ करके किसी दूसरी चीज को प्राथमिकता नहीं मिलनी चाहिए । मैं कहना चाहता हूं कि इस मद में शिक्षा विभाग को और पैसे का प्रावधान दिया जाए ताकि अच्छा एटमोस्फीयर दे करके बच्चों को अच्छी

शिक्षा दे सके । स्पीकर साहब, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि लड़कियों की शिक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण है । यदि एक लड़की को पड़ा दिया जाए तो वह कई खानदानों को शिक्षित कर सकती है । आज तक इस बात पर दबाव तो दिया जाता रहा है लेकिन उसका रिजल्ट इतना सैटिसफैक्टरी नहीं मिला । मैं सरकार से आग्रह करूंगा कि शिक्षा के मामले में लडकियों को बहुत ज्यादा प्रायर्टी दी जाए । मैं यह भी कहना चाहूंगा कि मेरा हल्का फरीदाबाद हरियाणा में सबसे बडा जिला है और सबसे ज्यादा टैक्स देने वाला जिला है । उस जिले की लड़कियों के स्कूलों को अपग्रेड करने के बारे में काफी दरखवास्तें सरकार के विचाराधीन हैं उन्हें तेजी के साथ लागू किया जाए । मैं यह भी कहना चाइना कि सरकार ने दो साल पहने लडकियों के पोलिटेकनिक कालेज और इंजीनियरिग कालेज दोनों को अ कर दिया था उसे फोरन कार्यान्वित करके बच्चों की शिक्षा में सहयोग दें । इसके अलावा मैं सरकार को सुझाव देना चाहूंगा कि एजुकेशन डिपार्टमैंट के पास बच्चों द्वारा दिया गया डिफरैंट हैड्ज में बहुत सा फण्ड पड़ा है । उस पैसे को कंसौलीडेट करके एक ऐसा फण्ड बना दिया जाए जिसमें से बच्चों के बैठने के लिए चटाईयां, हेट्स, डैस्क, बैच तथा दूसरा फर्नीचर आदि खरीदा जा सके ताकि बच्चों का मनोबल बना रहे । इसका सरकार के ऊपर भी कोई बोझ नहीं पड़ेगा । स्पीकर साहब, अब मैं डिमांड नम्बर 10 के बारे में कुछ बातें कहना चाहूंगा । यह डिमांड मैडीकल एंड पब्लिक हैल्थ के बारे में है । मैडीकल के बारे में लोगों की आम शिकायत है कि

दूरदराज देहातों से हजारों मरीज जहां अपने इलाज के लिए आते हैं वहां उनको खाना नहीं मिल पाता है । गवनमैंट के पास फण्ड्ज की कमी है, जिसकी वजह से सभी मरीजों को खाना नहीं मिल पाता । मैं सरकार से कहना चाहूंगा कि ऐसे अस्पतालों में जो रूरल एरियाज को ज्यादा कैटर करते हैं और जहां इनडोर पेशेंट की काफी स्टैंथ है, वहां उन्हें इस किस्म की सुविधाएं और फ्री मैडीकल फेसिलिटीज देनी चाहिए । जो छोटी–छोटी दवाईयां हैं, जो कम कीमत की दवाईयां हें वे अस्पतालों में रखें ताकि गरीब लोगों को कोई दुख न हो । स्पीकर साहब, मैं कहना चाहूंगा कि आज के दिन यहां एलोपेथी सिस्टम आफ मैडीसन काफी इनवोग है । लोग इसकी तफ भागते हैं । उसका रीएक्शन इस बात की मांग करता है कि सरकार आयुवैंदिक सिस्टम आफ मैडीसन और होम्योपैथिक सिस्टम आफ मैडीसन को रिकग्नाइज करे । इन दोनों के रिजल्ट बहुत बेहतरीन रहे हैं । मैं इस सिलसिले में सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि फरीदाबाद जिले की एक संस्था ने अपनी जमीन सौर टोटल खर्चा ओफर करके सरकार से रिकग्नाइजेशन मांगी है । यदि सरकार उसे रिकग्नाइज कर देगी तो सरकार के इस बोझ मैं कमी होगी । इसके अलावा स्पीकर साहब, अब में डिमांड नम्बर 16 के बारे में कुछ बातें कहना चाहूंगा । यह डिमांड इंडस्ट्रीज विभाग से संबंधित है । फरीदाबाद मुख्यतरू इंडस्ट्रीयल काम्पलैक्स है और इंडस्ट्री के मामले में अपना नाम दुनिया के नक्शे में रखता है ।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, वाइंड–अप करें ।

श्री ए० सी ० चौधरी : स्पीकर साहब, मैं पिछले तीन साल के पीरियड में आज पहली बार बोल रहा है । मैं इररैलेवैटं भी नहीं बोल रहा हूं और कम से कम लफजों में आइटम पूरी कर रहा हूं । मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि आप मुझे पांच मिनट का टाईम और दे दें । मैं पांच मिनट में अपनी बात खत्म कर दूंगा । स्पीकर साहब, इडस्ट्रीज के मामले में मैं बिजली मंत्री जी की बडाई करूंगा कि आज उन्होंने आन दि फ्लौर आफ दि हाउस एक बात कही कि हमने फरीदाबाद की इंडस्ट्रीज को रोजाना एक घंटा और बिजली दे दी है । इन्होंने बताया है कि पहले सात दिन के अन्दर सिर्फ 25 घन्टे बिजली इण्डस्ट्रीज को देते थे । अब इन्होंने 25 घन्टे की बजाये 30 घन्टे कर दिए हैं । मैं नहीं समझता कि 25 घन्टे से बढ़ाकर 30 घन्टे बिजली देने पर वे इण्डस्ट्रीज अपना उत्पादन बढ़ा सकेंगी और मैन पावर को पूरा इस्तेमाल किया जा सकेगा । इन्होंने अपने यहां इण्डस्ट्रीज को प्राईवेट जनरेशन अलाऊ किया है । जहां पर लोकल थर्मल पावर मौजूद है वहा उसका कुछ शेयर इंडस्ट्रीज को एलोकेट करें और साथ ही साथ सैन्ट्रल सरकार को मुख्य मंत्री जी इस बात के लिए मना लें कि देहली की इण्डस्ट्रीज की बिजली फरीदाबाद की इण्डस्ट्रीज को दो घन्टे के लिए रोजाना दे दी जाये क्योंकि दिल्ली के अन्दर हर क्षेत्र में 24 घन्टे बिजली रहती है । देहली देश की भी राजधानी है जिस कारण वहां पर बिजली 24 घन्टे रहती है । मैं चाहता हूं कि

मुख्य मंत्री जी सैन्ट्रल सरकार से बात करके दिल्ली की बिजली दो घन्टे के लिए फरीदाबाद के लिए डाइवर्ट करा लें तो फिर फरीदाबाद की इण्डस्ट्रीज चल सकती है । ऐसा होने पर सरकार को कोई दिक्कत नही होगी और न ही सैट्रल सरकार को कोई आपत्ति हो सकती है क्योंकि इण्डस्ट्रीज को पनपाने का हक दोनों जगह को है । सीकर साहब, रोजमर्रा की चीजों में और तकलीफों में चौम्बर आफ कामर्स ने अपना योगदान समय–समय पर दिया है । मैं समझता हूं कि रोजमर्रा की सहूलियत के लिए यदि इलाका एम ०एल०ए ० प्लस इण्डस्ट्रीज एसो– सिएशन दोनों को साथ रखें तो न सिर्फ हर मामले में ये सहायक होंगे बल्कि वे अपनी जैनुइन डिफिकल्टी का हल भी बता सकेंगे । जिससे सरकार को एक अच्छे साथी की तरह सेवा देने का मौका मिल सकेगा । स्पीकर साहब, फरीदाबाद में 8 हजार स्माल स्केल यूनिट्स हैं । वे यूनिट्स अर्चन फीडर में हैं । दिन के समय इन यूनिटस को बिजली देने में सरकार की अपनी मजबूरी है । रात के समय जब अर्बन फीडर में बिजली चालू होती है तो स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज वालों को लोग काम करने नहीं देते उससे मोहल्लों वालों की नींद हराम होती है क्योंकि उनको चलाने से लोगों को रैस्ट नहीं मिलता । इस प्रकार से स्माल स्केल यूनिट्स में जिन लोगों ने अपने बच्चों के जेवर गिरवी रखकर और ' बडे–बड़े ब्याजों पर पैसा लेकर छोटे–छोटे कारखाने लगाये है, उन लोगों को न दिन में बिजली मिल पाती है और न रात को बिजली मिल पाती है । इस प्रकार से ये यूनिटस एक प्रकार से तबाही के कगार पर खड़े

हैं । मैं सरकार से प्रार्थना करता हूं कि अर्बन फीडर में जिनकी एक हार्स पावर की फीडर है या 10 हार्स पावर से नीचे की फीडर है उनको पूरी सुविधा दी जाये या फिर उनको शाम के समय इस प्रकार से बिजली दी जाये ताकि उनकी इण्डस्ट्रीज पनप सकें और वे देश की डिवैल्मैंट में सहायक सिद्ध हो सकें ।

स्पीकर साहब, अब मैं डिमांड नं० 23 के बारे में इतना ही कहना चाहूंगा कि हरियाणा ट्रांसपोर्ट ने देश के अन्दर हरियाणा का नाम ऊंचा किया है । लेकिन साथ ही बाथ कुछ सर्विसिज ऐसी भी होती हैं जिनकी बहुत जरूरत होती है । स्पीकर साहब, जब से मैं एम०एल०ए० बन कर आया हूं और बतौर मंत्री रहा हूं उस समय से मेरी एक मांग यह थी कि फरीदाबाद से हरिद्वार तक सीधी बस सेवा प्रदान की जाये लेकिन मेरी इस प्रार्थना को आज तक नहीं माना गया हरिद्वार से हमारे धार्मिक संबन्ध जुड़े हुए हैं । फरीदाबाद से हरिद्वार तक सीधी बस सेवा चालू करने के बारे एक बार मुख्य मंत्री, जी, ने रिकमैड भी किया था लेकिन आज तक उस पर कोई अमल नहीं हो पाया हए । मैं हाउस में यह भी कहना चाहूंगा कि फरीदाबाद एक प्रकार से मिनी इंडिया है क्योंकि यहां पर सारे प्रदेशों के लोग रहते हैं । वे लोग समय–समय पर अपने–अपने प्रातों में जाते रहते हैं । इसलिए मेरी मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना है कि बसिज फरीदाबाद के अन्दर कुछ ज्यादा एलोकेट की जाए, । स्पीकर साहब, डी०टी०सी० जो देहली फरीदाबाद रूट पर चलती है वह सारे दिल्ली के घाटे को पूरा

करती है । मैं चाहता हूं कि जो एग्रीमैंट अब खत्म होने जा रहा है उसको रिन्यू न किया जाये या फिर उनको उतने ही रूट दिए जाएं जो हमारे द्वारा ज्यादा से ज्यादा वसें लगाने के बाद बचें । अगर ऐसा हो जाता है तो हरियाणा रोड़वेज 4 गुना ज्यादा प्रोफिट कमा पायेगी ।

स्पीकर साहब, अब मैं डिमांड न 11 पर बोलना चाहता हूं । आज हरियाणा के अन्दर 82 छोटे–बड़े शहर हैं और उनमें म्युनिसिपल कमेटीज के पास एक पैसा नहीं है कि वे अपने कर्मचारियों की तनख्वाहें भी दे सकें । मैं चाहता हूं कि सरकार को उनकी मदद के लिए आगे आना चाहिए और खासकर शहरों के अन्दर जो सुविधाएं ये म्युनिसिपल कमेटीज नहीं दे पा रहीं हैं उनको सरकार ज्यादा से ज्यादा पैसा दे ताकि अर्बन एरिया डिवैल्प हो सके । आज अर्बन डिवैल्पमैंट की डिमांड का सारा अमाउट हुडा को चला जाता है । मैं चाहता हूं कि सरकार को स्पैशल एलोकेशन लोकल गवर्नमेंट डिपार्टमेट को देनी चाहिए ताकि ये म्यूनिसिपल कमेटीज सीवेरज, वाटर सप्लाई और रोड्ज आदि की सुविधा शहरों को देकर हरियाणा का नाम ऊंचा कर सकें ।

स्पीकर साहब, अब मैं डिमांड नं 13 पर बोलना चाहता हूं । इस बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि कुछ लोग सन 1948 में फरीदाबाद में सैटल हुए थे । इन लोगों ने देश के लिए अपनी जान की कुर्बानी दी थी । उनकी विधवाओं और उनके अपाहिज बच्चों को सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने रिहैबलिटेशन स्कीम के तहत बिडोज

होम बना कर दिए थे । अध्यक्ष महोदय, ऑज तक सरकार ने उन होमज को उनके नाम ट्रांसफर नहीं किया है और न ही उनकी कोई देखभाल की गई है । आज वे सारे विडोज होम सैक्स डैन्ज नजर आते हैं । उनके अन्दर सरकार ने कोई फैसेलिटीज नहीं दी हैं । मैं सरकार से प्रार्थना करता हूं कि एक अढाई लाईन का ट्रॉसफर लैटर जल्दी से जल्दी लिख दिया जाये ताकि उनकी जिन्दगी का रुख बदल सके । इसके साथ ही साथ जो एडजासैटं रिहैबलिटेशन लैड है उसको एक्वायर करके उन रिफियूजिज को मंहगे भाव की बजाये सस्ते भाव पर दे दिया जाए जिनके लिए यह जमीन एक्वायर की गई थी । अन्त में मैं भजन लाल जी से यह कहूंगा कि हम भी आपके साथ हैं । अगर आप फरीदाबाद को हरियाणा के नक्शे में देखेंगे तो फरीदाबाद हरियाणा के नक्शे में सबसे नीचे नजर आता है । फरीदाबाद नक्शे में ऐसे लगता है जैसे नहर के टेल के एण्ड पर कोई एरिया लगता हो । इसलिए मैं चाहता हूं कि फरीदाबाद के मामले में आप खुद प्रायरिटी दे कर वहां के लोगों को राहत पहुंचाये' । धन्यवाद ।

वित्त मन्त्री (श्री सागर राम गुप्ता) : स्पीकर साहब, आज भी काफी डिमांड्ज पर हाउस में डिस्कशन हुई है और बहुत से माननीय सदस्यों ने इन डिमांड्ज पर अपने– अपने विचार रखते हुए कई एक बातें कुही हैं । बहुत से सदस्यों ने अपने हल्के की बात कही हे और मैं चाहता है कि उन्हें अपने हल्के की बात कहनी भी चाहिए । कई सदस्यों ने कहा कि मैं' हल्के में स्कूत

अपग्रेड होने चाहिएं । बहुत सारे सदस्यों ने यह कहा कि मेरे हल्के में टैक्नीकल एजुकेशन, आई ० टी ० आईज०, होस्पिटल और डिस्पेन्सरीज आदि खुलनी चाहिएं । कुछ माननीय सदस्यों ने सुझाव दिया कि इण्डस्ट्रीज को बढ़ावा देना चाहिए । इसी प्रकार से बहुत सारे सदस्यों ने अपने–अपने विचार अपनी–अपनी समझ के मुताबिक रखे हैं । स्पीकर साहब, मैं सरकार की तरफ से सभी माननीय सदस्यों को यकीन दिलाना चाहता हूं कि जितनी भी बातें माननीय सदस्यों ने अपने–अपने हल्कों के बारे में कहीं है, उनकी एक–एक बात मैंने नोट की है । मैं इस बारे में सभी साथियों को यकीन दिलाना चाहूंगा कि सरकार इन मांगों पर पूरी सहानुभूति के साथ हरेक हल्के की जरूरियात को सामने रखते हुए पूरा करने की भरसक कोशिश करेगी । स्पीकर साहब, यहां पर कुछ भाइयों ने कहा कि हमारे इलाके के साथ सरकार भेदभाव कर रही है । मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ यह कहना चाहूंगा कि जहां तक हरियाणा सरकार का ताल्लुक है, कतई तौर पर कोई मतभेद किसी मैम्बर के हल्के के साथ नहीं किया जाता । सरकार किसी काम को करने से पहले एक पालिसी बनाती है । उस पालिसी के मुताबिक जो–जो उसमें फाल करता है, उसी पर काम शुरू किया जाता है । कुछ सदस्यों ने यहां पर कहा कि मेरे हल्के में स्कूल अपग्रेड नहीं हुए जबकि फलां हल्के में अपग्रेड हो गए । मैं अपने साथियों को बताना चाहूंगा कि स्कूल अपग्रेड करने के बाकायदा नार्म्ज फिक्स किए हुए हैं । उन्हीं के हिसाब से सरकार ने पिछले साल कुछ स्कूल अपग्रेड किए थे और इस साल भी कुछ औरस्क्ल

अपग्रेड करने का इरादा सरकार रखती हए । इन स्कूलों को अपग्रेड करते समय यह नार्म्ज हैं कि इतना एरिया होना चाहिए और इतने कमरे आदि होने चाहिएं ।

चौधरी खिल्लन सिंह : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर । स्पीकर साहब, मेरे हल्के के अन्दर एक स्कुल मरोली मिडिल से हाई स्कूल के लिए और दूसरा फिरोजपुर– राजपूत प्राईमरी स्कूल से मिडिल स्कूल के लिए अपग्रेडेशन की सारी शर्तें पूरी करते हैं । मैं जानना चाहता हूं कि इन स्कूलों को अभी तक अपग्रेड क्यों नहीं किया गया?

श्री सागर राम गुप्ता : मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि यदि ये स्कूल नार्म्ज पूरे करते हैं तो जरूर अपग्रेड किए जाएंगे । ये दोनों नाम मैंने नोट किए हुए हैं । स्पीकर साहब, मैं कह रहा था नार्म्ज के मुताबिक ही स्कूल अपग्रेड किए जाते हैं । ये भाई कहते तो हैं कि नार्म्ज पूरे करने के बाद भी स्कूल अपग्रेड नहीं किए जाते । मैं इन्हें बताना चाहूंगा कि इनकी समझ के हिसाब से तो हो सकता है कि वे नार्म्ज पूरे करते हों लेकिन जब हमारे अधिकारी उनकी जांच पड़ताल करने के लिए जाते हैं तो जो स्टैडर्ड फिकस किया हुआ है उसको वे मीट नहीं कर पाते हों जिस कारण उन स्कूलों को अपग्रेड नहीं किया जा सकता । स्कूल वही अपग्रेड किए जाते हें, जहां शर्तें पूरी होती हैं । जहां पर सारी शर्तें पूरी नहीं होतीं, वहां पर स्कूल अपग्रेड नहीं किए जाते । जिन दो स्कूलों का जिक्र खिल्लन साहब ने किया है, मैं इनकी

दुबारा स्पैसिफिक जांच करवाऊंगा । यदि वे नार्म्ज पूरे करो होंगे तो उन स्कूलों को निश्चित तौर पर अपग्रेड करेंगे । मैं इन भाईयों से निवेदन करूंगा कि वे एक बात को ध्यान में रखें । कई दफा स्पीकर साहब, हम लोग ..... के लिए लोगों में बातें करते हैं । यह तो कहते नही कि साहब मेरे हल्के में फलां जगह यह कमी है, इसको पूरा कर दो । लोगों में नुक्ताचीनी करते रहते हैं कि यहां होस्पिटल बन गया, वहां क्यों नहीं बना? यहां सड़क बन गई वहां क्यों नहीं बनी? मेरा मतलब यह है कि बहुत से भाई, खास तौर पर विपक्ष के भाई, अपनी बात को मिनिस्टर कंसर्न्ड को नहीं बताते । उनको बताना चाहिए कि यह कमी है, इसको दूर किया जाए । मिसाल के तौर पर मैंने एक मिसाल दी थी ।

श्री मंगल सैन : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । क्या यह कहना उचित है कि अपनी .....लोगों को कहते हैं लेकिन हमें मिनिस्टर कंसर्न्ड को कहते नहीं?

13.00 बजे

श्री अध्यक्ष : ये लफ्ज रिकार्ड न किये जाएं ।

श्री सागर राम गुप्ता : मैं कह रहा था कि हम सारे यही काम करते रहते हैं । मुझे समझ नहीं आती, डा० साहब को क्यों महसूस हो रहा है । डा० साहब, मैं आपकी बात पर आऊंगा । स्पीकर साहब, मै बडे नरम शब्दों में मिसाल दे रहा था कि हमारे

मुख्य मन्त्री जी ने कल सब सदस्यों से जिक्र किया था कि मेरे यहां सब का खाना है, आप सब तशरीफ लायें । मेरे ये भाई मुझे मुआफ करेंगे, पता नहीं उनको वहां आने में क्या शर्म है? पता नहीं क्या झिझक है, या क्या बात है? फिर ये कहते हैं कि उनके काम होते नहीं हैं । मुख्य मन्त्री और अधिकारियों को काम करने के लिए तो कहना ही चाहिए । अगर किसी वक्त खाने पर बुलाएं, बातचीत के लिए बुलायें तो आपकों उसमें शरीक होना चाहिए । आपकी तरफ से मनमुटाव दिखाना शोभा नहीं देता । आप गवर्नमैंट की पालिसी को क्रीटीसाईज कीजिए, यह तुम्हारा हक है और क्रिटीसाईज करते समय आप जो सुजैशन्ज देंगे, उनको देखते हुए हम अपनी पालिसी में चेंज कर सकते हैं । लेकिन यह बात न करो कि है न मानूं, मैं न मानूं यह आपको शोभा नहीं देता । स्पीकर साहब, विरोधी पक्ष के भाईयों के काम कहीं–कहीं इसलिए नहीं होते कि वे मुख्य मन्त्री जी को नहीं कहते कि हमारा यह काम करवा दो, वह काम करवा दो, हमारे इलाके में यह कमी है, वह कमी है ।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवाल : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । फाइनेंस मिनिस्टिर साहब कह रहे है कि मुख्य मन्त्री जी क्एरू नोटिस में हम लाते नहीं हैं । हमने सैवरल केसिज दूसरे मन्त्रियों के नोटिस में लाये हैं, स्कूलों के बारे में, नहरों के बारे में और बिजली के बारे में, लेकिन इन मन्त्रियों ने कोई नोटिस नही लिया ।

श्री अध्यक्ष : यह प्वायंट आफ आर्डर नहीं है ।

श्री सागर राम गुप्ता : स्पीकर साहब, एक बात और आपके नोटिस में लाना चाहता हूं । बहुत से भाईयों ने अपने–अपने इलाके की कोई बात, कोई प्रोब्लम सदन में बताई ही नहीं । जिन्होंने कुछ बातें कहीं हैं वे बिल्कुल मड सलगिंग है । (व्यवधान) अगर मैं कुछ और कह द् तो ये कहेगे कि इस वर्ड को एक्सपंज करवाया जाए । कुछ बातें तो ये इसलिए कहते हैं ताकि अखबारों में नाम आ जाए । इसी लिंए ये इधर उधर की बातें कहते हैं । बहुत से भाईयों ने अपने हलके की बात नहीं की, कुछ ने कुछ बातें इसलिए कही हें कि उनका नाम अखबारों में छप जाए ।

श्रीमती चन्द्रावती : अखबार में तो सभी अपना नाम चाहते हैं ।

श्री सागर राम गुप्ता : बहन जी ने कहा कि अखबारों में नाम देना कौन नहीं चाहता । ठीक है, सभी चाहते हैं, नाम जरुर आना चाहिए लेकिन अच्छी बात करके नाम आना चाहिए । अगर गलत बातें करेंगे, केवल अपोजिशन करने के उद्देश्य से हर अच्छी बात को अपोज करते रहें तो ठीक बात नहीं है । स्पीकर साहब, मैं एक मिसाल दूंगा । डा ० मंगल सैन जी ने अपनी स्पीच में कहा था कि हाउसिंग बोर्ड जो रोहतक में है, ठीक काम नहीं करता । स्पीकर साहब, मैं निहायत मौहतबाना तौर पर गुजारिश

करूंगा कि रोहतक में दो कालोनीज हरियाणा हाउसिंग बोर्ड ने पहले बनाई और तीसरी कालोनी की कंस्ट्रक्शन के लिए काम चालू कर रहे हैं । इतना काम होने के बावजूद भी डा० मंगल सैन जो इस हाउस के बड़े सीनियर मैम्बर हैं, यह कहें कि काम नहीं हो रहा है, तो बड़ी गलत बात

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, इन्होंने पैसा लेकर उस महकमें को बाएँ ड–अप करके हिसार भेज दिया है । बहन करतारी देवी बैठी हैं, बेशक उन से पूछ लीजिए । (व्यवधान)

श्री सागर राम गुप्ता : डा ० साहब, गलत. बयानी नहीं करनी चाहिए । जो सही बात है, गवर्नमैंट ने सही काम किया है उसकी तारीफ करो, लेकिन ये तो नुक्ताचीनी की गरज से नुक्ताचीनी करते हैं । यह तो मैंने एक मिसाल दी है । स्पीकर साहब, डा ० मंगल सैन ने एक बात महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी के बाईस चांसलर के बारे में कर दी । डा ० साहब, मैं बहुत ज्यादा बात नहीं करना चाहता । अगर कर दू तो शायद ये अपनी सीट से कूद न पडे । मैं इन्हीं से पूछता हूं कि इनको बाईस चांसलर किसने बनाया था? आज ये कहते हैं कि उनको बाईस चांसलर न रहने दें, लेकिन उनको जिन्दा किसने किया था? सिर चढाया किसने था और आज वे इतना बु रा क्यों लगने लग गये? एक मुकदमे में हाई कोर्ट ने उसके खिलाफ फैसला दे दिया और वह मुकदमा गवर्नमैंट के खिलाफ चला गया । क्या गवर्नमैंट आनी इज्जत को बहाल करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील करने के

लिए न जाए? अगर गवर्नमेंट सुप्रीम कोर्ट में चली जाए तो इसमें आपको दिक्कत क्यों पैदा हो गई? इस किस्म की बे–बुनियाद और पोलिटिकल किस्म की ये बातें करते हैं । स्पीकर साहब, मैं डा० मगल सैन की बहुत सी बातों का जिक्र नहीं करना चाहता । मैं इन्हें एक बात बताना चाहता हूं । डा ० मंगल सैन को आज इस गवर्नमैंट के सारे एक्शन बुरे लगते हैं । कोई मौका नहीं छोड़ते हर बात में सूई चुभाने की कोशिश करते हैं । हर एक सन्टेंस में ऐसी ही बात करते हैं । इनके टाईम की मैं आप बीती बताता हूं । ये 1977– 78 में लेबर मिनिस्टर हुआ करते थे । मैंने अपनी आंखों से देखा है कि फरीदाबाद में जनसंघ का एक मजदूर संघ है । उस समय ई इन्टक में होता था । उस समय इन्होंने इन्टक फैक्ट्री के वर्करों के मोडे तोड़े । उनके सिर तोड़ दिये जातै थे, टांगें तोड़ दी जाती थी और जिन्होंने यह काम किया उनके खिलाफ दफा 325 और 326 के केसिज दर्ज नहीं होने दिये । उस समय की सरकार ने कोई केस दर्ज नही होने दिया और हम चीखते रहते थे । जब पूछा जाता था कि क्यों केस दर्ज नहीं करते तो वे कहते थे कि साहब, डा० मंगल सैन का हुक्म है कि दर्ज न करो ।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण–

श्री मंगल सैन द्वारा

श्री मंगल सैन : आन ए प्वायंट आफ पर्सनल एक्सप्लेनेशन, सर । स्पीकर साहब, श्री सागर राम गुप्ता एक बात कह रहे हैं कि 1977– 78 में वे वर्कर्ज को बचाया करते थे और मुकदमे दर्ज नहीं होते थे । यह बात सरासर गलत है । उस समय ये इन्टक में नही थे ये तो इन्टक को छोड़ गये थे और. नई कम्पनी खोल रखी थी, इसलिए यह बात सरासर गलत है ।

वर्ष 1985 – 86 के बजट की डिमांड्ज कार ग्रान्टस पर चर्चा तया मतदान (पुनरारम्भ)

श्री सागर राम गुप्ता : मैं डा ० साहब से यह कहूंगा कि वे ज्यादा नोक– झोंक न किया करें । इन्होंने कहा कि पानीपत मार्किटिंग कमेटी का चेयरमैन एक नान–फारमर आदमी बना दिया । यह बिल्कुल गलत बात है । वह फारमर है और फारमर्ज की तरफ से उसका नाम एज ए मैम्बर नोमिनेट हुआ है! मैम्बर बनने के बाद उसको चेयरमैन बनाया गया । इन्होंने अखबार में छपने के लिए ही ऐसा बयान दिया है और यह बिल्कूल गल्त बात है । इस तरीके से ये बे–बुनियाद बातें कहते रहते हैं ।

श्री बीरेन्द्र सिंह : आन एर–प्वायंट आफ आर्डर । स्पीकर साहब, वह आदमी फारमर नहीं है और न ही वह साइटिस्ट की कैटेगरी में आता है । मेरे ख्याल में ऐसा आदमी मैम्बर नहीं बनाया जा सकता । इसी प्रकार से किसी फैक्टरी ओनर को भी किसानों का उम्मीदवार नही बनाया जा सकता । अगर वह आदमी

फारमर है, फिर तो ठीक बात है, लेकिन वह नहीं है । हो सकता है उसने दो बिस्वे की गिरदावरी अपने नाम करवा रखी हो । ....

श्री अध्यक्ष : प्राईवेटली वाली बात रिकार्ड में नहीं आयेगी ।

श्री फतेह चन्द विज : स्पीकर साहब, इनकी मिल वर्धमान राईस मिल के नाम से मार्किट कमेटी पानीपत में है । यह आदमी लाईसैस होल्डर है । प्रोप्राईटर है और उसी मार्किट कमेटी का चेयरमैन बना दिया । अब तो वह गिरदावरी भी दिखा गया होगा । उसकी मिल पर वर्धमान राईस मिल और प्रोप्राईटर का नाम भी लिखा हुआ है । कमेटी के किसी मैम्बर ने यह इतराज किया है कि वह फारमर नहीं है । उसने लिखकर औब्जैक्शन लगाया है और उसके साथ एक एफिडेविट लगाया हुआ है ।

आबकारी तथा कराधान मन्त्री (चौधरी कटार सिह छोकर) : स्पीकर साहब, विज साहब कई बार तो खुद इस बात को कहते हैं और कई बार डा ० मंगल सैन जी को खड़े करते हैं । यह एक इशू बनाने के लिए जमीन की बात कही गई है । स्पीकर साहब, उस व्यक्ति के पिता जी और भाई काफी बड़े जमीदार हैं । उसके खुद के नाम 70 एकड़ की मलकियत है और मेरे ख्याल में पानीपत का वह प्रोग्रेसिव फार्मर है । यह ठीक है कि बाई चांस या दुर्भाग्यवश उसने एक राई.– शैलर लगा रखा है

। वह और कोई बिजनैस नही करता । वह फार्मर्ज की तरफ से नोमिनेट हुआ है ।

श्री अध्यक्ष : सभी बड़े जमींदारों ने शैलर्ज लगा रखे हैं ।

श्री सागर राम गुप्ता : स्पीकर साहब, अगर ये हाउस में इस तरह की बातें न कहकर बुनियादी बातें कहें तो बेहतर हो । अध्यक्ष महोदय, यहां नैशनल कैपिटल रीजन की बात की गई कि इसके लिए 2 करोड़ रुपए क्यों रख दिए गए ? एन०सी० आर० के लिए एक बोर्ड बन गया है । इस सारे इलाके की डिवैल्पमैंट के लिए बाकायदा प्लानिंग होनी है । इस बोर्ड में चीफ मिनिस्टर साहब मैम्बर हैं । शायद कुछ मंत्रिगण और अधिकारीगण भी मैम्बर हैं । यह बोर्ड विचार करेगा कि इस इलाके की डिवैल्पमैंट कैसे करनी है । हम चाहते हैं कि हरियाणा का कोई हिस्सा अन–डिवैल्पड न रहे । उसकी डिवैल्पमैंट के लिए हम पूरा ध्यान दें और कह सकें कि कैपिटल रीजन में हरियाणा का जो इलाका है है वह सबसे ज्यादा डिवैल्पड है । उसके लिए हमने 2 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है । (विघ्न) उस बोर्ड में बैठकर उसके लिए स्कीम्ज बनेंगी । बजाएं

डा० मंगल सैन : इस बात की सराहना करते, वह कहते हैं कि रीजन की डिवैल्पमैंट के लिए पैसे का प्रावधान क्यों कर रहे हें?

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, मेरा एतराज यह है कि किसान को यदि कोई नक्शा पास करवाना होगा तो दिल्ली जाना पड़ेगा । लोग परेशान हो जाएंगे ।

Shri Sagar rAm Gupta : There is no such thing.

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला) : स्पीकर साहब विरोधी दल के भाई बार–बार इस बात को कह रहे हैं । यह बात इन्होंने दोनों चुनाव के दौरान भी कही है । डी ० एम ० के ० पी ० वालों ने भी कही है और डा० साहब की पार्टी ने भी इस बात का प्रचार किया कि हरियाणा का बहुत सारा इलाका दिल्ली को दे रहे हैं । स्पीकर साहब, फैक्ट यह है कि लोग दिल्ली में न जाएं बल्कि उन्हें वे सारी सहूलियतें इस रीजन में मिलें जो दिल्ली में मौजूद हैं । इसके लिए इस रीजन को हमने डिवैल्प करना है ताकि दिल्ली ओवर पापुलेटिड न हो । इससे हरियाणा का बहुत फायदा होने वाला है । गवर्नमैंट आफ इंडिया काफी पैसा खर्व करेगी । न तो गवर्नमैंट आफ इंडिया ने और न ही हरियाणा सरकार ने हरियाणा का कोई हिस्सा दिल्ली को दे रखा है और न ही लोगों को नक्शा पास करवाने दिल्ली जाना पड़ेगा । यह इनका प्रचार माल है ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, मैंने एक ऐप्रेहैन्शन शो किया था जो मेरा राईट है । आफटर–आल बात करने के लिए यह एक मीडिया है, यह एक फोरम है । मैं चाहता हूं । कि अगर इन्होने दिल्ली का लाभ उठाना है तो हमारी ज्योग्रोफिकल

सिचुएशन ऐसी है दिन ये दिल्ली के इर्द–गिर्द टाउन खड़े करते और हुड्डा से ये काम करवाते । इन्होंने तो 'यह काम कंसल एंड कम्पनी को दे रखा है । हुड्डा का बिस्तर गोल कर दिया है । उस बात पर तो ये कुछ बोलते नहीं हैं और हमें कहते हैं कि बुइनयादी बात को न कहकर हम बात को टविस्ट करते हैं । ये बताएं कि हमने किस बात को टविस्ट किया है?

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, इरीगेशन एंड पावर मिनिस्टर साहब ने जो बात कही वह ठीक नहीं है । कैपिटल प्रोजैक्ट में हरियाणा की बरबादी होने वाली है क्योंकि हिन्दुस्तान की जो ओवर–फलोइंग आबादी है वह हमारे खेतों में बसेगी । अपने लोगों को वहां रहने नहीं दिया जाएगा । सारी जमीन ऐक्वायर कर ली जाएगी । (शोर) हमारी आबादी को थिन करने के लिए सबसे ज्यादा खराब बात यह होगी कि आसाम और बंगाल के लोग यहां बसाए जाएंगे । कुछ लोग अभी भी बसाए जा रहे हें । इसलिए में इनकी बात को रिफयूट करने के लिए खड़ी हुई हूं ताकि हमारी बात भी लोगों तक पहुंच जाए कि यह सरकार हरियाणा को बरबाद करने पर तुली हुई है । ये 'चाहते हैं कि हरियाणा का कल्चर यहां न रहे । (शोर)

श्री सागर राम गुप्ता : स्पीकर साहब, ये खामखाह दिमाग में बोझ लिए हुए हैं । ये बिना मतलब की बात सोचते हैं । अखबार में नाम छपवाने के लिए बहिन जी ने अपना काम कर दिया । स्पीकर साहब, ये ऐसी बातें मुंह से निकालते हैं जिसका न

कोई सिर है न पैर है । कहते हैं कि हरियाणा खत्म हो जाएगा । (विघन)

डा० भीम सिंह दहिया : सीकर साहब, मैं एक तो यह एतराज करना चाहता हूं कि ये बार–बार कह रहे हैं हमारा दिमाग खराब है, हम बेबुनियादी बातें करना चाहते हैं । इन्हें इस किस्म की बात नहीं कहनी चाहिए ।

श्री अध्यक्ष : इन्होंने ऐसी कोई बात नहीं कही । इन्होंने तो कहा है कि ये खामखाह दिमाग में बोझ लिए हुए हैं ।

डा० भीम सिंह दहिया : बोझ तो हमारे दिमाग पर है । स्पीकर साहब, मैंने एन०सी०आर० का एक्ट पढ़ा है । उसमें एक क्लाज है कि अगर सैन्ट्रल गवर्नमैंट चाहे तो एन०सी०आर० का जो रीजन है, उसमें वह कहीं की भी आबादी को यहां बसा सकती हे । जो बात बहिन जी ने कही है उसमें कोई गलती नहीं है । स्पीकर साहब, मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि क्या उस एक्ट में यह क्लाज है या नहीं है? मैं इनसे यह भी जानना चाहता हूं कि कल को यदि भारत सरकार महसूस करे कि आसाम का कोई फैसला नहीं हो रहा है इसलिए वहां के लोगों को यहां बसा दिया जाए तो क्या ये एतराज करेंगे?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : स्पीकर साहब, मैं एक मिनट के लिए इन्टरवीन करना चाहूंगा । माननीय सदस्यों को पता नहीं क्यों इस बात का खदशा हो गया है । इससे तो

हरियाणा प्रान्त के लोगों को, खास कर अपोजिशन के भाइयों को, खुशी होनी चाहिए क्योंकि करोड़ों रुपया भारत सरकार यहां खर्च करेगी । वह इस इलाके को डिवैल्प करेगी ताकि दिल्ली में जो हैफाजर्ड डिवैल्पमैंट हो रही है उसको रोका जाए । (विघन) सारी की सारी सुविधाएं इस एरिया में दी जाएंगी ताकि लोग दिल्ली की बजाए इस एरिया में रहना पसन्द करें । प्रान्तीय सरकार की मर्जी के बगैर भारत सरकार उसमें कुछ भी नहीं कर सकेगी । (विघन) अध्यक्ष सहोदय, यह स्टेट के लिए बहुत अच्छी बात है । जब यहां डिवैल्पमेंट हो जाएगी तो ये महसूस करेंगे कि हरियाणा के हित के लिए यह बड़ी शानदार और अच्छी बात हुई । (विघन)

श्री सागर राम गुप्ता : स्पीकर साहब, अब मैं एजुकेशन डिपार्टमैंट की बात करना चाहता हूं । बहुत से माननीय सदस्यों ने यहां एजुकेशन को बढ़ावा देने की बात कही । कुछ सदस्यों ने इस बात का जिकर किया कि यहां स्कूल की बिल्डिंग्ज की हालत खराब है । स्पीकर साहब, इस बात में कोई दो राय नहीं कि हरियाणा के कुछ स्कूल्ज की बिल्डिंग्ज कुछ हद तक रिपेयर मांगती हैं योर सरकार उनके बारे में प्री तरह से जागरूक है । लेकिन सदन की सूचना के लिए मैं अर्ज कर दूं कि हरियाणा स्कूल बिल्डिंग्ज के मामले में सारे देश में बहुत आगे है । (विघन) स्पीकर साहब, अफसोस की बात यह है कि जो बात इन्हें मालूम नहीं है उसे अगर हम बताते हैं तो ये एतराज करते है और जो मालूम है उसे यदि ठीक करके बताते हें तो परेशान होते हैं ।

स्पीकर साहब, आप ही इसका कुछ इलाज सोचिए । (विघन) ....

श्री अध्यक्ष : यह बात रिकार्ड न की जाए ।

चौधरी मनफूल सिंह : स्पीकर साहब, वित मंत्री महोदय हर बात का जवाब दे रहे हें लेकिन कुछ ठीक ढंग से नहीं दे रहे हैं और गलत भी दे रहे हैं । मैं इस बारे एक शेर अर्ज करना चाहता हूं––

रात के अंधेरे में पाप छुपा लेते हो तुम ।

खुदा जब पूछेगा क्या जवाब दोंग तुम ।।

(व्यवधान व शोर)

श्री सागर राम गुप्ता : स्पीकर साहब, एजुकेशन डिपार्टमैंट के बारे में सदन की सूचना के लिए बताना चाहता हूं कि हरियाणा ही केवल ऐसी स्टेट है जिसमें 87 परसैन्ट स्कूल्ज परमानैन्ट बिल्डिंगों में लगते हैं शायद ही कोई स्टेट हो जिसमें प्राइमरी स्कूल परमानेन्ट बिल्डिगों में लगते हों । कहीं पर किराये की बिल्डिगों में, कहीं टैन्टों में, कहीं ओपन जगह में दरखतों के नीचे लगते हैं ।

श्री फतेह चन्द विज : आन ए प्यायंट आफ आर्डर सर । स्पीकर साहब,. पानीपत शहर में प्राइमरी स्कूल किराये की प्राइवेट बिल्डिंग में है और मैं तीन चार साल से सरकार का ध्यान इस

ओर दिला रहा हूं कि वह बिल्डिंग गिरती जा रही है, क्या सरकार उसकी रिपेअर की ओर ध्यान देगी?

श्री सागर राम गुप्ता : स्पीकर साहब एजुकेशन डिपार्टमैंट ने स्कूलों की बिल्डिंग की रिपेअर के लिए 90 लाख रुपया हर साल खर्च किया है । यह भी मुरम्मत हो जायेगी, कोई पहले हो जायेगी और कोई बाद में हो जायेगी ।

श्री अध्यक्ष : ये पूछ रहे हैं कि जो प्राईवेट बिल्डिंग स्कूल के लिए किराये पर ले रखी है और वह खराब हो रही है तो उनके बारे में आप क्या करेंगे?

श्री सागर राम गुप्ता : स्पीकर साहब ऐसी बिल्डिंगें टेक–ओवर हो चुकी हैं, एक्वायर की जा चुकी हैं और पानीपत वाला काम भी हो जायेगा ।

स्पीकर साहब, अगली सातवीं पांच साला प्लान में प्राइमरी और मिडल स्कूलों की बिल्डिग्ज के लिए 848 लाख रुपया रखा गया है और सैकन्डरी स्कूलों की बिल्डिग के लिए 680 लाख रुपया रखा गया है । अगले साल के लिए यानी सन 198 5– 86 में प्राइमरी और मिडल स्कूलों की बिल्डिज के लिए दों करोड़ रुपया रखा गया है और सैकन्डरी स्कूलों के 1इ लए एक करोड़ रुपया रखा गया है । यह बात तो माननीय सदस्य मानेंगे कि सारे काम इक्ट्ठे नही हो सकते, फेजिज में काम करना पड़ता है । यह भी नहीं कहा जा सकता कि सरकार जागरूक नहीं है या मुनासिब

तादाद में फन्ड मकसूस नहीं करती है । इसके अलावा एन ० आई ० बी ० पी०, आर ० एल. ० जी ० पी ० की स्कीमें भी हैं । इन स्कीमों के द्वारा रूरल– एरिया के स्कूलों की मुरम्मत के लिए ईमदाद मिलती हए ।

स्पीकर साहब, यहां पर स्कूलों तथा अप्रोच रोड्ज की भी बात आयी हए । यह बात पहले भी आयी थी । मैं माननीय सदस्यों को बताना चाहता हूं कि इस मामले पर सरकार ने काफी विचार किया है । हमारी निश्चित कोशिश होगी किं स्कूलों को सड्कों के साथ मिला दिया जाये । (तालियां)

बहिन शान्ति देवी जी ने बोलते हुए कहा कि एजूकेशन का और ज्यादा प्रसार किय जाये । उन्होंने बड़ी वाजिब बात कही और मैं भी कह ता हूं कि तालीम बढ़नी चाहिए, लिटरेसी बढनी चाहिए । मैं गरिमामय सदन में बताना चाहता हूं कि हमने एजूकेशन का प्रसार करने की काफी कोशिश की है । आप इसी बात से अन्दाजा लगाये कि हरियाणा में 136 किलोमीटर के रेडियस में प्राइमरी स्कूल है, 22 किलो– मीटर के रेडियस पर मिडल स्कूल है और 2. 8 किलोमीटर के रेडियस पर हाई स्कूल है जब कि नेशनल एवरेज 1. 5 किलोमीटर पर प्राइमरी स्कूल, तीन किलोमीटर पर मिडल स्कूल और पांच किलोमीटर पर हाई स्कूल है । अब माननीय सदस्य महसूस करेंगे कि हम नैशनल एवरेज से काफी हद तक आगे हैं । मैं सदन को यकीन दिलाना चाहता हूं कि एजुकेशन के प्रसार में सरकार निरन्तर कोशिश करती रहेगी ।

अगले प्लान के लिए हमने फैसला किया हे कि पांच सौ प्राइमरी स्कूल खोले जायेगे और अपग्रेडेशन आफ स्कूल की भी बात की गई है । यहां पर यह भी जिक्र किया गया कि स्कूलों में फर्नीचर, पीने के पानी का प्रबन्ध और बच्चों के बैठने के लिए टाट आदि नहीं हैं । मैं माननीय सदस्यों कौ बताना चाहता हूं कि सरकार इस बात की ओर पूरा ध्यान रखती है ।

श्री अध्यक्ष : आप कितना टाईम और लेंगें ।

श्री सागर राम गुप्ता : आधा घन्टा और लूंगा ।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाउस सहमत हो तो 15 मिनट के लिए हाऊस का टाईम बढ़ा दिया जाये ।

आवाजें : ठीक है, बढ़ा दें ।

श्री अध्यक्ष : हाउस का टाईम 15 मिन्ट के लिए बढ़ाया जाता है ।

वर्ष 1985–86 के बजट की डिमांडज फार ग्रांट्स पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

श्री सागर राम गुप्ता : स्पीकर साहब, मैं यह भी अर्ज करना चाहता हूं कि युनिसिफ ने सर्वे किया था कि हरियाणा में 85 परसैट प्राइमरी स्कूलों में पीने के पानी का ठीक बन्दोबस्त है

और इस सर्वे के अनुसार नेशनल एवरेज 41 परसैन्ट है यानी सारे हिन्दुस्तान में औसतन 41 परसैन्ट स्कूलों में पीने के पानी का इन्तजाम है ।

श्रीमती बसन्ती देवी : स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि क्या इसमें प्राइवेट स्कूल भी शामिल हैं? एक बार मैंने सांपला के प्राइवेट स्कूल में वाटर सप्लाई स्कीम वालों से रिक्वैस्ट की थी कि इस स्कूल में एक नलका लगा दें तो उन्होंने कहा कि प्राइवेट स्कूलों के लिए नल अलाउड नहीं है (विध्न)

श्री सागर राम गुप्ता : स्पीकर साहब, जो सर्वे किया गया है उसकी एवरेज मैंने आपसे बतायी है । यह एवरेज गवर्नमैंट स्कूलों की है । प्राईवेट स्कूल वाले सरकार को कैसे कहेंगे कि हमारे यहां पीने के पानी का प्रबन्ध करें? जो स्कूल खोलते हैं उनकी जिम्मेदारी है वे पानी का प्रबन्ध करें । अगर कोई भाई बहन प्राइमरी स्कूल प्राइवेट तौर पर चालू करवाता है तो वह खुद पानी का इन्तजाम करे । सरकार वहां पानी का क्यों प्रबन्ध करेगी? जो स्कूल चलाता है वह खुद प्रबन्ध करायेगा । अगर कोई सरकारी स्कूल है और सरकार की बिल्डिग में है तो सरकार की जिम्मेदारी है । हें आपके द्वारा सदन को यकीन दिलाना चाहता हूं कि 35 परसैन्ट स्कूल जो बाकी हैं, वहां पर सरकार पूरी कोशिश करेगी और तेजी के साथ पीने के पानी का प्रबन्ध करेगी । कुछ इलाके ऐसे हैं जहां पर नहरी पानी उपलब्ध नहीं है । हमारी

पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर महोदया ठीक ही कह रही हैं कि जिन गांवों में पानी ही नहीं आता, वहां तो कुंओं वगैरह से ही पानी ड्रा किया जाता है । इसके अलावा यहां पर स्कूलों में कुछ सिटिंग अरेंजमैंट की भी बात आई है । यह कहा गया कि सिटिंग अरेंजमैंट कुछ स्कूलों में है ही नहीं, मैं माननीय सदस्यों की सूचना के लिये यह बताना चाहता हूं कि 75 लाख रुपये का हमने इस बात के लिये प्रावधान किया है कि प्राइमरी स्कूलों में टाट पट्टी वगैरह दी जा सके और 225 लाख रुपये का प्रावधान इसलिये किया है कि ताकि मिडल, हाई और हायर सैकडरी स्कूलों में फर्नीचर वगैरा दिया जा सके । इसके साथ ही साथ हमने डिस्ट्रिक्ट एजूकेशन आफिसर्ज को यह अधिकार भी दिया है कि वह 20,000 रुपये तक का खर्चा वहां के लोकल चिल्ड्रन फन्ड्ज में से प्राइमरी स्कूलों में टाट–पट्टी देने के लिये और दूसरे स्कूलों में फर्नीचर वगैरा देने के लिये कर सकते है । स्पीकर साहब, आप देखेंगे कि इस सिलसिले में हरियाणा सरकार काफी प्रगतिशील है और इस बात का काफी इन्तजाम किया जा रहा है कि एजुकेशन का प्रसार हो । स्पीकर साहब, वर्ष 1985–88 में सरकार की यह प्रोपोजल है कि 100 प्राइमरी स्कूलों को अपग्रेड कर दिया जाये । स्पीकर साहब, जैसे कि आप सब जानते हैं, मैं माननीय सदस्यों को बताना चाहता हूं कि प्राइमरी स्कूल की अपग्रेडेशन के लिये जो नार्म्ज हैं, वे यह हैं कि वहां पर 11 कमरे होने चाहिये' (व्यवधान व शोर) स्पीकर साहब, यहां पर एक बात कही गयी कि एम्पलायमैंट बाहर के लोगों को दी जाती. है । हरियाणा के जवान

लड़कों को एम्पलायमैंट के साधन मिलते ही नहीं हैं । स्पीकर साहब, इन्होंने यह कहा है कि हरियाणा से बाहर के लोगों को एम्पलायमैंट एक्सचेंजिज में रजिस्टर करवा लेते हैं और उससे हरियाणा के इन्टैरस्ट्स का नुकसान होता है । स्पीकर साहब, यह बिल्कुल गलत बात है । यह बात ठीक है कि हमारे यहां बेरोजगारी की समस्या काफी सख्त है, इस बात से कोई इन्कार नहीं कर सकता । सरकार इस बारे में काफी चिन्तित भी है और इसके लिये साधन जुटाने की कोशिश भी कर रही है जिनसे अन–एम्पलायमैंट की प्रौब्लम आहिस्ता–आहिस्ता हल हो । मैं माननीय सदस्यों की सूचना के लिये यह बता दू कि ऐसी कोई बात नहीं है जिससे हरियाणा के बच्चों के इन्ट्रैस्टस का कोई नुक्सान हुआ हो । जहां तक एम्पलायमैंट एक्सचेंज में रजिस्टेरशन का सवाल है, स्पीकर साहब, हमने यह हिदायत दे रखी है कि किसी भी अन–एम्पलायड पर्सन का नाम केयर आफ के एड्रैस से रजिस्टर नहीं किया जायेगा । पहले यह होता था कि बाहर के लोग यू० पी० के, बिहार के और मध्य प्रदेश के लोग हरियाणा के किसी भी रहने वाले आदमी की मार्फत का एडैरस देकर अपना नाम रजिस्टर करवा लेते थे । अब हमने उनको रजिस्टर करने से इन्कार कर दिया है । हमने यह कह दिया है कि ऐसे लोगों के नाम जो किसी की मार्फत अपना एड्रैस दें, उनका नाम रजिस्टर न किया जाये । हमने यह किया है कि एम्पलायमैंट एक्सचेंज में बिफोर रजिस्टेरशन वह रैजीडेंस सर्टीफिकेट पेश करेगा कि वह हरियाणा का ही रहने वाला है । वह सर्टीफिकेट कौन देगा, एम०

पी०, एम ० एल ० ए ० या कोई गजटिड अफसर या हैड मास्टर वगैरा दे सकते हैं । सरपंच या गांव का नम्बरदार भी दे सकता है । इतनी ही हम कोशिश इसके लिये कर रहे हैं कि बाहर के लोग यदा पर आकर अपना नाम एम्पलामैंट एच्सचेंजिज में दर्ज न करा सकें ।

श्री निहाल सिंह : स्पीकर साहब, पिछले सैशन में भी मैंने सुझाव दिया था और उस वक्त एजुकेशन मिनिस्टर साहब मान भी गये थे कि डोमासाईल सर्टीफिकेट्स और शिडयूल्ड कास्ट के सर्टीफिकेट के लिये लोगों को बड़े चक्कर काटने पड़ते हैं, इसके लिये मैट्रिकुलेशन सर्टीफिकेट में दो कालम बना दिये जायें जिनसे यह परपज सर्व हो जायेगा । उस वक्त एजुकेशन मिनिस्टर महोदय ने यह कहा था कि हम यह करेंगे । ऐसा न होने की वजह से आजकल बहुत दिक्कत आती है । अगर यह कर दिया जाये तो कोई हर्ज नहीं है कि सच एण्ड सच पर्सन इज रैकीडैटं आफ सच एण्ड सच विलेज इन हरियाणा । इसके अलावा शिडयूल्ड कास्ट के लड़कों को शिडयूल्ड कास्ट का सर्टीफिकेट लेने के लिये बहुत दिक्कत होती है । न तहसीलदार करता है और न ही एस ० डी ० एम ० सर्टीफिकेट साईन करता है । अगर उस में ही एड कर दिया जाये तो उनकी यह प्रौब्लम भी हल हो जायेगी ।

श्री सागर राम गुप्ता : स्पीकर साहब, विचार बहुत ही रचनात्मक है, सरकार इस बारे में विचार करेगी और इस बारे में एक्शन लेगी । स्पीकर साहब, यहां पर अर्बन डिवैल्पमैंट का भी

जिक्र आयौ है । इसका जिक्र करते हुए हमारे माननीय सदस्यों ने इल्जाम भी लगाया । (व्यवधान व शोर) इन्होंने यह कहा कि हुडा जो अर्बन डिवैल्पमैंट कर रहा है, वह गरीब आदमियों की कोई मदद नहीं कर रहा है बल्कि पूंजीपतियों और बड़े–बड़े लोगों को ही प्लाट्स दे रहा है । (व्यवधान व शोर). स्पीकर साहब, ऐसी कोई बात नहीं है (व्यवधान व शोर) हाउस का मूड देख कर मैं केवल दो–तीन बातें कह कर ही बैठ जाऊंगा । एक तो यह मांग की गयी कि सरकार ने बायो गैस प्लांट के इक्वीपमैटस पर हम ने जो सेल्ज टैक्स एग्जैम्पशन दी है, यह बर्नर्ज पर भी दी जानी चाहिये । इस सुझाव को मद्देनजर रखते हुए गवर्नमैंट ने यह फैसला किया है कि बायो–गैस बर्नर्ज पर भी सेल्ज–टैक्स नहीं लगेगा । स्पीकर साहब, एक मांग धमीजा साहब ने और रखी और बहुत जोरदार सिफारिश की । डाक्टर साहब ने भी कहा था कि जो चूड़ियां हैं, वह कांच की क्यों हों, सारी किस्म की चूड़ियों पर सेल्ज टैक्स 12 से 4 परसैंट तक कम करना चाहिये । (व्यवधान व शोर) स्पीकर साहब, ये मेरे पास दफ्तर में आये थे । इन्होंने इस के लिये इसरी सिफारिश की कि बस पूछो मत । सरकार ने यह फैसला किया है कि केवल कांच की चूडियां नहीं, बल्कि प्लास्टिक और रबड़ की चूड़ियों पर भी सेल्ज टैक्स 12 से 4 परसैटं तक कम कर दिया जाये । तीसरी बात मैं कहना चाहता हूं कि यहां पर जिक्र हुआ था और आपका भी हुक्म हुआ था, मैं सारे माननीय सदस्यों के लिये कल शाम 8 बजे स्टेट गैस्ट हाउस में

यूक डिनर आयोजित कर रहा हूं । आप सब से मेरी प्रार्थना है कि वहां तशरीफ लायें ।

Shri Mangal Sein : Sir, with this condition that he reduces the 10% increased bus fare, then only we will come.

श्री सागर राम गुप्ता : यह तो कोई बात नहीं बनती । अगर वह इस बात की जांच करना चाहते हैं कि बस फेयर क्यों बढाये हैं, तो मैं इनको फैक्ट्स एण्ड फिगर्ज देने के लिये तैयार हूं । मुझे पता है, डाक्टर साहब, उसको एक्सैप्ट नहीं करेंगे । स्टेट गवर्नमैंट को रिसोर्सिज तो इकट्ठे करने ही होते है ताकि खर्च चल सके और स्टेट की डिवैल्पमैंट भी कर सकें । या फिर डाक्टर साहब बता दें कि यहां से रिसोर्सिज मौबीलाईज करें ।

स्पीकर साहब, में सभी माननीय सदस्यों से यह प्रार्थना करूंगा कि कल शाम को आठ बजे डिनर पर आने की कृपा करें ।

Shri Mangal Sein : We will come only on the condition that he reduces the 10% increased bus fare.

श्री हीरा नन्द आर्य : स्पीकर साहब, गवर्नमैंट ने 75 होर्स पावर तक के मौनों ब्लाक पम्पिंग सैटस को सेल्ज टैक्स से ऐग्जेम्पट किया है । अगर सरकार और इम्पलीमैंट्स पर टैक्स माफ नहीं कर सकती तो कम से कम दस हौर्स पावर के मौनो ब्लाक पम्पिंग सैट्स को तो सेल्ज टैक्स से माफ कर दें ।

श्री अध्यक्ष : यह बात पहले भी आ चुकी है । किसी और सदस्य ने भी इस बारे में कहा है ।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : स्पीकर साहब, सदन में यह मांग की गई ई कि साढ़े सात हौर्स पावर की बजाये दस हौर्स पावर के मौनों ब्लोक पम्पिंग सैटस पर टैक्स माफ होना चाहिए । स्पीकर साहब, सरकार ने फैसला लिया है कि दस हौर्स पावर तक के सैट पर सेल्ज टैक्स नहीं लिया जाएगा ।

श्री अध्यक्ष : अब मैं वैरियस डिमान्डज को वोटिंग के लिए रखता हूं ।

Question is—

That a sum not exceeding Rs. 29,86,28,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 2—General Administration.

That a sum not exceeding Rs. 44,22,12,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 3—Home.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is—

That a sum not exceeding Rs. 1,43,79,79,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray

charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 9—Education.

That a sum not exceeding Rs. 97,02,97,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 10—Medical & Public Health.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Questton is—

That a sum not exceeding Rs. 10,86,59,000 for revenue expenditure and Rs. 3,57,06,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 16—Industries.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is—

That a sum not exceeding Rs. 19,22,51,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 20—Forest.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is—

That a sum not exceeding Rs. 81,55,67,000 for revenue expenditure and Rs. 12,51,50,000 for capital

expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 23—Transport.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is—

That a sum not exceeding Rs. 76,65,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 1—Vidhan Sabha.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is—

That a sum not exceeding Rs. 5,11,70,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 5—Excise and Taxation.

That a sum not exceeding Rs. 22,30,58,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 6—Finance.

That a sum not exceeding Rs. 31,41,47,000 for revenue expenditure and Rs. 34,99,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 7--Other Administrative Services.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is-

That a sum not exceeding Rs. 5,93,00,000 for revenue expenditure and Rs. 34,77,000 for capital expenditure he granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 11—Urban Development.

That a sum not exceeding Rs. 7,71,87,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 12—Labour and Employment.

That a sum not exceeding Rs. 28,38,64,000 for revenue expenditure and Rs. 1,92,45,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for. the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 13--Social Welfare and Rehabilitation.

That a sum not exceeding Rs. 2,25,82,000 for revenue expenditure and Rs. 1,47,49,81,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 14--Food and Supplies.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is—

That a sum not exceeding Rs. 1,76,95,000 for

revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 19— - Fisheries.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Question is —

That a sum not exceeding Rs. 94,22,000 for revenue expenditure and Rs. 1,47,00,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 24—Tourism.

That a sum not exceeding Rs. 1,47,73,28,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1985-86 in respect of charges under Demand No. 25--Loans and Advances by State Government.

The motion was carried.

श्री अध्यक्ष : अब हाउस कल प्रातः साढ़े नौ बजे तक एडजर्न किया जाता है ।

13.44 बजे

(तत्पश्चात सदन वीरवार, दिनांक 28— 3— 1985 को प्रातः 9.30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ ।)